- जबलपुर, बुधवार दिनांक 11 मार्च 2026
- वर्ष 31 अंक 254
- पृष्ठ 12
- मूल्य ₹ 3.00

www.swatantramat.com

स्वतंत्र मत

सुविचार

`पहचान से मिला काम थोड़े समय के लिए रहता हैं लेकिन काम से मिली पहचान उम्रभर रहती है'

4 परसवाड़ा पंचायत में एक करोड़ से...

5 बाहरी ठेकेदारों ने लगाया दम ...

7 चायना का 141 पन्नों वाला मास्टरप्लान...

11 फुले के सपनों को साकार कर रहे ...

घुसपैठ की कोशिश में मारा गया आतंकी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के झंगर-नौशेरा सेक्टर में एलओसी पर घुसपैठ की कोशिश के दौरान एक आतंकवादी को सेना ने मार गिराया। भारतीय सेना ने बताया कि 10 मार्च को दोपहर करीब 3 बजे लाइन ऑफ कंट्रोल पर झंगर-नौशेरा के इलाके में दो आतंकवादियों की हरकत का पता चला था। सेना ने बताया कि सैनिकों ने तेजी से काम किया, और घुसपैठ की कोशिश को सफलतापूर्वक नाकाम कर दिया। दूसरे आतंकवादी की तलाश जारी है।

एनसीईआरटी ने मांगी बिना शर्त माफी

नई दिल्ली। एनसीईआरटी के निदेशक और सदस्यों ने कक्षा 8 की सामाजिक विज्ञान की पुस्तक 'समाज की खोज: भारत और उससे आगे' के एक विवादित अध्याय को लेकर मंगलवार को बिना शर्त और बिना किसी योग्यता के सार्वजनिक माफी मांगी है। विवाद पुस्तक के अध्याय-4 'हमारे समाज में न्यायपालिका की भूमिका' को लेकर हुआ, जिसमें न्यायपालिका में कथित भ्रष्टाचार से जुड़े संदर्भों का उल्लेख किया गया था। एनसीईआरटी ने कहा है कि यह पूरी पुस्तक अब वापस ले ली गई है।

पुलिस फायरिंग में दो की मौत, कर्फ्यू लगा

शिलांग। मेघालय के वेस्ट गारो हिल्स जिले में मंगलवार सुबह हिंसक भीड़ को तितर-बितर करने के लिए सुरक्षाबलों ने फायरिंग की, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई। यह घटना गारो हिल्स ऑटोनामस डिस्ट्रिक्ट काउंसिल चुनाव नॉमिनेशन प्रोसेस को लेकर तनाव के बीच हुई। वेस्ट गारो हिल्स के पुलिस सुपरिटेंडेंट अब्राहम टी संगमा ने कहा कि यह घटना चिबिनंग इलाके में हुई, जहां आदिवासी और गैर-आदिवासी ग्रुप के बीच झड़प हो गई।

सहारा को झटका! 14,000 करोड़ लौटाने का आदेश बरकरार

नई दिल्ली। सिक्योरिटीज अपीलेट ट्रिब्यूनल ने सहारा समूह से जुड़े एक पुराने मामले में बड़ा फैसला सुनाया है। ट्रिब्यूनल ने भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड के उस आदेश को बरकरार रखा है, जिसमें सहारा की कंपनी को निवेशकों से जुटाए गए करीब 14,000 करोड़ रुपए लौटाने के लिए कहा गया था। यह मामला ऑप्शनली फुली कन्वर्टिबल डिबेंचर के जरिए जुटाए गए फंड से जुड़ा है। सहारा समूह ने 1998 से 2008 के बीच इस योजना के तहत बड़ी संख्या में निवेशकों से पैसा जुटाया था। सेबी का कहना है कि इतने बड़े स्तर पर लोगों से पैसा जुटाना पब्लिक इश्यू के दायरे में आता है, जिसके लिए नियामक की मंजूरी और नियमों का पालन जरूरी होता है।

यूसीसी लागू करने का समय आ गया: सुको

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि देश में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने का समय आ गया है। इस पर फैसला करना कोर्ट के बजाय संसद का काम है। कोर्ट शरियत कानून 1937 की कुछ धाराओं को रद्द करने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई कर रहा था। इन धाराओं से मुस्लिम महिलाओं के साथ भेदभाव का आरोप था। सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस आर महादेवन की बेंच ने कहा कि शरियत कानून की धाराएं रद्द कर दी गईं तो मुस्लिम समुदाय में संपत्ति के बंटवारे को लेकर कोई स्पष्ट कानून नहीं बचेगा। इससे कानूनी खालीपन पैदा हो सकता है। सीजेआई ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट पहले भी कई बार सरकार से समान नागरिक संहिता लागू करने को कह चुका है।

अविश्वास पर चर्चा...अपना-अपना मोर्चा

लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को पद से हटाने आज होगा मतदान

नई दिल्ली

लोकसभा में मंगलवार को विपक्ष स्पीकर ओम बिरला को पद से हटाने के लिए अविश्वास प्रस्ताव लाया। 50 से ज्यादा सांसदों ने प्रस्ताव के पक्ष में वोट किया। इसके बाद पीठासीन ने प्रस्ताव पेश करने की परमिशन दे दी। प्रस्ताव पर चर्चा के लिए 10 घंटे का समय तय किया गया। विपक्ष ने ओम बिरला पर सदन की कार्यवाही में पक्षपात करने का आरोप लगाया है। बहस की शुरुआत कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने की। उन्होंने कहा कि बजट सत्र के दौरान 20 बार नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को रोका-टोका गया। उन्हें बार बार रूलिंग बुक दिखाई गई। उन्होंने अपनी स्पीच में एक आर्टिकल का हवाला दिया। इस पर उन्हें मना किया गया, लेकिन सत्ता पक्ष के सांसदों ने भारत में बैन किताबें सदन में दिखाईं। उनसे कुछ नहीं कहा गया। इस तरह का भेदभाव स्वीकार नहीं है। गोगोई बोले- 2 फरवरी को नेता विपक्ष राहुल गांधी जब बोल रहे थे, तब उन्हें बार-बार रोका गया। स्पीकर सर ने उनके तर्क पर सबूत देने का कहा। 9 फरवरी को शशि थरूर जब बोल रहे थे, तब उनका माइक बंद कर दिया गया। सरकार ने कहा कि बोलिए, लेकिन हम कैसे बोल सकते हैं जब माइक ऑफ किया गया हो। संसद में ऐसी नई-नई चीजें हो रही हैं। आज महिला सांसदों के उद्देश्य पर सवाल उठाए जा रहे हैं। ओम बिरला जी ने पीएम मोदी के समय कहा था कि महिला सांसदों ने पीएम की चेयर घेर ली है। उनके साथ कुछ भी हो सकता था। ये बहुत ही शर्मनाक बात है। बिरला ने किस

आधार पर महिला सांसदों पर ये आरोप लगाए। वहीं, संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने कहा- इन लोगों ने पहले आरोप लगाया कि स्पीकर को बोलने नहीं दिया जाता है। मैं कहता हूं 15वीं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष केवल 2 बार बोले। जब सेशन चलता है, तो विदेश चले जाते हैं। नेता प्रतिपक्ष अपनी बात बोल के सदन से भाग जाते हैं। किसी और की बात नहीं सुनते हैं। फिर कहते हैं कि मुझे बोलने नहीं दिया जाता है। पहली बार मैंने ऐसा दृश्य देखा कि नेता प्रतिपक्ष पीएम को गले लगा रहा है। अपनी सीट पर बैठकर अपने सांसद को आंख मारता है। जैसा लीडर है तो बाकी के सांसद भी वैसे ही होंगे। मेंबर चेयर को यार कहते हैं। फिर कहतें हैं कि इसमें गलत क्या है। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने कहा कि एक ही व्यक्ति है इस देश में जो इन 12 सालों में इनके सामने झुका नहीं। वह नेता प्रतिपक्ष है। और वो नेता प्रतिपक्ष इस सदन में खड़े होके इनके सामने सच बोल देते हैं। सच्चाई वो जो बोलते हैं वह इनसे पचती नहीं है।

बीजेपी ने जारी किया व्हिप

भारतीय जनता पार्टी ने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ विपक्ष द्वारा लाए गए अविश्वास प्रस्ताव को लेकर पार्टी के सभी लोकसभा सांसदों के लिए व्हिप जारी किया है। व्हिप में सांसदों को बुधवार को पूरे दिन सदन में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने और सरकार के पक्ष का समर्थन करने का निर्देश दिया गया है। बीजेपी संसदीय दल के मुख्य व्हिप डॉ. संजय जायसवाल द्वारा हस्ताक्षरित इस तीन लाइन व्हिप में कहा गया है कि 11 मार्च को लोकसभा में कुछ अत्यंत महत्वपूर्ण विधायी कार्य पारित किए जाएंगे। इसलिए सभी बीजेपी सांसदों को सदन में पूरे दिन मौजूद रहना अनिवार्य है और वो सरकार के रुख का मजबूती से समर्थन करें। व्हिप में स्पष्ट रूप से लिखा है कि सांसद पूरे दिन सदन में रहकर सरकार का पक्ष मजबूत करें।

प्रियंका गांधी नेता प्रतिपक्ष होतीं तो...

लोकसभा में स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू प्रियंका गांधी की खूब तारीफ की। उन्होंने कहा कि विपक्ष में भी अच्छे लोग हैं, फिर भी नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को ही बनाया। इसमें मैं क्या कर सकता हूं। प्रियंका वाड्रा गांधी पीछे बैठकर मुस्करा रही हैं। इनको भी नेता प्रतिपक्ष बनाते तो परफॉर्मेंस अच्छा होता। रिजिजू ने कहा कि ये कम से कम सुनती तो हैं। कोई अच्छा व्यवहार करे, तो सराहना करना मेरा दायित्व है।

युद्ध ने निकाला तेल

नई दिल्ली। सरकार ने घरेलू रसोई गैस की बिना रुकावट सप्लाई पक्का करने के लिए एसेंशियल कमोडिटीज एक्ट यानी जरूरी वस्तु अधिनियम (ईसीए) लागू किया है। इसके तहत रिफाइनरियों और पेट्रोकेमिकल यूनिट्स को लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) का प्रोडक्शन ज़्यादा से ज़्यादा करने और जरूरी हाइड्रोकार्बन स्ट्रीम को एलपीजी पूल में डालने का निर्देश दिया गया है। उद्योगों को गैस आपूर्ति में 50 फीसदी की कटौती की गई है। केंद्र के निर्देश के बाद रिफाइनरियों ने एलपीजी उत्पादन में 10 फीसदी की बढ़ोतरी कर दी है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की तरफ से सोमवार रात जारी किए गए इस निर्देश के मुताबिक, रिफाइनरियों को सी-3 और सी-4 स्ट्रीम के पूरे आउटपुट को एलपीजी प्रोडक्शन की तरफ लगाना होगा, जिसमें प्रोपेन, ब्यूटेन, प्रोपलीन और ब्यूटेन शामिल हैं। यह कदम घरेलू उपभोक्ताओं को रसोई गैस की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है, जिससे पेट्रोकेमिकल प्रोडक्शन के बजाय रसोई गैस की प्राथमिकता बनी रहे। आदेश के तहत, इन स्ट्रीम्स की सप्लाई सिर्फ तीन सरकारी ऑयल मार्केटिंग कंपनियों इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन को ही की जानी चाहिए, जो मिलकर देश में घरेलू एलपीजी का लगभग पूरा डिस्ट्रीब्यूशन करती हैं। मिनिस्ट्री ने रिफाइनरियों और पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स को भी इन स्ट्रीम्स को पेट्रोकेमिकल प्रोडक्शन या दूसरे डाउनस्ट्रीम इस्तेमाल के लिए डायवर्ट करने से रोक दिया है, जिससे घरेलू एलपीजी सप्लाई को प्रायोरिटी दी जा सके।

रिफाइनरियों को उत्पादन बढ़ाने के निर्देश, सरकार ने लागू किया ईसीए

एसआईआर: न्यायिक अधिकारियों के काम में बाधा न हो

सुप्रीम कोर्ट ने बंगाल सरकार और चुनाव आयोग को दिए निर्देश

नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल में चल रही विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने अहम निर्देश जारी किए हैं। अदालत ने राज्य सरकार और चुनाव आयोग से कहा है कि न्यायिक अधिकारियों को अपना काम सुचारू रूप से करने के लिए उचित और निर्बाध परिस्थितियां उपलब्ध कराई जाएं। तीन जजों की पीठ, जिसमें मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, जस्टिस आर. महादेवन और जस्टिस जॉयमाल्या बागची शामिल थे, ने कहा कि एसआईआर प्रक्रिया में तैनात न्यायिक अधिकारियों ने अब तक मतदाता सूची से हटाए जाने के

खतरे का सामना कर रहे लोगों की 10.16 लाख आपत्तियों और दावों पर सुनवाई की है। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से कहा कि एसआईआर प्रक्रिया में कोई भी नया अनिवार्य कदम तब तक लागू न किया जाए, जब तक उसे कलकत्ता हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की मंजूरी न मिल जाए। साथ ही अदालत ने निर्देश दिया कि चुनाव आयोग के पोर्टल में आने वाली तकनीकी दिक्कतों को तुरंत दूर किया जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि आगे ऐसी समस्याएं न हों। कोर्ट ने यह भी कहा कि न्यायिक अधिकारियों के लिए नए लॉग-इन आईडी जल्द बनाए जाएं, ताकि मतदाता सूची के संशोधन का काम बिना बाधा जारी रह सके। साथ ही स्पष्ट किया कि न्यायिक अधिकारियों के फैसलों की समीक्षा चुनाव आयोग के किसी प्रशासनिक अधिकारी द्वारा नहीं की जा सकती। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कलकत्ता हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश अपीलों की सुनवाई के लिए पूर्व मुख्य न्यायाधीशों और हाईकोर्ट के न्यायाधीशों की एक पीठ गठित कर सकते हैं। अदालत ने चुनाव आयोग को इस संबंध में अपीलीय प्राधिकरण बनाने के लिए अधिसूचना जारी करने का भी निर्देश दिया। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट यह सुनवाई पश्चिम बंगाल में जारी स्क्रूक्रप्रक्रिया से जुड़े कई याचिकाओं के समूह पर कर रहा था।

सरकार कोविड वैक्सीन से नुकसान का मुआवजा दे

साइड इफेक्ट्स की जांच के लिए एक्सपर्ट पैनल की जरूरत नहीं

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को कोविड वैक्सीनेशन से जुड़ी याचिकाओं पर फैसला सुनाते हुए कहा कि सरकार वैक्सीनेशन के साइड इफेक्ट्स का मुआवजा दे। इसके लिए वह नो-फॉल्ट कंपनसेशन पॉलिसी बनाए। नो-फॉल्ट कम्पनसेशन पॉलिसी का मतलब है कि अगर किसी व्यक्ति को दवा या वैक्सीन से नुकसान हो जाए, तो उसे मुआवजा मिल सकता है, भले ही इसमें किसी की गलती साबित न हुई हो। जस्टिस विक्रम नाथ और संदीप मेहता की बेंच ने यह भी कहा कि वैक्सीनेशन के साइड इफेक्ट्स की मॉनिटरिंग के लिए मौजूदा सिस्टम जारी रहेगा। इसके लिए अलग से एक्सपर्ट पैनल बनाने की जरूरत नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने रचना गंगू और वेणुगोपालन गोविंदन की 2021 में दायर याचिका पर यह फैसला सुनाया, जिसमें आरोप लगाया गया था कि उनकी बेटियों की मौत कोविड वैक्सीन के साइड इफेक्ट्स के कारण हुई थी।

सुप्रीम कोर्ट का आदेश

- वैक्सीन के साइड इफेक्ट्स से जुड़े आंकड़े समय-समय पर पब्लिक डोमेन में रखा जाएगा।
- इस फैसले का मतलब यह नहीं होगा कि व्यक्ति दूसरे कानूनी उपायों का सहारा नहीं ले सकता।
- मुआवजा नीति का यह मतलब नहीं होगा कि सरकार या किसी दूसरी अथॉरिटी ने अपनी गलती मान ली है।

महामंडलेश्वर को हनीट्रैप में फंसाने की साजिश

बनारस से बुलाई महिला, साध्वी और उसके साथी पर एफआईआर

उज्जैन। उज्जैन के प्रसिद्ध चारधाम मंदिर के महामंडलेश्वर शांति स्वरूपानंद महाराज को हनी ट्रैप में फंसाकर ब्लैकमेल करने की साजिश का पर्दाफाश हुआ है। मामले में पुलिस ने पूर्व महामंडलेश्वर साध्वी मंदाकिनी पुरी और उनके साथी घनश्याम पटेल के खिलाफ केस दर्ज किया है। दोनों पर आरोप है कि उन्होंने शांति स्वरूपानंद की छवि खराब करने और उनसे अवैध वसूली के मकसद से यह जाल बुना था। जांच में ये बात सामने आई है कि आरोपियों ने साजिश को अंजाम देने बनारस की एक महिला को पैसों का लालच देकर अपनी टीम में शामिल किया था। योजना ये थी कि महिला के जरुए महामंडलेश्वर पर

बलात्कार का झूठा आरोप लगवाया जाए और फिर केस वापस लेने के बदले उन्हें ब्लैकमेल किया जाए। पुलिस की सक्रियता के कारण यह साजिश समय रहते उजागर हो गई और मुख्य आरोपियों की भूमिका स्पष्ट हो गई। पूछताछ के दौरान यह भी पता चला है कि साध्वी मंदाकिनी पुरी का पुराना आपराधिक रिकॉर्ड रहा है और वह पहले भी किसी अन्य मामले में जेल की हवा खा चुकी हैं।

इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स का इस्तीफा

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन कंपनी इंडिगो के मुख्य कार्यपालक अधिकारी पीटर एल्बर्स ने मंगलवार को इस्तीफा दे दिया। एक बयान में यह जानकारी दी गई है। उल्लेखनीय है कि इंडिगो पिछले तीन माह में अपने परिचालन में बड़े व्यवधान का सामना कर रही है। बयान में कहा गया है कि नए सीईओ की नियुक्ति तक एयरलाइन के प्रबंध निदेशक राहुल भाटिया अंतरिम व्यवस्था के तहत इंडिगो के प्रबंधन का कामकाज देखेंगे। इंटरग्लोब एविएशन के चेयरमैन विक्रम सिंह मेहता ने कहा, राहुल एयरलाइन के प्रबंधन का कार्य संभालने लौट रहे हैं ताकि कंपनी की संस्कृति को मजबूत किया जा सके, संचालन की उत्कृष्टता को और बढ़ाया जा सके और ग्राहकों को बेहतर देखभाल, भरोसेमंद सेवा और पेशेवर अनुभव प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता को और मजबूत किया जा सके।

जल जीवन मिशन 2.0 में खर्च होंगे 8.69 लाख करोड़ रुपए

नई दिल्ली

केंद्रीय कैबिनेट ने मंगलवार को जल जीवन मिशन 2.0 को मंजूरी दे दी है। इसके लिए सरकार की ओर से 8 लाख 69 हजार करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन 2.0 को आज मंजूरी मिल गई। अब इस प्रोजेक्ट को सस्टेनेबल बनाने का समय आ गया है। प्रोजेक्ट को पूरी तरह से रीस्ट्रक्चर किया जा रहा है। अब इंफ्रा क्रिएशन से सर्विस डिलीवरी पर फोकस होगा। उन्होंने बताया कि इसका मेन फोकस ऑपरेशन और मेंटेनेंस में कम्युनिटी को शामिल करना होगा। सभी एसेट्स की डिजिटल मैपिंग की जाएगी और सभी प्रोग्राम सर्टिफाइड किए जाएंगे। मंत्री ने बताया कि आज की कैबिनेट में 5-6 बड़े फैसले लिए गए। ये सभी फैसले करीब 8,80,000 करोड़ रुपये के हैं। जल जीवन मिशन के बाद दूसरा मदुरै एयरपोर्ट को इंटरनेशनल एयरपोर्ट घोषित करना, तीसरा पश्चिम मंगल में संतरागाछी से खड़गपुर तक, चौथा रेलवे लाइन बनाना है।

योजनाओं का जमीनी फीडबैक लेने नई योजना

4865 युवाओं को गांवों में रखेगी सरकार

भोपाल

मंत्रालय में मंगलवार को आयोजित कैबिनेट बैठक में डॉ. मोहन यादव सरकार ने कई महत्वपूर्ण फैसले लिए। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री चैतन्य काश्यप ने जानकारी देते हुए बताया कि कैबिनेट ने प्रदेश में योजनाओं के जमीनी फीडबैक के लिए सीएम यंग इंटर्न्स फॉर गुड गवर्नेंस प्रोग्राम शुरू करने का फैसला भी किया है। यह कार्यक्रम तीन साल तक चलेगा। इसके लिए हर विकास खंड से 15 युवाओं का चयन किया जाएगा। चयन प्रक्रिया अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण स्कूल के माध्यम से होगी। चयनित युवाओं को 10 हजार रुपए मासिक मानदेय दिया जाएगा और एक साल के अनुबंध पर सेवा में रखा जाएगा। कुल 4865 युवाओं का चयन होगा और इस कार्यक्रम पर तीन साल में करीब 170 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। इन युवाओं की जिम्मेदारी अपने विकासखंड में संचालित योजनाओं की जमीनी स्थिति और फीडबैक की रिपोर्ट तैयार करनी होगी। यह रिपोर्ट सीधे सुशासन स्कूल के माध्यम से मुख्यमंत्री और संबंधित विभागों तक पहुंचेगी। इसके लिए डैशबोर्ड और पोर्टल भी विकसित किया जाएगा। इसके अलावा राज्य सरकार ने एक जिला-एक उत्पाद योजना के तहत स्थानीय उत्पादों की ब्रांडिंग के लिए 37.50 करोड़ रुपए की डीपीआर तैयार की है। इस योजना में एमएसएमई, उद्योग, कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग संयुक्त कार्ययोजना के तहत काम करेंगे।

रजिस्ट्री का खर्च उठाएगी सरकार

मंत्री चैतन्य काश्यप ने बताया कि राज्य सरकार भूमि स्वामित्व योजना के तहत 46 लाख लोगों की संपत्ति रजिस्ट्री का स्टांप शुल्क खुद वहन करेगी, जिससे सरकार पर करीब 3000 करोड़ रुपए का अतिरिक्त खर्च आएगा। भूमि स्वामित्व योजना में प्रदेश के करीब 46 लाख ग्रामीण नागरिकों को जमीन का स्वामित्व मिलेगा। इस योजना की शुरुआत केंद्रीय पंचायती राज मंत्रालय ने वर्ष 2020 में की थी। ड्रोन तकनीक के माध्यम से ग्रामीण आबादी की जमीन का सीमांकन कर प्रॉपर्टी कार्ड (कानूनी स्वामित्व कार्ड) दिए जाते हैं, जिससे भूमि विवाद कम होते हैं और बैंक से ऋण लेना भी आसान होता है।

7 विभागों की योजनाएं 2031 तक जारी

कैबिनेट ने ऊर्जा, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, योजना-आर्थिक एवं सांख्यिकी, जनजातीय कार्य और महिला-बाल विकास सहित सात विभागों की योजनाओं को 2031 तक जारी रखने के लिए 33,240 करोड़ रुपए की मंजूरी दी है। मंत्री काश्यप ने बताया कि मैहर, निमरानी और कैमोर में पीएफआईसी के तहत अस्पतालों के लिए स्टाफ भर्ती की जाएगी। श्रम विभाग के माध्यम से डॉक्टर और अन्य कर्मचारियों सहित कुल 51 पदों पर नियुक्तियां की जाएंगी। इसके अलावा चितरंगी में व्यवहार न्यायाधीश के पद को भी कैबिनेट ने मंजूरी दी है।

कलेक्ट्रेट कार्यालय में आयोजित हुई जनसुनवाई

शहडोल (स्वतंत्रमत)।

कलेक्टर कार्यालय के सोन सभागार में साप्ताहिक जनसुनवाई आयोजित की गई। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने जनसुनवाई में जिले के दूर-दराज क्षेत्रों से आए लोगों की समस्याएं एवं शिकायतें सुनी तथा निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। जनसुनवाई में ग्राम चौराडीह निवासी रामलखन पटेल ने ग्राम में ट्रांसफॉर्मर लगवाने, ग्राम धनपुरी निवासी मो. अयान ने आयुष्मान कार्ड बनवाने, ग्राम मिठौरी निवासी अवधेश प्रताप सिंह ने धान विक्रय का बोनस राशि का भुगतान कराने, ग्राम हर्री निवासी ओम प्रकाश यादव ने ग्राम हर्री में अवैध निर्माण कार्य पर रोक लगवाने, ग्राम चौराडीह निवसी गोरेलाल ने ग्राम चौराडीह में सड़क निर्माण कराने, ग्राम सन्नौसी निवासी लक्ष्मण पटेल ने नक्शा बंटाकन सुधार करवाने, इतवारी मोहल्ला निवासी मो. अली ने पेंशन दिलवाएं जाने संबंधी आवेदन जनसुनवाई में दिए। कलेक्टर ने प्राप्त आवेदनों के निराकरण हेतु संबंधित विभाग के अधिकारियों की ओर आवेदन प्रेषित कर शीघ्रता के साथ निराकरण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में प्राप्त अन्य आवेदनों को भी कलेक्टर ने संबंधित विभाग के अधिकारियों की ओर प्रेषित कर शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शिवम प्रजापति, अपर कलेक्टर सरोधन सिंह, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अमृता गर्ग, डिप्टी कलेक्टर एंटोनिया एक्का सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहें।

ट्रैक्टर-ट्राली सहित रेत जप्त

शहडोल। मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम लखनपुर के छपरा धार नाला से एक ट्रैक्टर-ट्राली द्वारा अवैध रेत उत्खनन कर उसे बिक्री के उद्देश्य से ग्राम बसोहरा ले जाया जा रहा है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए थाना जयसिंहनगर पुलिस द्वारा तत्काल कार्यवाही करते हुए मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की गई। पुलिस को देखकर ट्रैक्टर चालक वाहन छोड़कर अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गया।

मौके पर खड़े ट्रैक्टर-ट्राली की जांच करने पर पावर ट्रैक्टर क्रमांक एमपी 18 एबी 3696 में लगभग 03 घन मीटर अवैध रेत लोड पाई गई, जिससे पानी टपक रहा था। मौके पर उपस्थित ट्रैक्टर स्वामी रमेश गुप्ता निवासी लखनपुर से उक्त रेत के संबंध में दस्तावेज चाहे गये जो कोई वैध दस्तावेज नही होना बताया तथा रेत छपरा धार नाला से उत्खनन कर बिक्री के लिए ले जाई जा रही थी।

पेंशनर्स मासिक बैठक कल

मण्डला(स्वतंत्र मत)। वरिष्ठ नागरिक पेंशनर एसोसिएशनकी प्रतिमाह 5 तारीख को आयोजित की जाने वाली बैठक अपरिहार्य कारणों से तथा होली पर्व के कारण स्थगित कर दी गई थी। उक्त मासिक बैठक अब 12 मार्च गुरुवार को गोंड़ी पब्लिक ट्रस्ट भवन माहिष्मति घाट में दोपहर बाद 1 से से आयोजित की जावेगी।

प्रस्फुटन समितियों का प्रशिक्षण आयोजित

जयसिंहनगर (स्वतंत्रमत)। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के समन्वयक विवेक पाण्डेय के निर्देशन एवं ब्लॉक समन्वयक ऋत्विकदास मिश्रा के मार्गदर्शन में सेक्टर क्रमांक 01 जयसिंहनगर जान्हवी शिक्षा एवं समाज कल्याण समिति दरैन के सौजन्य से जनपद पंचायत जयसिंहनगर सभागार में प्रस्फुटन समितियों का क्षमता वर्धन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ एसडीओ बृजेन्द्र सिंह चंदेल के मुख्य आतिथ्य में मां भारती के छायाचित्र के समक्ष माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। प्रशिक्षण की शुरुआत में ही प्रस्फुटन समितियों के गठन एवं कार्यों की विस्तृत जानकारी दी गयी। कार्यक्रम में उपस्थित जिला समन्वयक विवेक पाण्डेय ने शासन द्वारा चलाई जा रही योजनाओं में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद् के कार्यकर्ताओं की भूमिका की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हमारा उद्देश्य गांव के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। उन्होंने विशेष अवसरों को यादगार बनाने वृक्षारोपण का सुझाव देते कहा कि हम पाश्चात्य संस्कृति को बढ़ावा देने का काम कर रहे हैं जो हमारी संस्कृति के बिल्कुल विपरीत है, इसलिए हमें अपने खास मौकों जैसे जन्मदिन, शादी की सालगिरह जैसे दिनों को यादगार बनाने के लिए वृक्षारोपण करना चाहिए। इससे हमारी यादें भी रहेंगी और प्रकृति भी संतुलित रहेगी। कार्यक्रम में उपस्थित सभी प्रशिक्षणार्थियों को अल्पाहार प्रदान किया गया। परामर्शदाता डॉक्टर ओमप्रकाश शुक्ला एवं सत्यम तिवारी द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को शासन की महत्वाकांक्षी योजनाओं की जानकारी दी गयी। नवांकुर योजनांतर्गत आयोजित प्रशिक्षण में सहभागिता निभाने वाले समस्त प्रशिक्षणार्थियों को डायरी,पेन एवं प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से मध्य प्रदेश जन अभियान के जिला समन्वयक विवेक पाण्डेय, एसडीओ बृजेन्द्र सिंह चंदेल, ब्लॉक समन्वयक ऋत्विकदास मिश्रा, जान्हवी शिक्षा समिति के संचालक पवन तिवारी, परामर्शदाता डॉक्टर ओमप्रकाश शुक्ला एवं सत्यम तिवारी प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे।

कमिश्नर कार्यालय में आयोजित हुई जनसुनवाई

शहडोल (स्वतंत्रमत)।

कमिश्नर सुरभि गुप्ता ने संभाग के दूर-दराज से आए लोगों की समस्याएं और शिकायतें सुनी और उनके निराकरण समय-सीमा में करने के निर्देश संबंधित विभाग के अधिकारियों को दिए। जनसुनवाई में जिले के ग्राम अनहरा निवासी वीरेंद्र सिंह ने आर्थिक सहायता दिलवाने, ग्राम ददरा निवासी प्रियंका बाई सिंह ने शासकीय मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गोहपारू में अतिथि शिक्षक के रूप में रखे जाने, ग्राम धुरवार निवासी सुरेश प्रसाद पाण्डेय ने समयमान वेतनमान के एरियर्स दिलाने, वार्ड नम्बर 3 सोहागपुर निवासी नूरजहां ने बंद आवागमन मार्ग को प्रारंभ कराने, जिला उमरिया के ग्राम कछौंहा निवासी रामभजन पटेल ने तालाब की भूमि से अतिक्रमण हटाने, जिला अनूपपुर के ग्राम खजुरवार निवासी गुलाब साकेत ने 7वां वेतनमान इंक्रीमेंट, निलंबन अवधि का रूका हुआ वेतन का भुगतान कराने हेतु आवेदन जनसुनवाई में दिए। कमिश्नर ने प्राप्त आवेदनों के निराकरण हेतु संबंधित विभाग के अधिकारी की ओर आवेदन प्रेषित कर शीघ्रता के साथ निराकरण करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार अन्य अवेदकों ने भी अपनी शिकायतें एवं समस्याओं संबंधी आवेदन कमिश्नर को दिए। जनसुनवाई में विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

ट्रैक्टर पलटा चालक की मौंत

मण्डला/बम्हनी(स्वतंत्रमत)

जिले के बम्हनी थाना क्षेत्र में मंगलवार को एक भीषण सड़क हादसा हो गया जिसमें रेत से भरा एक ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में ट्रैक्टर चालक ट्रैक्टर के नीचे दब गया जिससे उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए। जानकारी के अनुसार बम्हनी थाना क्षेत्र के सेमरटोला इलाके में रेत से भरा ट्रैक्टर तेज गति से जा रहा था। इसी दौरान अचानक चालक का वाहन से नियंत्रण बिगड़ गया और ट्रैक्टर असंतुलित होकर सड़क किनारे पलट गया। ट्रैक्टर के पलटते ही चालक उसके नीचे दब गया और गंभीर रूप से घायल हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसा इतना भयावह था कि चालक को बाहर निकालने का मौका भी नहीं मिला और उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही बम्हनी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से ट्रैक्टर के नीचे दबे चालक को बाहर निकाला गया। हालांकि तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई करते हुए शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

व्याख्यान एवं रचना पाठ का आयोजन

मण्डला(स्वतंत्र मत)

मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी मध्यप्रदेश संस्कृति परिषद संस्कृति विभाग के तत्वावधान में डॉ. नुसरत मेहदी निदेशक के निर्देशानुसार जिला अदब गोशा द्वारा सिलसिला एवं तलाशे जौहर के अंतर्गत व्याख्यान एवं रचनापाठ का आयोजन गौंड़ी पब्लिक ट्रस्ट में किया गया। कार्यक्रम के जिला समंवयक डॉ. प्रो. राजेश ठाकुर की अगुआई में आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि असलम माजिद जबलपुर, मुख्यवक्ता मनोज जैन मित्र मण्डला, अध्यक्ष डॉ. शरद नारायण खरे एवं विशिष्ट अतिथि अब्दुल बशीर आसी रहे। इस अवसर पर मुख्य वक्ता मनोज जैन मित्र ने जिले के साहित्यिक परिदृश्य पर विचार व्यक्त करते हुए कहा कि उर्दू सिर्फ एक भाषा नहीं है यह एक अहसास है एक रिवायत है और भारत की उस महान साझी संस्कृति का सबसे खूबसूरत चेहरा है जिसे दुनिया गंगा-जमुनी तहजीब की सबसे खूबसूरत मिसाल के रूप में जानती है। मुख्य अतिथि असलम माजिद जबलपुरी ने उर्दू अदब की उपादेयता एवं गजल की बारीकियों पर प्रकाश डालते हुए ज्ञानवर्धक जानकारी प्रस्तुत की। इस अवसर पर श्याम बैरागी, नवीन जैन अकेला, जुनैद अख्तर, शफीक ताज, श्रीमती प्रतिमा बाजपेयी, श्रीमती अर्चना जैन, श्रीमती योगिता चौरसिया, श्रीमती आभा वर्मा, श्रीमती नवनीता दुबे नूपुर, श्रीमती प्रीति दुबे, श्रीमती आशा अवस्थी, अनिल वर्मा, डॉ. शशिकांत चंदेला, लखन कछवाहा स्नेही, प्रशांत श्रीवास्तव एवं इंद्रेश खरया ने अपनी शानदार गजलें पेश कर कार्यक्रम को नई ऊंचाईयां प्रदान की। कार्यक्रम का कुशल संचालन एवं समन्वयन डॉ. राजेश ठाकुर नैनपुर द्वारा किया गया।

गश्त के दौरान स्थायी वारंटी गिरफ्तार

मण्डला/बिछिया(स्वतंत्र मत)। पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा के निर्देशन में जिले भर में रात्रि को सघन कॉम्बिंग गश्त अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा अधिक से अधिक स्थायी वारंटियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए थे उक्त निर्देशों के पालन में थाना बिछिया पुलिस द्वारा रात्रि गश्त के दौरान विशेष अभियान चलाकर चार स्थायी वारंटियों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। पुलिस टीम ने लंबे समय से फरार चल रहे वारंटियों की तलाश कर उन्हें गिरफ्तार किया। सभी स्थायी वारंटियों को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय बिछिया के समक्ष पेश किया गया है। स्थायी वारंटी भागसिंह धुर्वे पिता बारे लाल धुर्वे निवासी अजय नगर, देवराज मरावी पिता धन्नूसिंह मरावी निवासी ग्राम बरबई थाना बिछिया, राजेश कुमार पिता केदार उर्फ पिट्ठू मरावी निवासी ग्राम गुडली हाल ग्राम गुनेरा तथा मनोज कुमार पिता प्रताप सिंह पुसाम निवासी ग्राम गुडली शामिल हैं। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी रंजीत सैयाम, उप निरीक्षक प्रवीण मालवीय, सहायक उप निरीक्षक उपेन्द्र यादव, सहायक उप निरीक्षक बालमुकुन्द चौरसिया, सहायक उप निरीक्षक सुरेश विजय वार, प्रधान आरक्षक रतन करचाम, प्रधान आरक्षक अनिल मर्सकोले, प्रधान आरक्षक उगेश सरोते, आरक्षक नानसाय, आरक्षक भीकम परते एवं आरक्षक सुनीराम की सराहनीय भूमिका रही।

मूल्यांकन कार्य हुआ वेतन जमा

मण्डला/नैनपुर(स्वतंत्र मत)। मानदेय जमा होते ही शुरू हुआ 5-8 बोर्ड उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन कार्य कलेक्टर के निर्देश पर डीपीसी कार्यालय द्वारा तुरंत बिल बनाकर भुगतान किया गया। मूल्यांकन कर्ताओं को मानदेय का भुगतान नहीं होने के कारण नैनपुर ब्लाक में कक्षा पांचवी-आठवीं की उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन कार्य का बहिष्कार किया गया लेकिन दो दिनों में संबंधित विभाग के अधिकारियों ने कोई पहल नहीं किया। लेकिन जब मूल्यांकन कार्य के बहिष्कार की जानकारी जिला कलेक्टर को लगी तो उन्होंने तुरंत डीपीसी को मानदेय भुगतान कर मूल्यांकन कार्य आरंभ कराने का निर्देश दिया जिसके फलस्वरूप डीपीसी कार्यालय में रविवार के दिन मूल्यांकन कर्ताओं के भुगतान बिल बनाकर तुरंत मूल्यांकन केंद्र प्रभारी उत्कृष्ट विद्यालय नैनपुर के प्राचार्य के खाते में राशि ट्रांसफर की गई। जिसके बाद सभी मूल्यांकन कर्ताओं ने 9 मार्च 2026 की सुबह से ही मूल्यांकन केंद्र पहुंचकर मूल्यांकन कार्य प्रारंभ कर दिया।

महिला दिवस पर विशेष टीकाकरण

मण्डला(स्वतंत्रमत)। प्रधानमंत्री द्वारा अजमेर राजस्थान में एचपीव्ही वैक्सीन का शुभारंभ 28 फरवरी को किया गया ऑनलाइन टेलीकास्ट के माध्यम से प्रधानमंत्री द्वारा पूरे भारत को संबोधित किया गया एचपीव्ही वैक्सीन 14 से 15 वर्ष की बेटियों को विधिवत रूप से यूबिन पोर्टल के माध्यम से पंजीयन कराकर टीके लगवाएं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर डीजे मोहंती के द्वारा जानकारी दी गई की इस अभियान की सफल क्रियान्वयन तथा अधिकाधिक किशोरी बालिकाओं को टीकाकरण पूर्ण करने के उद्देश्य से 8 मार्च अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की अवसर पर एचपीव्ही टीकाकरण का विशेष ड्राइव का आयोजन राज्य स्तर के निर्देशानुसार किया गया एचपीव्ही वैक्सीन का मुख्य उद्देश्य महिलाओं में होने वाला सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम करता है वैक्सीन पूर्ण तरीके से सुरक्षित है जिसका एक डोज 14 से 15 वर्ष जिसने अपना 14वां जन्मदिवस मना लिया है और 15 जन्मदिन नहीं मनाया है की किशोरी बालिकाओं को टीकाकरण किया जा रहा है यह अभियान तीन माह तक लगातार शासकीय अवकाश को छोड़कर संचालित किया जावेगा यह अभियान को सफल बनाने में स्वास्थ्य विभाग महिला बाल विकास विभाग शिक्षा विभाग अमले के सहयोग से ही संभव है एयह अभियान जिला चिकित्सालय सिविल अस्पताल नैनपुर एवं आठ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बम्हनी बिछिया मवई घुघरी मोहगांव, निवास नारायणगंज बीजाडाडी आगामी तीन माह तक संचालित किया जाएगा।

जिला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन गांधी स्टेडियम में आज

शहडोल (स्वतंत्रमत)।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शिवम प्रजापति ने जानकारी दी है कि मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान अंतर्गत स्थानीय पारंपरिक खेलों को बढ़ावा देने के उददेश्य से 11 मार्च को प्रात: 10:30 बजे से एक दिवसीय जिला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन महात्मा गांधी स्टेडियम में किया जाएगा।

बजाग में जनगणना 2027 के लिए प्रशिक्षण आयोजित, 240 प्रतिभागियों ने लिया हिस्सा

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)

अनुविभाग बजाग अंतर्गत विकासखंड बजाग में मंगलवार, 10 मार्च 2026 को जनगणना 2027 के प्रथम चरण मकान सूचीकरण एवं मकान गणना से संबंधित प्रशिक्षण कार्यक्रम महाविद्यालय बजाग में आयोजित किया गया। यह प्रशिक्षण कलेक्टर एवं जिला जनगणना अधिकारी के मार्गदर्शन तथा अनुविभागीय जनगणना अधिकारी श्री रामबाबू देवांगन के निर्देशन में संपन्न हुआ।

प्रशिक्षण कार्यक्रम दो पालियों में आयोजित किया गया। पहली पाली सुबह 11:00 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक तथा दूसरी पाली दोपहर 2:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक चली। इसमें प्रस्तावित प्रगणक, पर्यवेक्षक, मास्टर ट्रेनर, जनशिक्षक, पटवारी, सचिव एवं वनरक्षकों को जनगणना 2027 के प्रथम चरण की पूरी प्रक्रिया की जानकारी दी गई।

प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को जनगणना 2027 का प्रारंभिक परिचय, भवन, जनगणना मकान एवं परिवार की पहचान, उनकी नंबरिंग तथा ।ह्ह ऐप के उपयोग के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। प्रशिक्षण सहायक प्रबंधक ई-गवर्नेंस श्री भरत अग्रवाल द्वारा पीपीटी के माध्यम से दिया गया। कार्यक्रम में महिलाओं ने भी उत्साहपूर्वक भागीदारी की। प्रशिक्षण में कुल 240 प्रतिभागी उपस्थित रहे। इस अवसर पर एसडीएम बजाग रामबाबू देवांगन, तहसीलदार बजाग भरत सिंह बट्टे, प्राचार्य महाविद्यालय बजाग, मास्टर ट्रेनर, बीआरसी गौतम सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। इसी क्रम में जनगणना 2027 से संबंधित प्रशिक्षण कार्यक्रम विकासखंड करंजिया में दिनांक 12 मार्च 2026 को आयोजित किया जाएगा।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर भव्य कार्यक्रम आयोजित, उत्कृष्ट महिलाओं का हुआ सम्मान

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)

कलेक्टर के मार्गदर्शन में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर खेल मैदान में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाएं, छात्राएं एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक डिंडौरी ओमकार मरकाम, विधायक शहपुरा ओमप्रकाश धुर्वे, उजयारों बाई, फुलझरी बाई, जिला पंचायत उपाध्यक्ष अंजू व्यौहार, नगरपालिका उपाध्यक्ष सारिका नायक, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष ज्योति प्रकाश धुर्वे सहित अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। जिला प्रशासन की ओर से पुलिस अधीक्षक वाहिनी सिंह, एसडीएम डिंडौरी भारती मेरावी, डिप्टी कलेक्टर प्रियांशी जैन, जिला शिक्षा अधिकारी सुमन परस्ते सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के तैलचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर एवं दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इसके पश्चात छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई, जिसमें लोकनृत्य, करमा और सैला नृत्य ने दर्शकों का मन मोह लिया। स्थानीय कलाकारों ने भी आकर्षक प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं के लिए पारंपरिक वेशभूषा में कबड्डी और रस्साकस्सी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता की विशेष बात यह रही कि इसमें 50 से 60 वर्ष आयु वर्ग की महिलाओं ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। विजेता प्रतिभागियों को मुख्य अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विभागीय कर्मचारी महिलाओं सहित विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की खास बात यह रही कि दोनों विधायकों ने कार्यक्रम में उपस्थित महिला जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारी महिलाओं को शॉल और श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया।

संकल्प से समाधान अभियान का आयोजन 1683 आवेदनों का हुआ निराकरण

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)

विकासखंड समनापुर अंतर्गत ग्राम पंचायत पडरिया-03 में मंगलवार, 10 मार्च 2026 को क्लस्टर स्तरीय च्संकल्प से समाधान अभियानज्ञ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने ग्रामीणों को शासन द्वारा संचालित विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी तथा पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों की समस्याएं भी सुनी गईं और उनके त्वरित निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस अवसर पर विभिन्न शासकीय योजनाओं के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को हितलाभ का वितरण भी किया गया। जानकारी के अनुसार पडरिया-03 क्लस्टर अंतर्गत 12 ग्राम पंचायतों से कुल 1683 आवेदन ऑनलाइन दर्ज किए गए, जिनका निराकरण करते हुए हितलाभ वितरण सुनिश्चित किया गया। कार्यक्रम में जनपद पंचायत उपाध्यक्ष नीतू लखन बर्मन, सरपंच ग्राम पंचायत पडरिया-03 माधव सिंह तेकाम, झांकी से गणेश कुमार मार्को, मझगांव से शिवकुमार, बिलाईखार से कमल प्रसाद कुशराम सहित खंड एवं क्लस्टर स्तर के अधिकारी-कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

27 साल बाद टीईटी पास करने का आदेश, शिक्षकों में आक्रोश; 13 मार्च को पूरे प्रदेश में मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)

संचालक लोकशिक्षण भोपाल द्वारा जारी किए गए उस आदेश को लेकर प्रदेश भर के शिक्षकों में नाराजगी बढ़ती जा रही है, जिसमें लंबे समय से कार्यरत शिक्षकों को भी आगे सेवा जारी रखने के लिए शिक्षक पात्रता परीक्षा टीईटी उत्तीर्ण करना अनिवार्य बताया गया है। इस आदेश के विरोध में शासकीय शिक्षक संगठन ने 13 मार्च को पूरे मध्यप्रदेश में जिला स्तर पर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपने का निर्णय लिया है। शासकीय शिक्षक संगठन के अनुसार, संचालक लोकशिक्षण द्वारा यह आदेश विधिसम्मत प्रक्रिया का पालन किए बिना जारी किया गया है, जिससे शिक्षक संवर्ग में भारी रोष व्याप्त है। संगठन का कहना है कि कई शिक्षक 20 से 27 वर्षों से सेवा दे रहे हैं और अब उनसे टीईटी परीक्षा पास करने की शर्त रखना उनके साथ अन्याय है। शासकीय शिक्षक संगठन के प्रांताध्यक्ष राकेश दुबे ने इस मामले में मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव विधि, प्रमुख सचिव स्कूल शिक्षा, प्रमुख सचिव आदिम जाति कल्याण विभाग तथा आयुक्त लोकशिक्षण भोपाल को पत्र लिखकर ध्यान आकर्षित कराया है। उन्होंने बताया कि प्रदेश के अधिकांश शिक्षक शिक्षाकर्मी एवं संविदा शिक्षक के रूप में नियुक्त होकर सेवा में आए हैं और उनकी नियुक्तियां उस समय लागू नियमों के आधार पर की गई थीं। संगठन का कहना है कि शिक्षाकर्मी भर्ती अधिनियम 1997, शिक्षाकर्मी भर्ती अधिनियम 1998, अध्यापक भर्ती अधिनियम 2008 तथा राज्य शिक्षा सेवा संवर्ग (भर्ती एवं सेवा की शर्तें) नियम 2018 में कहीं भी टीईटी परीक्षा उत्तीर्ण करने की शर्त का उल्लेख नहीं किया गया था। ऐसे में वर्षों से सेवा दे रहे शिक्षकों पर नई शर्त लागू करना न्यायसंगत नहीं है।

संगठन ने यह भी तर्क दिया है कि सर्वोच्च न्यायालय के एक आदेश में स्पष्ट किया गया है कि किसी भी कर्मचारी की नियुक्ति के बाद उसकी सेवा शर्तों में परिवर्तन नहीं किया जा सकता।

हितकारिणी वुमेंस कॉलेज ऑफ़ एजुकेशन में मनाया गया राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस

साइबर सुरक्षा से जुड़े वृत्तचित्र दिखाकर किया गया जागरूक

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

हितकारिणी वुमेंस कॉलेज ऑफ़ एजूकेशन में भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ द्वारा विगत दिवस राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस का आयोजन प्राचार्या डॉ. सुलक्षणा त्रिपाठी के मुख्यातिथ्य में मनाया गया, जिसमें समस्त शिक्षकों, कर्मचारी, व छात्राओं को साइबर सुरक्षा पर वृत्तचित्र दिखाकर सभी को साइबर क्राइम से बचने के बारे में जागरूकता प्रदान की गई । अपने उद्बोधन में मुख्य अतिथि डॉ. सुलक्षणा त्रिपाठी ने राष्ट्रीय सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं पर व्याख्यान दिया।

उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय सुरक्षा का अर्थ है किसी देश की संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता, नागरिकों, अर्थव्यवस्था और संस्थानों को बाहरी आक्रमण, आतंकवाद, साइबर हमलों और आंतरिक खतरों से बचाना। यह सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी है, जिसमें सैन्य ताकत के साथ-साथ ऊर्जा, खाद्य और आर्थिक सुरक्षा भी शामिल है।

सभी ने रखें अपने-अपने मत

कार्यक्रम में हितकारिणी सभा के विभिन्न विद्यालयों के शिक्षक गण भी उपस्थित रहे। जिन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा पर अपने-अपने मत व्यक्त किये। कार्यक्रम का संचालन भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ की नोडल अधिकारी डॉ. तृप्ति श्रीवास्तव द्वारा किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में महाविद्यालय की नैक कोऑर्डिनेटर डॉ. निरुपमा पाठक, डॉ. अलका श्रीवास्तव, डॉ. रश्मि शुक्ला, जया सामदेकर, डॉ. निधि माथुर, कार्यालयीन कर्मचारी नितिन साहू, शाश्वत गुप्ता, अविनाश लखेरा, प्रेमलता चौबे, सुमन चौधरी एवं विजय दहायत का योगदान रहा।

समाधान योजना में 22 लाख से अधिक बिजली उपभोक्ताओं ने लिया लाभ

31 मार्च तक एकमुश्त राशि जमा करने पर सरचार्ज में मिलेगी 90 प्रतिशत तक की छूट

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

समाधान योजना में अब तक 22 लाख 14 हजार बिजली उपभोक्ताओं में सरचार्ज में छूट का लाभ लिया है। उन्होंने कहा है कि मध्यप्रदेश सरकार की समाधान योजना 2025-26 के द्वितीय व अंतिम चरण को 31 मार्च 2026 तक बढ़ा दिया गया है। पूर्व में यह योजना 28 फरवरी तक लागू थी। उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष 3 नवम्बर को समाधान योजना 2025-26 की शुरुआत हुई थी। समाधान योजना में तीन माह से अधिक के बकायादार उपभोक्ताओं को एकमुश्त राशि जमा करने पर 90 प्रतिशत तक सरचार्ज में छूट का लाभ दिया जा रहा है। मंत्री श्री तोमर ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि यदि वे तीन माह से अधिक के बकाएदार हैं और योजना में अभी तक शामिल नहीं हो पाए वे अब 31 मार्च तक योजना में शामिल होकर अपना बकाया बिल एकमुश्त जमा करके 90 फीसदी तक सरचार्ज माफी का लाभ उठा सकते हैं।

392 करोड़ 28 लाख का सरचार्ज हुआ माफ-मध्यप्रदेश सरकार की समाधान योजना 2025-26 में अभी तक 22 लाख 14 हजार बिजली उपभोक्ताओं ने इस योजना का लाभ लिया है। कुल 1062 करोड़ 45 लाख रूपये जमा किये गये हैं, जबकि 392 करो? 28 लाख रूपये का सरचार्ज माफ किया गया है। पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के 8 लाख 22 हजार उपभोक्ताओं ने योजना का लाभ लिया है। कंपनी के खाते में 229 करोड़ रूपये जमा हुए हैं, जबकि 74 करो? 57 लाख रूपये का सरचार्ज माफ किया गया है।

समाधान योजना 2025-26 एक नजर में-समाधान योजना 2025-26 का उद्देश्य 3 माह से अधिक अवधि के उपभोक्ताओं को बकाया विलंबित भुगतान के सरचार्ज पर छूट प्रदान करना है। यह योजना जल्दी आएं, एकमुश्त भुगतान कर ज्यादा लाभ पाएं के सिद्धांत पर आधारित है। योजना में एक मुश्त भुगतान करने पर 70 से 90 फीसदी तथा किस्तों में भुगतान करने पर 50 से 60 फ़ीसदी तक सरचार्ज माफ किया जा रहा है।

एपी नर्मदा महाविद्यालय में मनाया गया विज्ञान दिवस

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। एपी नर्मदा महाविद्यालय ने मप्र विज्ञान एवं प्राद्यौगिकी परिषद के सौजन्य से दो दिवसीय वूमन इन साइंस केटेलाईसिंग विकसित भारत पर विज्ञान दिवस आयोजित किया गया। कार्यक्रम के प्रथम दिवस मुख्य वक्ता के रूप में डॉ दीप्ति देशपान्डे,मंगलायतन विश्वविद्यालय जबलपुर ने अपने वक्तव्य में महिलाओं का विज्ञान में योगदान पर प्रकाश डाला तथा बताया कि नारी ही वह प्रथम वैज्ञानिक है, जिसकी प्रयोगशाला रसोई से प्रारंभ होकर अंतरिक्ष तक जाती है। द्वितीय दिवस पर शासकीय मॉडल साइंस महाविद्यालय के सेवानिवृत्त प्राध्यापक डॉ रवि कटारे द्वारा भारतीय विज्ञान एवं खगोलशास्त्र मे ऋषि मुनियों के योगदान को विस्तार से बताया गया साथ बताया कि महिलायें किस प्रकार विकसित भारत में अपना अद्वितीय योगदान दे सकती है। कार्यक्रम की संयोजिका डॉ पूजा शर्मा द्वारा दो दिवसीय कार्यक्रम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के दौरान रांगोली, पोस्टर, मेकिंग, भाषण, व निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरूस्कार एवं प्रमाण पत्र संस्था अध्यक्ष चमन श्रीवास्तव द्वारा वितरित किये गये। मंच का संचालन डॉ सुमन मेहरा एंव डॉ दिव्या पाराशर द्वारा किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय रजिस्ट्रार मानवेन्द्र सिंह, प्राचार्या डॉ सोनल खरे, स्टेट बोर्ड प्राचार्य अजय वर्मा, प्रबंधक तुलसीदास द्राविड, सीबीएसई प्रभारी प्राचार्य करन खुराना आदि उपस्थित रहे।

एरियस की राशि नहीं मिलने से अध्यापक संवर्ग नाराज

जबलपुर। मप्र जागरूक अधिकारी कर्मचारी संगठन के जिला अध्यक्ष राजेश सहारिया ने बताया कि माध्यमिक शिक्षकों तथा प्राथमिक शिक्षकों को क्रमोन्नत वेतनमान के एरियर्स की राशि अभी तक अप्राप्त है इस कारण उन्हें आर्थिक नुकसान झेलना पड़ रहा है जिससे अध्यापक संवर्ग में रोष व्याप्त है। अत: संगठन के प्रदेश अध्यक्ष- रॉबर्ट मार्टिन, राजेश सहारिया, दिनेश गोंड, रऊफ खान, सुरेंद्र चौधरी, आदि ने मांग की है कि विकासखंड शिक्षा अधिकारी से संगठन मांग करता है कि एरियर्स से वंचित माध्यमिक शिक्षकों एवं प्राथमिक शिक्षकों को एरियर्स की राशि का भुगतान किया जावे ।

माता सावित्रीबाई फुले की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित

जबलपुर(स्वतंत्र मत)।

महान समाज सुधारिका, महिला शिक्षा की अग्रदूत एवं देश की प्रथम महिला शिक्षिका माता सावित्रीबाई फुले जी की पुण्यतिथि के अवसर पर आदर्श कुशवाहा समाज द्वारा कुशवाहा सामुदायिक भवन, रांझी में एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाज के पदाधिकारियों, वरिष्ठजनों एवं मातृशक्ति ने माता सावित्रीबाई फुले जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। कुशवाहा समाज के अध्यक्ष रविंद्र कुशवाहा ने कहा कि सावित्रीबाई फुले जी का जीवन त्याग, संघर्ष और समाज सेवा का प्रतीक है माता सावित्रीबाई फुले जी ने उस समय महिलाओं की शिक्षा की शुरुआत की, जब समाज में लड़कियों को पढ़ाना पाप माना जाता था। इस अवसर पर इस अवसर पर आदर्श कुशवाहा समाज के अध्यक्ष रविंद्र कुशवाहा,उपाध्यक्ष संत कुमार कुशवाहा,कोषाध्यक्ष देवेंद्र कुशवाहा,रोहिणी कुशवाहा, जगदीश प्रसाद कुशवाहा,इंद्रपाल कुशवाहा रवेन्द्र कुशवाहा, पुष्पराज कुशवाहा, चंद्रिका कुशवाहा, त्रिवेणी प्रसाद कुशवाहा, राम गरीब कुशवाहा, अक्षय कुशवाहा, पुष्पा कुशवाहा, मधु कुशवाहा, शीला कुशवाहा, गीत कुशवाहा आदि अन्य उपस्थित रहे।

एमपी बोर्ड की बड़ी चूक

सिलेबस से बाहर के सवाल पूछे

10वीं-12वीं के परीक्षार्थियों को मिलेंगे बोनस अंक

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। माध्यमिक शिक्षा मंडल की परीक्षाओं में लापरवाही का बड़ा उदाहरण सामने आया है। मंडल ने 12वीं की भौतिक विज्ञान की परीक्षा में क्वालिटी फैक्टर पर सवाल पूछे, जबकि यह पाठ्यक्रम में शामिल ही नहीं था। मूल्यांकन के दौरान गलती सामने आने पर पर बोर्ड ने परीक्षार्थियों को बोनस अंक देने का निर्णय किया है। केवल 12वीं ही नहीं, 10वीं की परीक्षा भी में ऐसा हुआ है। परीक्षा में केवल पाठ्यक्रम से बाहर ही नहीं, गलत और भ्रामक प्रश्न भी पूछे गए हैं। इन सबके लिए बोनस अंक देने के निर्देश जारी हुए हैं। माशिमं ने स्वीकार किया है कि 12वीं के भौतिकी विषय के प्रश्नपत्र में एक प्रश्न पाठ्यक्रम से बाहर का पूछा गया, जबकि एक अन्य प्रश्न त्रुटिपूर्ण है। इसमें सभी विद्यार्थियों को दो बोनस अंक देने का निर्णय लिया गया है। सेट-ए में प्रश्न क्रमांक एक का भाग-ए त्रुटिपूर्ण पूछा गया। जिसके लिए सभी विद्यार्थियों को एक अंक बोनस दिया जाएगा। वहीं प्रश्न क्रमांक पांच का भाग-ए सिलेबस से बाहर का था। सत्य व असत्य वाले सवाल का पाठ ही हटा दिया गया है, फिर भी उससे जुड़ा सवाल पूछ लिया गया। इस प्रकार सभी सेट के विद्यार्थियों को कुल दो बोनस अंक दिए जाएंगे। वहीं 12वीं के बुक कीपिंग एंड अकाउंटेंसी में दो बहुविकल्पीय प्रश्न के विकल्प में अकाउंटेंसी में दो सवाल, 12वीं के अंग्रेजी के सेट ए का प्रश्न क्रमांक 7(6), सेट बी प्रश्न क्रमांक 6(6), सेट सी में प्रश्न क्रमांक 7 (6) और सेट डी प्रश्न क्रमांक 6(6) में शब्द में त्रुटि होने के कारण हल करने के प्रयास करने वाले विद्यार्थियों को एक अंक बोनस दिए जाएंगे।

इन्होंने कहा-सभी प्रश्नपत्रों के आदर्श उत्तर जारी कर दिए गए हैं। उसके अनुसार मूल्यांकन किया जा रहा है। 12वीं के भौतिकी में दो अंक बोनस दिए जाएंगे। कुछ प्रश्नपत्रों में बहुविकल्पीय उत्तर में गड़बड़ी होने पर जिन विद्यार्थियों ने हल करने का प्रयास किया है, उन्हें अंक दिए जाएंगे।

- बुद्धेश कुमार वैद्य, सचिव, माशिमं

उद्यमिता की दिशा में आगे बढ़कर आत्मनिर्भर बनें महिलाएं

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। शासकीय श्याम सुंदर अग्रवाल स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सिहोरा में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर एक प्रेरक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महिला सशक्तिकरण, आत्मनिर्भरता और समाज में महिलाओं की बढ़ती भूमिका पर विचार-विमर्श किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सुषमा सिंह कल्चुरी (अध्यक्ष, स्व-सेवा संयोजन समिति, सिहोरा) रहीं, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में बबिता कुशवाहा (सचिव, मां रेवा स्व-सहायता समूह, सिहोरा) तथा उद्यमी अंजना मिश्रा (श्री विद्या स्व-सहायता समूह, सिहोरा) उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजनीतिशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. नीता तिवारी ने की। मंच पर डॉ. अंजली मांडवे एवं डॉ. अर्चना नामदेव भी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. सुदेश मेहरोलिया ने तथा संचालन डॉ. अजय सिंह बघेल ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय की सभी महिला कर्मियों-शैक्षणिक एवं गैर-शैक्षणिक-का पुष्पगुच्छ और कलम भेंट कर सम्मान किया गया। मुख्य अतिथि सुषमा सिंह कल्चुरी ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज महिलाओं को केवल योजनाओं की लाभार्थी बनकर नहीं रहना चाहिए, बल्कि उन्हें उद्यमिता की दिशा में आगे बढ़ते हुए आत्मनिर्भर बनना चाहिए। उन्होंने सरकार से भी महिलाओं को उद्यमिता के लिए अधिक अवसर और सहयोग उपलब्ध कराने की आवश्यकता पर बल दिया।

श्रीअन्न को बढ़ावा देने रोड शो, आमजन ने दिखाया उत्साह

जबलपुर। जिला मुख्यालय पर आज बुधवार 11 मार्च से आयोजित किये जा रहे तीन दिनों के कृषि मेला एवं श्रीअन्न फूड फेस्टिवल के प्रचार-प्रसार और जन-जागरूकता हेतु आज शहर में विशाल मोटर साइकिल रैली (रोड शो) का आयोजन किया गया। जिला प्रशासन और किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के नेतृत्व में निकला यह रोड शो पूरी तरह शांतिपूर्ण और सफल रहा। 10 बजे कलेक्टर कार्यालय से प्रारंभ हुए इस रोड शो में कृषि विभाग के अधिकारियों के साथ-साथ किसानों और शहर के नागरिकों ने भी बड़ी संख्या में हिस्सा लिया। लगभग 200 प्रतिभागियों ने अपनी मोटर साइकिलों पर सवार होकर श्री अन्न (मिलेट्स), प्राकृतिक खेती, आधुनिक कृषि के प्रति जागरूकता फैलाई। मालवीय चौक, तीन पत्ती चौराहे, शास्त्री ब्रिज, सदर के रास्ते होते हुए हॉकी ग्राउंड पुलिस लाइन पहुँची समाप्त हुई।

सर्वगौड़ ब्राह्मण महासभा ने मनाया होली मिलन समारोह

जबलपुर। राधा-कृष्ण सॉन्ग फूल की होली, उड़े फूल और जमकर बरसा गुलाल। रंगों के महापर्व रंग पंचमी पर गौड़ ब्राह्मण समाज के परिवार मिलन समारोह में समाज के सभी सदस्यों ने उत्साह पूर्वक शामिल होकर आनंद के क्षणों का एक अमिट स्मृति चित्र अंकित कर दिया। आनंद में डूबे सभी सदस्य अपने-अपने रंगों में रंग गए। रानीताल चौक स्थित आईएमए हॉल में आयोजित कार्यक्रम में सर्वप्रथम सरस्वती पूजन उपरांत गौरवी शर्मा ने गणेश वंदना की। इसके उपरांत सभी सदस्यों ने गोपी और बाल ग्वाल बनकर राधा कृष्ण संग फूलों की होली खेली। कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में आद्या- आर्या पचौरी, मेधावी शर्मा ने अपने नृत्य से सबको मन्त्र मुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में विविध क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का परिचय देने वाले अथर्व चतुर्वेदी, वेदांत पचौरी, शाश्वत शर्मा और वेदांत शर्मा को सम्मानित किया गया। संरक्षक डॉ आरडी शर्मा का सम्मान महासभा द्वारा किया गया। कार्यक्रम में सर्वेश्वर शर्मा की राजस्थानी ठंडाई ने रंग जमा दिया। आरती शर्मा के हंसगुल्ले, विकास शर्मा का गायन सहित कई सदस्यों ने अपनी-अपनी बेजोड़ प्रस्तुति दी। रंगारंग कार्यक्रमों के बीच पारितोषिक वितरण के साथ सह भोज का सभी सदस्यों ने आनंद लिया। अध्यक्ष रविंद्र शर्मा ने महासभा की गतिविधि की जानकारी दी. संयोजक डॉ रमाकांत चतुर्वेदी ने आगामी युवक-युवती परिचय सम्मेलन में सबसे सहयोग का आवाहन किया। मंत्री डॉ राजेश शर्मा ने सबका आभार व्यक्त किया।

श्रीरामलीला समिति गढ़ा का होली मिलन समारोह संपन्न

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

रंगपंचमी के अवसर पर मनोध्याय निवास में श्रीरामलीला समिति गढ़ा एवं सहयोगी समितियों के सदस्यों की उपस्थिति में होली मिलन समारोह उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ समिति संयोजक पंडित अशोक मनोध्याय द्वारा प्रभु श्रीराम की आरती-अर्चना कर किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि संभागीय संयुक्त संचालक शिक्षा पी.पी. सिंह, सहायक संचालक नीलेश चौबे, मनोज काशिव एवं आर.के. पांडे सहित महाकवि आचार्य भगवत प्रसाद दुबे, इंजीनियर विनोद नयन, बुंदेली कविराज राज सागरी तथा वरिष्ठ मंच संचालक कवि दीपक तिवारी दीपक का गुलाल, पुष्पमाला एवं टोपी पहनाकर स्वागत एवं सम्मान किया गया।

इस अवसर पर उपस्थित सभी अतिथियों और सदस्यों ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर तथा गुलाब की पंखुड़ियां बरसाकर होली की शुभकामनाएँ दीं। कार्यक्रम के दूसरे चरण में कवियों ने हास्य-व्यंग्य से भरपूर काव्य पाठ प्रस्तुत कर माहौल को आनंदमय बना दिया। कवियों की प्रस्तुतियों पर उपस्थित लोगों ने खूब तालियाँ बजाकर उत्साहवर्धन किया। काव्य गोष्ठी में मंथन और वर्तिका के अध्यक्ष संतोष नेमा, विजय नेमा, अनुज एवं कालीदास ताम्रकार ने भी अपनी कविताओं से श्रोताओं का मन मोह लिया। कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष प्रणय गुप्ता, संजय तिवारी, श्रीराम पटेल, अजय तिवारी, समिति अध्यक्ष राकेश पाठक, महामंत्री लोकराम कोरी, राजेश मिश्रा, रमाशंकर कटारे आदि उपस्थित रहे

मप्र हाईकोर्ट की सुरक्षा में लगे चार पुलिसकर्मी हुए निलंबित

भ्रूण लेकर हाईकोर्ट परिसर में दाखित हो गया था शख्स, पुलिस कप्तान ने लिया एक्शन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

मप्र हाईकोर्ट परिसर में भ्रूण लेकर पहुंचने के मामले में पुलिस कप्तान ने सुरक्षा ड्यूटी में तैनात 4 पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया। यह घटना सोमवार को सामने आई थी। मंगलवार को पुलिस कप्तान संपत उपाध्याय ने कार्यवाही करते हुए एएसआई और 3 पुलिसकर्मियों को सस्पेंड किया। इस मामले में पुलिस कप्तान संपत उपाध्याय ने एएसआई मुन्ना अहिरवार, हेड कांस्टेबल ब्रह्मदत्त खत्री, हेड कांस्टेबल अरुण उपाध्याय और कांस्टेबल प्रतीक सोनकर को निलंबित कर दिया है। इन सभी की ड्यूटी मप्र हाईकोर्ट की सुरक्षा में लगी थी।

ये है पूरा घटनाक्रम

जानकारी के मुताबिक रीवा जिले के बैकुंठपुर निवासी दयाशंकर पांडे सोमवार को गेट नंबर 6 से हाईकोर्ट परिसर में दाखिल हुआ। उसके बैग में दस्तावेजों के साथ भ्रूण रखा हुआ था। घटना की जानकारी मिलते ही परिसर में हड़कंप की स्थिति बन गई। दयाशंकर पांडे ने पुलिस कार्यवाही को लेकर हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। सोमवार को इसी मामले में सुनवाई थी। वह स्वयं ही अपने केस की पैरवी करने मप्र हाईकोर्ट पहुंचा था। इसी दौरान उसने सुनवाई के दौरान जज की डाइस पर भ्रूण निकालकर रख दिया और इंसाफ की गुहार लगाई। दयाशंकर का आरोप है कि उस पर और उसके परिवार पर कई बार हमले हुए। उसने इन घटनाओं की शिकायत रीवा पुलिस से की, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसी कारण उसने हाईकोर्ट में याचिका लगाई। दयाशंकर का कहना है कि उसने 2024 में विधानसभा और लोकसभा का निर्दलीय चुनाव लड़ा था। चुनाव हारने के बाद से उस पर हमले होने का आरोप उसने लगाया है। दयाशंकर के मुताबिक विगत एक मार्च को वह पत्नी और चार साल की बच्ची के साथ बाइक से जा रहा था। इसी दौरान एक बिना नंबर की कार ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी, जिसमें उसकी पत्नी घायल हो गई। 8 मार्च को उसकी पत्नी के गर्भ में पल रहे बच्चे का मिसकैरेज हो गया।

इन्होंने कहा

हाईकोर्ट के गेट नंबर-6 पर तैनात सुरक्षा कर्मियों द्वारा प्रथम दृष्टया लापरवाही बरतने का मामला सामने आया है। जिस पर एसपी के आदेश से चार सुरक्षा कर्मियों को सस्पेंड किया गया है।

पीएल परतेती, सुरक्षा प्रभारी, मप्र हाईकोर्ट

परसवाड़ा पंचायत में एक करोड़ से अधिक के भ्रष्टाचार का आरोप

पंच ने कलेक्टर से की उच्च स्तरीय जांच की मांग

बालाघाट(स्वतंत्र मत)

जनपद पंचायत परसवाड़ा अंतर्गत ग्राम पंचायत परसवाड़ा में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार के आरोप सामने आए हैं। पंचायत के पंच द्वारका प्रसाद बंशपाल और ग्रामीण तुषार जायसवाल ने जिला प्रशासन को आवेदन सौंपकर लगभग एक करोड़ रुपये से अधिक की वित्तीय अनियमितताओं की जांच कर दोषियों सरपंच, सचिव, रोजगार सहायक व बाजार ठेकेदार पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। आवेदन में आरोप लगाया गया हैं कि पंचायत में पिछले कई वर्षों से बाजार नीलामी, कर वसूली और निर्माण कार्यों में भारी गड़बड़ियां की जा रही हैं।आवेदन के अनुसार, ग्राम पंचायत परसवाड़ा में साप्ताहिक बाजार की नीलामी पिछले करीब 27 वर्षों से की जा रही है। शासकीय नियमों के तहत नीलामी के बाद संबंधित ठेकेदारों द्वारा बाजार में व्यापारियों से शुल्क भी वसूला जाता रहा है, लेकिन आरोप हैं कि इस नीलामी से प्राप्त राशि पंचायत के शासकीय खाते में जमा नहीं कराई गई। वर्तमान सरपंच श्रीमती गायत्री कुमरे, उपसरपंच भजन लाल उइके और सचिव महेश मरकाम ने ठेकेदार राजाराम गजभिये, रंजीत उयके, राजेश साहु के साथ मिलीभगत कर इस राशि का निजी उपयोग किया हैं। सूचना के अधिकार के तहत प्राप्त जानकारी और सीएम हेल्पलाइन की शिकायत के बाद सामने आया कि पिछले करीब 10 वर्षों में बाजार नीलामी की राशि में लगभग एक करोड़ रुपये का गबन हुआ है।

बाजार निलामी की पंचायत मद में राशि हिसाब अप्राप्ति

परसवाड़ा पंचायत को वित्तिय वर्ष 2013-14 में 3,86,500 रूपए में बाजार निलामी बोली ठेकेदार गुड्डू सरिया, 2014-15 में 3,90,000 रूपए में बाजार निलामी बोली ठेकेदार सलमान, 2015-16 में 6,50,000 रूपए में बाजार निलामी बोली ठेकेदार राकेश, 2016-17 में 12,13,300 रूपए में बाजार निलामी बोली ठेकेदार शुभम अजित, 2017-18 में 7,30,000 रूपए में बाजार निलामी बोली ठेकेदार जागेश्वर ब्रम्हे, 2018-19 में 6,32,600 रूपए में बाजार निलामी बोली ठेकेदार राहुल जायसवाल, 2019-20 में 8,01,500 रूपए में बाजार निलामी बोली ठेकेदार मनोज मेश्राम, 2020-21 में कोराना काल, 2021-22 में 7,51,000 रूपए में बाजार निलामी बोली ठेकेदार अनिल चावले, 2022-23 में 10,91,000 रूपए में बाजार निलामी बोली ठेकेदार अनिल चावले, 2023-24 में 11,02,000 रूपए में बाजार निलामी बोली ठेकेदार राजेश साहु, 2024-25 में 14,57,000 रूपए में बाजार निलामी बोली ठेकेदार रंजीत उयके जिसमें से 6,20,000 रूपये की राशि पंचायत मद में जमा हुई और वित्तिय चालू वर्ष 2025-26 में 12,41,000 रूपए में बाजार निलामी बोली ठेकेदार राजाराम गजभिये जिन्होने 6,20,000 रूपये की राशि पंचायत मद में जमा की गई हैं। लेकिन जो दस्तावेज दिए गए हैं उसी में हिसाब अप्राप्ति दर्शया गया हैं और राशि पंचायत के मद में जमा ही नहीं किया गया हैं।

कांजी हाउस नीलामी की राशि कहां...

इसके अलावा आवेदन में यह भी आरोप लगाया गया है कि पंचायत के कांजी हाउस की नीलामी से प्राप्त होने वाली राशि भी पिछले करीब 15 वर्षों से शासकीय खाते में जमा नहीं कराई गई। वहीं बीते पांच वर्षों में नल-जल कर और भूमि कर के रूप में ग्रामीणों से वसूली गई राशि भी पंचायत के मद में जमा नहीं किए जाने का आरोप लगाया गया है।

उपसरपंच पर गंभीर आरोप.

शिकायत में पंचायत के उपसरपंच भजनलाल उइके पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। शिकायतकर्ता का कहना है कि उपसरपंच द्वारा पंचायत के निर्माण कार्यों में जबरन हस्तक्षेप किया जाता हैं और अपने करीबी लोगों के माध्यम से निर्माण कार्य करवाए जाते हैं। इन कार्यों में घटिया निर्माण और वित्तीय अनियमितताओं के आरोप भी लगाए गए हैं। आरोप है कि कुछ मामलों में एक ही बिल नंबर से दो बार भुगतान कर लगभग 20 लाख रुपये से अधिक की राशि आहरित की गई है।

मिलती हैं धमकियां, कलेक्टर से जांच की मांग...

शिकायतकर्ता ने यह भी बताया कि विरोध करने पर धमकियां दी जाती हैं और पूर्व में पुलिस थाने में शिकायत करने के बावजूद कार्रवाई नहीं हो सकी। उन्होंने जिला प्रशासन व कलेक्टर मृणाल मीना से मांग की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कठोर कार्रवाई की जाए। साथ ही आगामी 15 मार्च को होने वाली बाजार नीलामी से पहले कार्रवाई करने की मांग भी की गई है, ताकि आगे किसी प्रकार की अनियमितता न हो सके।

इनका कहना हैं

ग्राम पंचायत परसवाड़ा में साप्ताहिक बाजार की निलामी राशि को पंचायत मद में जमा नहीं किया गया हैं तो अवश्य ही जांच की जायेगी। जांच उपरांत जो भी तथ्य सामने आयेगे उसी आधार पर आगे की कार्यवाही की जायेगी।

अभिषेक सराफ, सीईओ
जिला पंचायत बालाघाट

मॉयल ने पंचायत को दी एंबुलेंस और सामुदायिक भवन की सौगात

कटंगी(स्वतंत्र मत)। भारत सरकार के उपक्रम मायॅल लिमिटेड तिरोड़ी ने सीएसआर यानी निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व की राशि से ग्राम पंचायत तिरोड़ी को दो बड़ी बहुप्रतिक्षित सौगात भेंट की है। मंगलवार को दोपहर डेढ़ बजे नवनिर्मित सामुदायिक भवन में एक कार्यक्रम का आयोजन कर विधायक गौरव सिंह पारधी के विशेष आतिथ्य में तिरोड़ी मायॅल प्रबंधक मनीष ढोके ने सरपंच फौजिया खान को एंबुलेंस की चाबी सौंपी। इसके पहले विधायक, मायॅल प्रबंधक, सरपंच, जनपद सदस्य और गांव के अन्य गणमान्य जनों की मौजूदगी में विधि-विधान से सामुदायिक भवन का लोकार्पण किया गया। मायॅल प्रबंधक ने कहा कि यह एंबुलेंस गरीब और जरूरतमंदों को कष्ट के समय में सहायता के लिए हमेशा ही तत्पर रहेगी। मॉयल ने ग्राम पंचायत तिरोड़ी को एंबुलेंस की जिम्मेदारी सौंपी है। प्रबंधक ने कहा एंबुलेंस वाहन की सुविधा तिरोड़ी तहसील और समूचे पठार अंचल के लिए लाभकारी सिद्ध होगी। वहीं मायॅल के द्वारा बनाया गया यह भवन सामाजिक, सांस्कृतिक, और नागरिक गतिविधियों का एक केंद्रीय स्थल बनेगा जो सामाजिक एकता को बड़ावा देने का काम करेगा यहां विवाह, बैठकें, और छोटी-छोटी सभाएं आयोजित की जा सकेगी। उन्होंने ग्राम पंचायत तिरोड़ी की जनता का सहयोग के लिए आभार भी जताया। गौरतलब हो कि तिरोड़ी तहसील क्षेत्र में काफी लंबे समय से एबंलेंस की कमी देखने को मिल रही थी। वैसे तो तिरोड़ी तहसील में सरकार के द्वारा प्रदान की गई एक एंबुलेंस प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में पहले से ही मौजूद है किंतु जिस संस्था के पास देख-रेख की जिम्मेदारी है वह वाहन का मेंटनेंस ठीक ढ़ंग से नहीं कर पाती ऐसे में कई बार जरूरत के वक्त पर एंबुलेंस की सुविधा पीड़ितों को नहीं मिल पाती। वहीं तहसील क्षेत्र भी काफी वृहद होने के कारण अगर एक साथ कभी दो घटनाएं हो जाए तो भी एंबुलेंस की सुविधा नहीं मिल पाती थी। अब मायॅल ने जब ग्राम पंचायत तिरोड़ी को एंबुलेंस की सौगात दी है तो ग्रामीणों में उत्साह देखने को मिल रहा है। गांव की जनता ने विधायक के समक्ष भी कुछ मांगें रखी है। विधायक ने इस मांगों को पूरा करने का भरोसा दिया है। विधायक ने मंच से मॉयल प्रबंधक के समक्ष गांव से जुड़ी कुछ समस्याओं को रखते हुए मायॅल से इन समस्याओं का निराकरण करने के लिए कहा है।

मॉयल कामगार संगठन की समीक्षा बैठक एवं पिकनिक कार्यक्रम सम्पन्न

बालाघाट(स्वतंत्र मत)

स्थानीय मॉयल कामगार संगठन भरवेली द्वारा आयोजित समीक्षा बैठक एवं पिकनिक कार्यक्रम गत दिवस बालाघाट जिले के बैहर में सम्पन्न हुआ। दो दिवसीय इस आयोजन में संगठन की गतिविधियों, आय-व्यय, भविष्य की योजनाओं तथा कामगार कर्मचारियों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही संगठन को और अधिक मजबूत बनाने के लिए पदाधिकारियों एवं सदस्यों से सुझाव भी आमंत्रित किए गए। बैठक में भरवेली, उकवा, तिरोड़ी, सीतापठोर, चिखला, डोंगरी बुजुर्ग, मनसर, कांद्री, बेलडोंगरी, गुमगांव सहित मुख्यालय के अनेक पदाधिकारियों और सदस्यों ने भाग लिया। बैहर के एक सभागृह में आयोजित इस बैठक के पश्चात पिकनिक कार्यक्रम भी रखा गया,

जिसमें सभी सदस्यों ने सहभागिता कर आपसी संवाद और संगठनात्मक एकता को मजबूत करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य संगठन के बीच आपसी संवाद बढ़ाना, एकता को मजबूत करना तथा भविष्य में आने वाली परिस्थितियों का मजबूती के साथ सामना करने की रणनीति तैयार करना था। इस अवसर पर संगठन के महामंत्री रामअवतार देवांगन और कार्याध्यक्ष मुकुंदा जाम्बुलकर सहित अन्य पदाधिकारियों ने संगठन द्वारा कामगार कर्मचारियों के हित में किए गए कार्यों पर प्रकाश डाला। पदाधिकारियों ने कहा कि संगठन ने हमेशा परिस्थितियों के अनुरूप आगे बढ़कर कामगार कर्मचारियों के हितों की रक्षा के लिए कार्य किया है। प्रबंधन के साथ भी सकारात्मक और सहयोगात्मक संबंध बनाए रखते हुए कर्मचारियों की समस्याओं को प्रभावी तरीके से उठाया गया है। उन्होंने कहा कि जहां प्रबंधन का निर्णय उचित नहीं लगता, वहां संगठन ने लोकतांत्रिक तरीके से अपना विरोध भी दर्ज कराया है। बैठक के दौरान हाल ही में मॉयल लिमिटेड के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक विश्वनाथ सुरेश से हुई सौजन्य भेंट का भी उल्लेख किया गया और उस चर्चा के मुख्य बिंदुओं से उपस्थित सदस्यों को अवगत कराया गया। इस अवसर पर कर्मचारियों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर भी विचार-विमर्श किया गया। बैहर में आयोजित इस बैठक में संगठन के केंद्रीय पदाधिकारी कार्याध्यक्ष मुकुंदा जाम्बुलकर (रामटेक), महामंत्री रामअवतार देवांगन, केंद्रीय उपाध्यक्ष दिलीप नागोसे (उकवा), अनूप सुना, महासचिव राजेश आचार्य, सुखराम ब्रम्हे, अनिल घरडे, अलिमुद्दीन शेख, अशोक गेडाम, नत्थूलाल आमाडारे, जगदीश निशाद सहित कई पदाधिकारी उपस्थित रहे।

गांव में घुसा सूअर, हमले से चार घायल

ग्राम चिखलाबांध का मामला, वन विभाग कर रहा जांच

बालाघाट(स्वतंत्र मत)

वन विकास निगम वारासिवनी रेंज अंतर्गत चिखबांध गांव में सुबह उस वक्त हडकंप मच गया, जब जंगल से भटकर गांव में हिंसक वन्य प्राणी सुअर गांव में घुस आया, जिसमें जो सामने दिखाई देता उसमें हमला कर लहुलुहान कर देता। जिससे गांव में सनसनी फैल गई, सुअर ने अपने चपेट में बच्चों से लेकर बुजुर्ग चार लोगों को चपेट में लिया और वह जंगल की ओर भाग गया। घायलों परिजनों ने कार से तो किसी को मोटरसाईकिल से रामपायली सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में भर्ती कराया गया। मौके पर वन अमला भी पहुंचा।

जानकारी अनुसार, सुबह 9 बजे करीब हिसंक वन्य प्राणी सुअर ग्राम चिखलाबांध के गोंड़ी मोहल्ला में दिखाई दिया। जिसने सड़क पर खेल रहीं बालिका रिआंशी मूर्खे पिता प्रविण मुर्खे उम्र करीब 4 वर्ष को हमला कर दिया जिसे बचाने के लिए ग्रामीण रामप्रसाद पंद्राम दौड़ा तो उस पर हमला कर घायल कर

दिया। जिसके बाद साईकिल से जा रहें व्यक्ति बुधराम बिठले पर हमला कर घायल कर दिया। जिसके बाद गांव से खेतो की ओर सुअर भाग गया जहां महुआ चुन कर घर आ रहीं बुजुर्ग महिला शिशुला सुहागपुरे पर हमला कर दिया, जिसे पेट में घाव हैं। ग्रामीणों के हल्ला करने पर सुअर जंगल की ओर भाग गया। मौके पर पहुंचा वन विकास निगम का अमले ने घायलों को नजदीकी प्राथमिक उपचार के लिए रामपायली सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में भर्ती कराया गया। लेकिन बुजुर्ग महिला शिशुला को चौपहिया वाहन न मिलने से उनके परिजनों ने मोटरसाईकिल से रामपायली अस्पताल पहुंचा। बताया जा रहा हैं कि बालिका और बुजुर्ग महिला का रामपायली अस्पताल में उपचार जारीं है वहीं दो अन्य घायलों का उपचार कर वह घर लौट गए हैं।

सहायक परियोजना परिक्षेत्र अधिकारी राजेन्द्र मेश्राम ने बताया कि वन्य प्राणी सुअर के हमले की जानकारी ग्रामीणों ने दी कि ग्राम चिखलाबांध में लोगों पर सुअर के हमले से घायल हो गए, मौके पर पहुंचकर तत्काल ही घायलों को रामपायली अस्पताल में भर्ती कराया गया, जिसमें चार घायलों के परिजनों को एक-एक हजार रूपए की आर्थिक सहायता राशि दी गई हैं। पंचनामा की कार्यवाही उपरांत जांच जारी हैं।

जिला प्रभारी मंत्री नागर सिंह चौहान का उमरिया भ्रमण कार्यक्रम 12 मार्च को

उमरिया (स्वतंत्रमत)। प्रदेश के अनुसूचित जाति कल्याण तथा जिला प्रभारी मंत्री नागर सिंह चौहान एक दिवसीय भ्रमण पर 12 मार्च को उमरिया आयेंगे।श्री चौहान 11 मार्च को इंदौर बिलासपुर से इंदौर से प्रस्थान कर 12 मार्च को प्रात: 8.30 बजे उमरिया रेल्वे स्टेशन पहुंचेगे जहां से सर्किट हाउस उमरिया के लिए रवाना होगे। श्री चौहान प्रात: 10.30 बजे जिला कोर कमेटी की बैठक सर्किट हाउस में लेंगे। दोपहर 1 बजे ग्राम पंचायत गोपालपुर में अटल पंचायत सेवा सदन नवीन पंचायत भवन का लोकार्पण करेंगे तथा खंड स्तरीय संकल्प से समाधान शिविर के समापन कार्यक्रम तथा बोरी बंधान कार्यक्रम में भाग लेंगे।श्री चौहान सायं 4.30 बजे उमरिया से भोपाल के लिए प्रस्थान करेंगे।

किसान-मजदूर-आदिवासी महासम्मेलन में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने किया संबोधित

उमरिया (स्वतंत्रमत)

मध्य प्रदेश विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने सोमवार 9 मार्च को उमरिया के पुराने बस स्टैंड में आयोजित कांग्रेस के किसान-मजदूर-आदिवासी महासम्मेलन को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने किसानों, मजदूरों और आदिवासियों के अधिकारों से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा से ही गरीब, किसान, मजदूर और आदिवासी समाज के हक और सम्मान की लड़ाई लड़ती रही है और आगे भी मजबूती से लड़ती रहेगी। इस

अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष इंजी. विजय कुमार कोल ने कहा कि उमरिया जिले के जनता की आवाज नेता प्रतिपक्ष श्री उमंग सिंघार जी ने विधानसभा सदन में प्रमुखता से उठाते है और जिले के एक एक कार्यकर्ता की लड़ाई सड़क से लेकर सदन तक लड़ते रहेंगे। कार्यक्रम को पुष्पराजगढ़ विधानसभा के विधायक फुंदेलाल मार्को, शहडोल कांग्रेस अध्यक्ष अजय अवस्थी, पुष्पराज सिंह, रामगोपाल दहिया, मिथलेश राय, वीरेंद्र सिंह सेंगर, अंजू सिंह, तिलकराज सिंह, ओंकार सिंह, रोशनी सिंह, विक्रम प्रताप सिंह, मो अस्लम शेर ने संबोधित किया। कार्यक्रम में सफल संचालन एड शिशुपाल यादव के द्वारा किया गया। मध्य प्रदेश विधानसभा नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार जी के नेतृत्व में नगर पालिका परिषद पाली की पूर्व अध्यक्ष श्रीमती ऊषा कोल अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ली।

मोटर सायकल की भिड़ंत में कई घायल

उमरिया (स्वतंत्रमत)। जिला अंतर्गत ग्राम घुलघुली के समीप नवसेमर में आज दो मोटर साइकिलों की आमने सामने जोरदार टक्कर हो गई। जिसमें कई लोग घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही तत्काल 108 एंबुलेंस सेवा मौके पर पहुंची। घटना स्थल पर एंबुलेंस स्टाफ ने सभी घायलों को मौके पर प्राथमिक उपचार दिया और तत्काल जिला अस्पताल लेकर पहुंचे जहां उनका इलाज किया जा रहा है। जानकारी अनुसार मोटर सायकल के भिड़ंत में ओम शंकर सिंह पिता ध्यान सिंह उम्र 19 वर्ष, निवासी ग्राम करीं ,वीरेंद्र सिंह पिता रघुनंदन सिंह उम्र 29 वर्ष,निवासी ग्राम करीं, प्रिंस धुलिया पिता सुदामा धुलिया उम्र 19 वर्ष निवासी निवासी ग्राम ईशनपुरा कल्दा,सुदामा धुलिया पिता खेमानी धुलिया उम्र 40 वर्ष निवासी ग्राम ईशनपुरा कल्दा,ममता धुलिया पिता राम किशोर धुलिया उम्र 39 वर्ष निवासी ग्राम ईशनपुरा कल्दा घायल हुए हैं। घटना की खबर लगते ही स्थानीय लोगों की भीड़ मौके पर जमा हो गई।

जन अभियान परिषद द्वारा प्रस्फुटन समितियों का क्षमता वर्धन प्रशिक्षण आयोजित

उमरिया (स्वतंत्रमत)। मंगलवार 10 मार्च को मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद जिला उमरिया के निर्देशन में सेक्टर क्रमांक 04 चंदिया में प्रस्फुटन समितियों का क्षमता वर्धन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम व्यास धाम सेवा समिति के सौजन्य से मंगलवार 10 मार्च 2026 को जनपद पंचायत करकेली अंतर्गत सेक्टर क्रमांक 04 चंदिया में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक रविंद्र शुक्ला के मुख्य आतिथ्य में मां भारती के छायाचित्र के समक्ष माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत में प्रस्फुटन समितियों के गठन, उनकी भूमिका और कार्यप्रणाली के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। इस दौरान शासन की योजनाओं को गांव के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में समितियों की भूमिका पर भी चर्चा की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला समन्वयक रविंद्र शुक्ला

ने कहा कि मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद का मुख्य उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण पर जोर देते हुए कहा कि हमें अपने जीवन के विशेष अवसरों जैसे जन्मदिन और शादी की सालगिरह को यादगार बनाने के लिए वृक्षारोपण करना चाहिए। इससे पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ हमारी संस्कृति को भी बढ़ावा मिलेगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम में परामर्शदाता राघवेंद्र द्विवेदी ने प्रशिक्षणार्थियों को शासन की विभिन्न महत्वाकांक्षी योजनाओं और निर्धारित विषयों पर विस्तार से जानकारी दी।

सड़क में सब्जी की दुकान: आवागमन बाधित, करोड़ों की सब्जी मंडी खाली पड़ी

उमरिया (स्वतंत्रमत)

सुगम यातायात और मार्गों में स्वच्छता बनाए रखने के उद्देश्य से पालिका प्रशासन द्वारा करोड़ों रुपये खर्च कर सर्व सुविधाजनक सब्जी मंडी परिसर का निर्माण कराया गया है लेकिन सब्जी दुकानदारों की मनमानी ने इस व्यवस्था पर पानी फेर दिया है। जिला मुख्यालय को स्तरीय सुविधा प्रदान करने की दिशा में नगर पालिका प्रशासन ने करोड़ों खर्च कर सब्जी मंडी प्रांगण का निर्माण कराया है लेकिन सब्जी दुकानदारों को यह रास नहीं आया,मनमानी पर उतारू सब्जी दुकानदार मंडी परिसर छोड़ मुख्य मार्ग में ही सब्जी की दुकान फैलाएं हैं जिससे आवागमन तो बाधित होता है साथ में आम नागरिकों को मशक्कत का सामना करना पड़ता है।

करोड़ों खर्च नही मिल रहा लाभ- सब्जी मंडी निर्माण में करोड़ों खर्च हुए मंडी प्रांगण में सब्जी दुकानदारों के लिए शेड पानी और बिजली की व्यवस्था मुहैया कराई गई लेकिन व्यवस्था

में कोई सुधार नहीं आया दुकानदार आज भी सड़को पर ही सब्जी की दुकान फैलाए है जिसका खामियाजा नगर की जनता भोग रही है। सब्जी मंडी निर्माण का मुख्य उद्देश्य मार्गों में यातायात को सुगम बनाना था साथ ही एक हीं स्थान पर सब्जी मिले और नागरिकों को असुविधा नहीं हो लेकिन सब्जी दुकानदारों की मनमानी के कारण करोड़ों खर्च करने का लाभ आम नागरिकों को नहीं मिला। नागरिकों की माने तो इस मामले में प्रशासन को सख्त रुख अपनाए जाने की जरूरत है,सब्जी मंडी परिसर में निर्धारित स्थल पर ही दुकान लगे इसके अलावा मार्गों में दुकान लगाने वालों के विरुद्ध कड़ा और सख्त कदम उठाने की जरूरत है।

कलेक्टर ने दिए विभागों को निर्देश

मण्डला(स्वतंत्र मत)। जिला योजना भवन में आयोजित समय सीमा एवं विभागीय समन्वय समिति की बैठक में कलेक्टर ने विभागों को महत्वपूर्ण निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी विभाग प्रमुख टीएल पत्रों को व्यक्तिगत रूप से देखें और उनका समुचित निराकरण कर टीएल क्लोज कराएं। वार्षिक लक्ष्य पूर्ति पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि वित्तीय वर्ष का यह अंतिम माह है इसलिए सभी वित्तीय और भौतिक लक्ष्य 25 मार्च तक शत प्रतिशत पूर्ण करें। कलेक्टर ने एचपीवी टीकाकरण अभियान को शासन की प्राथमिकता का विषय बताते हुए कहा कि इस अभियान में स्वास्थ्य विभाग के साथ जनजातीय कार्य व संबंधित विभाग आवश्यक समन्वय बनाएं और इसकी गति बढ़ाएं।

आरोग्यम स्वास्थ्य शिविर आज

मण्डला(स्वतंत्र मत)। ग्राम पंचायत स्तर पर ही प्राथमिक स्वास्थ्य सेवायें उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन एवं कलेक्टर के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य विभाग द्वारा अन्य विभागों के सहयोग से आरोग्यम मण्डला 2.0 का आयोजन किया जा रहा है। आज जिले में 24 स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जायेगा। जिसमें बम्हनी बंजर के औघटखपरी, लिमरूआ, मोहगांवचक, पटपर, सिंगारपुर, विकासखंड बिछिया के पडरिया, कांसखेडा, थोठा, विकासखंड नैनपुर के कजरवाडा, चमरवाही, अलीपुर, रामदेवरी, विकासखंड बीजाडांडी के चरगांव कला, मगरधा, खनोरा, विकासखंड घुघरी के खोडाखुदरा, सहजर पांडकला, विकासखंड मवई के परसाटोला, सिंगौरी, भिमौरी, विकासखंड नारायणगंज के पाठा, मानेगांव, घोंटखेडा के ग्राम पंचायत, आयुष्मान आरोग्य मंदिर में प्रात: 9 बजे से सायंकाल 5 बजे तक शिविर का आयोजन किया जायेगा।

चुटका परमाणु पर बैठक सम्पन्न

मण्डला(स्वतंत्र मत)। कलेक्ट्रेट के गोलमेज कक्ष में चुटका परमाणु परियोजना के संबंध में जिला स्तरीय समिति की बैठक आयोजित की गयी। कलेक्टर ने बैठक में एजेण्डा अनुसार चर्चा की। उन्होंने कहा कि पिछली बैठक में तय की गयी टाइम लाइन के अनुसार टास्क पूर्ण कराना सुनिश्चित किया जाना है। यह परियोजना शासन की एक महत्वपूर्ण परियोजना है। इसलिए इसके क्रियांवयन के लिए आवश्यक भूमि अधिग्रहण की समस्त कार्यवाही समय पर करते हुए एनपीसीआईएल को भू अधिकार दिलाया जाना है। कलेक्टर ने भू - अर्जन का डाटा मैप के अनुसार तय करने तथा फाइनल प्रजेंटेशन तैयार करने के निर्देश दिए।

नशामुक्ति अभियान पर बैठक

मण्डला(स्वतंत्र मत)। जिले में नशामुक्ति अभियान के अंतर्गत की जा रही गतिविधियां एवं कार्यवाहियों की विस्तृत समीक्षा बैठक योजना भवन में कलेक्टर की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में एसपी रजत सकलेचा, अपर कलेक्टर राजेन्द्र कुमार सिंह, जिला पंचायत सीईओ शाश्वत सिंह मीना सहित एसडीएम एवं जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद थे। प्रभारी उपसंचालक सामाजिक न्याय विभाग रोहित बड़कुल ने बैठक में अवगत कराया कि जिले के सभी थानों द्वारा विभिन्न शैक्षणिक संस्थाओं में जाकर नशे के दुष्प्रभावों से विद्यार्थियों को अवगत कराया जा रहा है। विभिन्न व्हाट्सऐप ग्रुप के माध्यम से नशे का कारोबार करने वाले व्यक्तियों की सूचना प्राप्त कर उनके विरूद्ध वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

आपदा प्रबंधन पर कार्यशाला

मण्डला(स्वतंत्र मत)। जिला आपदा प्रबंधन कार्यशाला जिला योजना भवन में आयोजित की गई। इस अवसर पर कलेक्टर ने अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि संक्रामक रोग, भूकम्प, आग, जैसी आपदाएं आकस्मिक रूप से हमारे सामने आती हैं, इसके लिए हमें पहले से ही सतर्क रहते हुए एक टीम के रूप में इनसे निपटने के लिए तैयार रहना चाहिए। हमें प्राकृतिक आपदाओं के साथ-साथ अन्य आकस्मिक घटनाओं के प्रति भी जागरूक रहना चाहिए।

सेमरखापा में बढ़ाई जागरुकता

मण्डला(स्वतंत्र मत)। कलेक्टर के निर्देशन एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती शालिनी तिवारी के मार्गदर्शन में वन स्टॉप सेंटर मण्डला द्वारा ग्राम पंचायत सेमरखापा में फिट इंडिया वुमन्स वीक-2026 के अंतर्गत थीम आधारित आउटरीच गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित महिलाओं को फिट इंडिया वुमन्स वीक के उद्देश्य से अवगत कराते हुए आत्मरक्षा, सुरक्षा एवं स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक किया गया।

बाहरी ठेकेदारों ने लगाया दम : शराब दुकानों की नीलामी में टूटे सारे रिकॉर्ड, नैनपुर समूह के लिए दोबारा टेंडर प्रक्रिया शुरू

मण्डला(स्वतंत्र मत)

मध्यप्रदेश सरकार की नई आबकारी नीति के तहत मंडला जिले में वर्ष 2026-27 के लिए शराब दुकानों की नीलामी ने इस बार सभी पुराने रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। जिले के 7 शराब समूहों के लिए ठेकेदारों ने जमकर बोली लगाई जिसके चलते आबकारी विभाग को उम्मीद से कहीं अधिक राजस्व मिलने वाला है। नीलामी प्रक्रिया के पहले चरण में 6 समूहों के लिए कुल 125 करोड़ 81 लाख रुपए से अधिक की उच्चतम बोली सामने आई है जो पिछले साल की तुलना में काफी अधिक है। आबकारी विभाग के अनुसार इस वर्ष जिले में पुरानी शराब दुकानों का रिन्यूअल (नवीनीकरण) नहीं किया गया बल्कि राज्य सरकार की नई नीति के तहत सभी दुकानों के लिए नई टेंडर प्रक्रिया अपनाई गई। इसके तहत जिले की 21 शराब दुकानों को 7 समूहों में विभाजित कर नए सिरे से नीलामी कराई गई। नीलामी प्रक्रिया में ठेकेदारों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिली। कई समूहों में आरक्षित मूल्य से कहीं अधिक बोली लगी, जिससे यह साफ हो गया कि जिले में शराब व्यवसाय को लेकर ठेकेदारों की दिलचस्पी काफी बढ़ गई है।

पिछले साल से अधिक उछाल

पिछले वित्तीय वर्ष में जिले के इन समूहों की कुल कीमत करीब 79 करोड़ रुपए थी। वहीं इस साल आबकारी विभाग ने राजस्व बढ़ाने के उद्देश्य से इन समूहों का आरक्षित मूल्य लगभग 95 करोड़ रुपए तय किया था। लेकिन नीलामी के दौरान ठेकेदारों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा के चलते यह आंकड़ा बढ़कर 125 करोड़ 81 लाख रुपए तक पहुंच गया जो आरक्षित मूल्य से भी करीब 30 करोड़ रुपए अधिक है। इससे यह स्पष्ट है कि इस बार जिले को शराब बिक्री से रिकॉर्ड राजस्व मिलने की संभावना है।

बिछिया समूह में दिखा उछाल

नीलामी प्रक्रिया में सबसे ज्यादा उछाल बिछिया समूह में देखने को मिला। इस समूह की ऑफसेट कीमत लगभग 17 करोड़ रुपए निर्धारित की गई थी लेकिन ठेकेदारों ने बोली लगाते-लगाते इसे 36 करोड़ 51 लाख रुपए तक पहुंचा दिया। यह पिछले साल के मुकाबले करीब 160 प्रतिशत अधिक है। इतनी बड़ी वृद्धि ने आबकारी विभाग को भी हैरान कर दिया है। माना जा रहा है कि बिछिया क्षेत्र में शराब की बिक्री की संभावना अधिक होने के कारण ठेकेदारों ने यहां जमकर निवेश किया है।

अन्य समूहों में भी रही प्रतिस्पर्धा

बिछिया के अलावा जिले के अन्य समूहों में भी बोली के दौरान जबरदस्त प्रतिस्पर्धा देखने को मिली। कई समूहों में आरक्षित मूल्य से काफी ज्यादा बोली लगाई गई। चाबी समूह के लिए करीब 15 करोड़ 51 लाख रुपए की बोली लगी, जो पिछले साल की तुलना में लगभग 101 प्रतिशत अधिक है। मोचा समूह के लिए 6 करोड़ 85 लाख रुपए की बोली लगी जिसमें करीब 84 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। अंजनिया समूह में सबसे बड़ी बोलियों में से एक 39 करोड़ 35 लाख रुपए की बोली सामने आई। निवास समूह के लिए 15 करोड़ 18 लाख रुपए की बोली लगी। बीजाडांडी समूह के लिए 12 करोड़ 39 लाख रुपए की बोली प्राप्त हुई। इन सभी समूहों की बोली मिलाकर कुल राशि 125.81 करोड़ रुपए तक पहुंच गई है, जो जिले के लिए अब तक की सबसे बड़ी नीलामी मानी जा रही है।

नैनपुर समूह में नहीं आया टेंडर

हालांकि जिले के 7 समूहों में से नैनपुर समूह के लिए पहले चरण में कोई भी टेंडर प्राप्त नहीं हुआ। इस कारण आबकारी विभाग को उस समूह के लिए नीलामी प्रक्रिया दोबारा शुरू करनी पड़ी है। जिला आबकारी अधिकारी रामजी पांडे ने बताया कि पहले चरण में 6 समूहों की नीलामी पूरी कर ली गई है जबकि नैनपुर समूह के लिए पुन: टेंडर प्रक्रिया शुरू की गई है। उम्मीद है कि दूसरे चरण में वहां भी बोली प्राप्त हो जाएगी।

1 अप्रैल से शुरू होगा संचालन

नीलामी प्रक्रिया पूरी होने के बाद सभी सफल ठेकेदारों को 1 अप्रैल 2026 से अपनी-अपनी शराब दुकानों का संचालन शुरू करने की अनुमति दी जाएगी। इसके लिए विभाग द्वारा आवश्यक औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं। आबकारी विभाग के अधिकारियों का कहना है कि इस बार नई नीति के तहत पारदर्शी तरीके से नीलामी कराई गई है। इसके चलते अधिक से अधिक ठेकेदारों ने हिस्सा लिया और प्रतिस्पर्धा बढ़ने के कारण बोली की राशि भी बढ़ गई।

सरकार को मिलेगा बड़ा राजस्व

इस बार मिली रिकॉर्ड बोली से सरकारी खजाने में भी बड़ी बढ़ोतरी होने की संभावना है। पिछले साल जहां इन समूहों से करीब 79 करोड़ रुपए का राजस्व प्राप्त हुआ था वहीं इस बार यह आंकड़ा 125 करोड़ रुपए से अधिक पहुंच गया है। इससे राज्य सरकार के साथ-साथ जिला प्रशासन को भी वित्तीय लाभ मिलने की उम्मीद है। आबकारी विभाग का मानना है कि नई नीति के तहत इस तरह की प्रतिस्पर्धात्मक नीलामी से आने वाले वर्षों में भी राजस्व में लगातार वृद्धि होगी।

नई आबकारी नीति का असर

विशेषज्ञों का मानना है कि राज्य सरकार द्वारा लागू की गई नई आबकारी नीति के कारण नीलामी में यह बड़ा उछाल देखने को मिला है। पुरानी व्यवस्था में कई दुकानों का नवीनीकरण कर दिया जाता था जिससे प्रतिस्पर्धा सीमित रहती थी।

लेकिन इस बार सभी दुकानों को नए सिरे से समूहों में बांटकर नीलामी करने से ज्यादा से ज्यादा ठेकेदारों को अवसर मिला और बोली की राशि में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई।

स्थानीय स्तर पर भी चर्चा

शराब दुकानों की इस रिकॉर्ड नीलामी की चर्चा अब पूरे जिले में हो रही है। जहां एक ओर प्रशासन इसे राजस्व बढ़ाने की दिशा में बड़ी उपलब्धि मान रहा है वहीं सामाजिक संगठनों के बीच भी इस मुद्दे पर चर्चा शुरू हो गई है। कुछ सामाजिक संगठनों का मानना है कि शराब बिक्री से मिलने वाला राजस्व भले ही सरकार के लिए महत्वपूर्ण हो, लेकिन इसके सामाजिक प्रभावों को भी नजर अंदाज नहीं किया जाना चाहिए। वहीं प्रशासन का कहना है कि सरकार की नीति के तहत नियंत्रित तरीके से शराब की बिक्री सुनिश्चित की जा रही है।

अब सबकी नजर नैनपुर समूह पर

आबकारी विभाग के अनुसार सभी सफल ठेकेदारों को निर्धारित समय सीमा के भीतर आवश्यक दस्तावेज जमा करने होंगे। इसके बाद उन्हें दुकानों के संचालन की अनुमति दी जाएगी। नैनपुर समूह की नीलामी पूरी होने के बाद जिले के सभी समूहों की प्रक्रिया पूरी हो जाएगी और 1 अप्रैल से पूरे जिले में नई व्यवस्था के तहत शराब दुकानों का संचालन शुरू हो जाएगा। मंडला जिले में इस वर्ष शराब दुकानों की नीलामी ने नया इतिहास रच दिया है। 6 समूहों के लिए 125 करोड़ 81 लाख रुपए से अधिक की बोली लगना यह दर्शाता है कि जिले में शराब कारोबार को लेकर ठेकेदारों की रुचि लगातार बढ़ रही है। अब सबकी नजर नैनपुर समूह की नीलामी पर टिकी हुई है। यदि वहां भी अच्छी बोली मिलती है, तो यह आंकड़ा और अधिक बढ़ सकता है।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर प्रेरणादायक कार्यक्रम

मण्डला/बिछिया

ग्राम पंचायत चांगरिया में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में एक भव्य और प्रेरणादायक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री श्रीमती संपत्तियां उइके और जिला पंचायत अध्यक्ष संजय कुशराम की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम में सरपंच संघ के जिला अध्यक्ष अजय कुशराम, ग्राम पंचायत चांगरिया सरपंच दसरू मार्को, भीमा सरपंच रामकुमारी सैयाम, भावामाल सरपंच सरस्वती धुर्वे, अहमदपुर प्राचार्या द्रौपदी मरकाम, मेढ़ाताल प्राचार्या अल्पना झरिया, दिवारा पंचायत सरपंच अनीता सरवटे, मनोहरपुर सरपंच सुखवंती मरावी, मटियारी, सुरपन, बंजर, हालोन फेडरेशन के अध्यक्ष तथा बिछिया विचार मंच के समस्त सदस्य उपस्थित थे जिनकी उपस्थिति ने कार्यक्रम को और भी प्रभावशाली बना दिया। कार्यक्रम का मंच संचालन करने वाली रामप्यारी नंदा एवं सरस्वती मर्सकोले ने इसे बहुत ही व्यवस्थित और आकर्षक रूप से प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के दौरान जगमंडल अंजनिया रेंजर श्रीमति लतिका उपाध्याय ने महिलाओं को वन अधिकार के बारे में जानकारी दी। शिक्षा विभाग से उपस्थित व्याख्याता विज्ञान संकाय हॉस्टल अधीक्षिका श्रीमति सुनीता मरावी ने बेटियों को शिक्षा और आवास की व्यवस्थाओं के बारे में प्रकाश डाला। अल्पना झरिया और द्रौपदी मरकाम ने भी बेटियों की शिक्षा पर अपने विचार साझा किए और सशक्त बेटी, सशक्त समाज का संदेश दिया। यह आयोजन महिला सशक्तिकरण के प्रति समर्पित एक महत्वपूर्ण कदम था जिसने महिलाओं के अधिकारों और उनके समक्ष आने वाली चुनौतियों के बारे में जागरूकता फैलाने का कार्य किया। इस अवसर पर समाज के विभिन्न क्षेत्रों से महिलाएं एकत्रित हुईं और उनके विचारों एवं अनुभवों को साझा करने का अवसर मिला। श्रीमती संपत्तियां उइके ने महिलाओं की शक्ति और उनके समाज में योगदान की महत्ता पर प्रकाश डाला और महिला सशक्तिकरण की दिशा में कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की। जिला पंचायत अध्यक्ष संजय कुशराम ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में महिलाओं द्वारा प्रस्तुत विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने वातावरण को खुशनुमा बना दिया। कुर्सी दौड़, जलेबी दौड़, बच्चों का नृत्य, और महिलाओं द्वारा शराब के खिलाफ बनाए गए गाने ने सभी उपस्थितों का दिल जीत लिया।

विद्यार्थी परिषद ने किया नारी सम्मान

मण्डला(स्वतंत्र मत)

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद मंडला नगर के द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर नारी शक्ति का सम्मान किया गया विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं ने विभिन्न स्थानों में जाकर महिला सब्जी विक्रेता, महिला सफाईकर्मी, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, महिला होटल संचालिका का सम्मान शॉल भेट कर एवं मिठाई खिलाकर किया परिषद की कार्यकर्ता तनुश्री बरमैया ने बताया कि परिषद ने आज उन महिलाओं तक पहुंचने का प्रयास किया है जो कही ना कही समाज में अपनी एक अहम भूमिका निभा रही है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी परिषद नारी शक्ति के सम्मान सुरक्षा एवं सशक्तिकरण के लिए सदैव प्रतिबद्ध रही है। भारत में मातृशक्ति का स्थान एवं राष्ट्र निर्माण में उनका योगदान सदैव अग्रणी रहा है। इस अवसर विभाग छात्रा प्रमुख तनुश्री बरमैया, आस्था, कुमकुम, जिला संगठन मंत्री जितेंद्र यादव, प्रिंस सिंह ,वागीश पटेल, शिवांग मार्को आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

तहसीलदार ने दलबल के साथ पहुंच हटाया शासकीय भूमि से अतिक्रमण

शासकीय भूमि पर भूमाफिया ने किया कब्जा, संगठन भवन बनेगा केसे

नियम-कानून को ताक में रख भू-माफिया कर रहा करोड़ों की भूमि की खरीद फरोख्त

खबर का असर

नैनपुर (स्वतंत्र मत)

गत 6 फरवरी एंव 9 फरवरी को स्वतंत्र मत अखबार में समाचार प्रकाशित किया गया था कि शासकीय भूमि पर भूमाफिया ने किया कब्जा संगठन भवन बनेगा कैसे नियम कानून को तारक में रख भू माफिया कर रहा करोड़ की भूमि की खरीद फरोख्त पर संज्ञान लेते तहसीलदार हरी सिंह धुर्वे 10 मार्च को दलबल के साथ निवारी खेरमाई माता मंदिर से लगी शासकीय भूमि पर चन्द्रकान्त गढेलवाल के द्वारा किया गया कब्जा को जेसीबी मशीन के माध्यम से हटाने पहुंचे । इस दोरान राजस्व निरीक्षक पटवारी पुलिस बल सहित सरपंच श्रीमति दीपा मरावी जनपद सदस्य जागे ठाकुर उपस्थित रहे।

ग्रामीणों ने क्षेत्र संचालक को सौंपा ज्ञापन

मण्डला(स्वतंत्र मत)। ग्राम पंचायत किसली भिलवानी के ग्रामीणों ने लंबे समय से लंबित पड़े वनाधिकार पट्टा मामलों के निराकरण की मांग को लेकर क्षेत्र संचालक कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा है। ग्रामीण प्रेमसिंह, अमर सिंह, राय सिंह धुर्वे, रामसिंह मरावी, रामदीन तेकाम, मानसिंह, गोवर्धन तेकाम, नैनसिंह ने बताया कि वनाधिकार पट्टों के लिए किए गए आवेदनों को लगभग डेढ़ वर्ष का समय बीत चुका है लेकिन अब तक इन दावों पर कोई ठोस कार्यवाही नहीं हो पाई है। ग्रामीणों ने अपने ज्ञापन में बताया कि वनाधिकार पट्टा लंबित होने के कारण गांव के अनेक किसान शासकीय योजनाओं के लाभ से वंचित हो रहे हैं। पट्टा स्वीकृत नहीं होने की स्थिति में किसानों को खाद बीज ऋण सहित कृषि से जुड़ी अन्य सरकारी सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं। इससे किसानों को खेती-किसानी के कार्यों में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि वनाधिकार से जुड़े मामलों के लंबित रहने के कारण कई विकासात्मक योजनाओं का लाभ भी प्रभावित हो रहा है। यदि समय रहते निराकरण नहीं किया गया तो ग्रामीणों की आर्थिक स्थिति और अधिक प्रभावित हो सकती है। ज्ञापन के माध्यम से ग्राम पंचायत किसली भिलवानी के ग्रामीणों ने क्षेत्र संचालक से मांग की है कि वनाधिकार पट्टा के लंबित दावों का जल्द से जल्द निराकरण कराया जाए।

गायत्री शक्तिपीठ में महिला सम्मान कार्यक्रम

मण्डला(स्वतंत्रमत)। अखिल विश्व गायत्री परिवार द्वारा गायत्री शक्तिपीठ में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस नारी शक्ति के उत्थान सम्मान और सशक्तिकरण के रूप में ऋषिवाणी में 24 बार गायत्री महामंत्र के साथ शुभारंभ किया गया इस अवसर पर समाज के उत्थान में लगे विभिन्न कार्यकर्ता बहनों की भागीदारी की गई कार्यक्रम में भाजपा महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष श्रीमती मंजु कछवाहा के मुख्य अतिथित्य में गायत्री शक्तिपीठ में संपन्न हुआ महिला मण्डल द्वारा विशेष उद्बोधन हुये कार्यक्रम के स्वरूप में गायत्री परिवार में रचनात्मक गतिविधियों में पुंसवन संस्कार पर सुश्री हेमा ठाकुर ने विस्तृत जानकारी दी गई श्रीमती संजना मरकाम और श्रीमती बबीता अधिकारी द्वारा नारी जगरण एवं श्रीमती मालती कछवाहा द्वारा आगामी नवरात्रि पर्व का कार्यक्रम साधना पर्व के रूप में मनाने हेतु उपास्थित परिजनों को संकल्पित सत्संकल्प के पाठ के साथ किया गया संगोष्ठी और प्रतिभा सम्मान का कार्यक्रम गायत्री परिवार ट्रस्ट के ट्रस्टीगण द्वारा उपस्थित सभी मातृशक्तियों का सम्मान किया गया कार्यक्रम का संचालन श्रीमती सीमा ठाकुर ट्रस्टी गायत्री परिवार द्वारा एवं कार्यक्रम का समापन मुख्य प्रबंध ट्रस्टी संदीप साहू द्वारा आभार धन्यवाद ज्ञापित कर किया गया।

संपादकीय

विरासत की सियासत

जनता दल यूनाइटेड की सदस्यता लेने के साथ ही मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सुपुत्र निशांत कुमार की राजनीतिक पारी शुरू हो गई है। उनके जदयू में शामिल होने की खबर के बाद बिहार के राजनीतिक गलियारों में नई चर्चा शुरू हो गई है। उनकी सियासी और सामाजिक सक्रियता से लेकर संभावित जिम्मेदारियों तक को लेकर पार्टी के भीतर और बाहर चर्चा तेज हो गई है। माना जा रहा है कि निशांत के राजनीति में आने से बिहार के प्रमुख राजनीतिक परिवारों में अब उनका परिवार भी सक्रिय भूमिका में आ गया है। लालू प्रसाद यादव के बेटे तेजस्वी यादव और रामविलास पासवान के बेटे चिराग पासवान पहले से ही बिहार की राजनीति में अपनी विरासत और अनुभव के साथ सक्रिय हैं। वहीं, अब निशांत पर जदयू को संगठनात्मक रूप से मजबूत करने के साथ-साथ पार्टी के जनाधार को बचाए रखने की जिम्मेदारी भी बढ़ गई है।

निशांत कुमार की राजनीतिक पारी को लेकर उम्मीद की जा रही है कि नीतीश कुमार और पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के संरक्षण व मार्गदर्शन में वे बिहार की सामाजिक और राजनीतिक व्यवस्था को गहराई से समझेंगे, सीखेंगे और अपनी रणनीतिक क्षमता विकसित करेंगे। हालांकि आने वाले समय में उनकी तुलना तेजस्वी यादव और चिराग पासवान से होना तय माना जा रहा है। यदि अपनी राजनीतिक समझ और रणनीति के बल पर निशांत बिहार की राजनीति में आगे निकलते हैं तो यह उनकी ऐतिहासिक राजनीतिक सफलता होगी। वास्तविकता तो यह भी है कि निशांत की तेजस्वी और चिराग से सीधी तुलना करना उचित नहीं है, क्योंकि तीनों की राजनीतिक यात्रा, अनुभव और विरासत अलग-अलग है। तेजस्वी यादव काफी समय से बिहार की राजनीति में सक्रिय हैं। वे 2015 में पहली बार विधायक बने और बिहार के उपमुख्यमंत्री भी रहे। वर्तमान में वे नेता प्रतिपक्ष हैं। उनकी राजनीतिक ताकत उनके पिता लालू प्रसाद यादव की विरासत से जुड़ी है, जिन्होंने लंबे समय तक पिछड़े वर्ग और सामाजिक न्याय की राजनीति को मजबूत किया। वहीं चिराग पासवान तीन बार सांसद रह चुके हैं और वर्तमान में केंद्र सरकार में मंत्री हैं। उनकी सियासी यात्रा भी अपने पिता रामविलास पासवान की विरासत से शुरू हुई। उनके निधन के बाद चिराग ने लोक जनशक्ति पार्टी की कमान संभाली। हालांकि पार्टी को राजनीतिक टूट और अंदरूनी संघर्ष का सामना भी करना पड़ा, इसके बावजूद चिराग खुद को एक युवा नेता के रूप में स्थापित करने की कोशिश करते रहे हैं।

तेजस्वी और चिराग के मुकाबले निशांत कुमार की स्थिति कुछ अलग है। वे अब तक राजनीति से दूर रहे हैं और सार्वजनिक जीवन में भी कम ही दिखाई दिए हैं। निशांत की शांत और सादगीपूर्ण छवि ही उनकी सबसे बड़ी ताकत मानी जा रही है। उनकी सबसे बड़ी राजनीतिक पूंजी उनके पिता नीतीश कुमार की छवि है, जो बिहार में लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहे और विकास तथा सुशासन की राजनीति के लिए जाने जाते हैं। बहरहाल, निशांत कुमार के सामने सबसे बड़ी चुनौती यही होगी कि वे बिना किसी राजनीतिक अनुभव के इस विरासत को किस तरह आगे बढ़ाते हैं। जदयू में यह बदलाव बिहार की राजनीति में एक पीढ़ी परिवर्तन का संकेत भी है।

आभासी दुनिया से बचपन को सुरक्षित रखने की पहल

ललित गर्ग
लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं

डिजिटल युग में मानव जीवन की गति और स्वरूप तेजी से बदल रहा है। संचार, शिक्षा, मनोरंजन और सामाजिक संबंधों का बड़ा हिस्सा अब आभासी माध्यमों के सहारे संचालित होने लगा है। इस परिवर्तन ने जहां अनेक सुविधाएं प्रदान की हैं, वहीं विशेष रूप से बच्चों और किशोरों के मानसिक, शैक्षणिक, सामाजिक और भावनात्मक विकास के सामने नई चुनौतियां भी खड़ी कर दी हैं। इसी संदर्भ में भारत के तकनीकी रूप से अग्रणी राज्य कर्नाटक ने एक महत्वपूर्ण और अनुकरणीय पहल करते हुए सोलह वर्ष से कम आयु के बच्चों को सामाजिक माध्यमों के उपयोग से दूर रखने का निर्णय लिया है। राज्य सरकार ने 2026-27 के बजट सत्र में यह घोषणा की कि किशोर आयु वर्ग के बच्चों द्वारा सामाजिक माध्यमों के उपयोग पर रोक लगाने के लिए कठोर नियम बनाए जाएंगे। यह निर्णय अभिभावकों की उस चिंता को कम करता है जो अनियंत्रित डिजिटल गतिविधियों से उत्पन्न होने वाले जोखिम से परेशान थे। जिसमें साइबर बुलिंग व साइबर धोखाधड़ी भी शामिल है। इस पहल का उद्देश्य बच्चों को आभासी दुनिया के दुष्प्रभावों से बचाना और उनके स्वस्थ मानसिक विकास को सुनिश्चित करना है। एक अनुकरणीय पहल है, जिससे प्रेरणा लेते हुए अन्य प्रांतों को भी बचपन को सोशल मीडिया के खतरों से बचाने की दिशा में सार्थक उपक्रम करने चाहिए।

कर्नाटक की इस पहल के तुरंत बाद आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने भी विधानसभा में घोषणा की कि राज्य में तेरह वर्ष से कम आयु के बच्चों द्वारा सामाजिक माध्यमों के उपयोग पर रोक लगाने के लिए आगामी नब्बे दिनों के भीतर कानून बनाया जाएगा। इस प्रकार आंध्र प्रदेश कर्नाटक के बाद ऐसा निर्णय लेने वाला दूसरा राज्य बनने जा रहा है। इन दोनों राज्यों की पहल केवल प्रशासनिक निर्णय भर नहीं है, बल्कि यह तेजी से आभासी होती दुनिया में बच्चों की सुरक्षा को लेकर चल रही वैश्विक बहस का हिस्सा भी है। विश्व के अनेक देशों में इस विषय पर गंभीर चिंतन हो रहा है। उदाहरण के लिए ऑस्ट्रेलिया में पहले ही सोलह वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए सामाजिक माध्यमों के उपयोग पर प्रतिबंध लागू किया जा चुका है, वहीं फ्रांस जैसे देशों में भी बच्चों की डिजिटल सुरक्षा को लेकर कठोर नियम बनाए जा रहे हैं। वास्तव में पिछले कुछ वर्षों में अनेक मनोवैज्ञानिकों और बाल स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने लगातार चेतावनी दी है कि सामाजिक

माध्यमों का अनियंत्रित उपयोग किशोरों के मानसिक और भावनात्मक विकास पर गंभीर प्रभाव डाल सकता है। बच्चों में आत्मविश्वास की कमी, अकेलापन, चिंता, अवसाद, ध्यान भंग होने की प्रवृत्ति तथा आक्रामक व्यवहार जैसी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। आभासी मंचों पर लगातार तुलना और प्रदर्शन की प्रवृत्ति के कारण बच्चों के मन में हीनता और असंतोष की भावना भी जन्म लेने लगती है। यही कारण है कि भारत सरकार के 2025-26 के आर्थिक सर्वेक्षण में भी इस विषय को गंभीर चिंता के रूप में रेखांकित किया गया था।

विभिन्न अंतरराष्ट्रीय अध्ययनों के अनुसार किशोरों का औसत दैनिक स्क्रीन समय लगातार बढ़ रहा है। अनेक सर्वेक्षण बताते हैं कि कई देशों में तेरह से अठारह वर्ष आयु वर्ग के बच्चे प्रतिदिन तीन से छह घंटे तक आभासी माध्यमों पर समय बिताते हैं। इसका प्रत्यक्ष प्रभाव उनकी पढ़ाई, नींद, पारिवारिक संवाद और शारीरिक गतिविधियों पर पड़ता है। ध्यान और एकाग्रता की क्षमता में कमी आने से अध्ययन की गुणवत्ता प्रभावित होती है। बच्चों का स्वाभाविक बचपन, जो खेलकूद, मित्रता और प्रकृति के साथ जुड़ाव से समृद्ध होता है, वह धीरे-धीरे कृत्रिम आभासी संसार में सिमटता जा रहा है। इसके अतिरिक्त आभासी माध्यमों के माध्यम से साइबर उत्पीड़न और साइबर धोखाधड़ी जैसी समस्याएं भी तेजी से बढ़ रही हैं। कई बार बच्चे अनजाने में ऐसे जाल में फंस जाते हैं जिससे उनका मानसिक संतुलन और सुरक्षा दोनों प्रभावित होते हैं। इंटरनेट पर उपलब्ध अनुचित सामग्री भी बच्चों के मनोविज्ञान पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती है। इन सभी परिस्थितियों को देखते हुए यह स्पष्ट हो गया है कि बच्चों की सुरक्षा के लिए आभासी दुनिया के बढ़ते प्रचलन पर केवल जागरूकता पर्याप्त नहीं है, बल्कि ठोस नीतिगत कदम उठाने की आवश्यकता है।

हालांकि कर्नाटक और आंध्र प्रदेश की पहल सराहनीय है, किंतु इसके प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर अनेक व्यावहारिक प्रश्न भी सामने आते हैं। आज के समय में स्मार्टफोन और विभिन्न अनुप्रयोग शिक्षा और दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुके हैं। अनेक विद्यालय असाइनमेंट, सूचना और संवाद के लिए डिजिटल माध्यमों का उपयोग करते हैं। ऐसे में यह निर्धारित करना कठिन हो सकता है कि किसी बच्चे द्वारा किया गया उपयोग शैक्षिक उद्देश्य से है या सामाजिक उद्देश्य से। दूसरा महत्वपूर्ण प्रश्न आयु सत्यापन की प्रक्रिया से जुड़ा हुआ है। यह सुनिश्चित करना कि कोई बच्चा वास्तव में तेरह या सोलह वर्ष से कम आयु का है, तकनीकी दृष्टि से एक जटिल कार्य है। यदि तकनीकी कंपनियां इस दिशा में सहयोग नहीं करती हैं तो नियमों को प्रभावी ढंग से लागू करना कठिन हो सकता है। अनेक परिवारों में एक ही मोबाइल फोन का उपयोग परिवार के कई सदस्य करते हैं, ऐसे में बच्चों द्वारा सामाजिक माध्यमों तक पहुंच को पूरी तरह रोकना भी चुनौतीपूर्ण हो सकता है। फिर भी इन कठिनाइयों के बावजूद यह पहल अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह समाज को एक गंभीर समस्या की ओर ध्यान दिलाती है। वास्तव में बच्चों को आभासी माध्यमों के दुष्प्रभावों से बचाने के लिए केवल प्रतिबंध पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि एक संतुलित और व्यापक दृष्टिकोण एवं जागरूकता अभियान अपनाना आवश्यक होगा। इसमें सरकारों, विद्यालयों, तकनीकी मंचों और अभिभावकों की समान रूप से महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

सरकारों को चाहिए कि वे बच्चों की डिजिटल सुरक्षा के लिए स्पष्ट नीतियां बनाएं और तकनीकी कंपनियों के साथ मिलकर ऐसी व्यवस्था विकसित करें जिसमें बच्चों की आयु का सत्यापन प्रभावी ढंग से किया जा सके। विद्यालयों को भी छात्रों को डिजिटल अनुशासन और जिम्मेदार उपयोग के बारे में शिक्षित करना चाहिए। अभिभावकों की भूमिका तो सबसे महत्वपूर्ण है क्योंकि बच्चों के व्यवहार और आदतों का निर्माण परिवार में ही होता है। यदि माता-पिता स्वयं डिजिटल संयम का उदाहरण प्रस्तुत करें और बच्चों के साथ संवाद बनाए रखें, तो आभासी माध्यमों के दुष्प्रभावों को काफी हद तक कम किया जा सकता है। इसके साथ ही बच्चों को रचनात्मक और सृजनात्मक वातावरण प्रदान करना भी आवश्यक है। खेलकूद, पठन-पाठन, संगीत, कला और प्रकृति के साथ जुड़ाव जैसी गतिविधियां बच्चों के व्यक्तित्व को संतुलित और समृद्ध बनाती हैं। यदि बचपन में ही इन सकारात्मक आदतों का विकास किया जाए तो बच्चे स्वाभाविक रूप से आभासी माध्यमों पर निर्भरता से दूर रह सकते हैं। समाज को भी इस दिशा में सकारात्मक पहल करनी चाहिए ताकि बच्चों के लिए स्वस्थ और प्रेरणादायक वातावरण तैयार किया जा सके।

आज यह स्पष्ट हो चुका है कि डिजिटल क्रांति के साथ-साथ डिजिटल अनुशासन की भी आवश्यकता है। तकनीक का उद्देश्य मानव जीवन को समृद्ध बनाना होना चाहिए, न कि उसे मानसिक और सामाजिक संकटों की ओर धकेलना। कर्नाटक और आंध्र प्रदेश की पहल इस दिशा में एक महत्वपूर्ण चेतावनी और प्रेरणा दोनों है। यदि अन्य राज्य भी इससे प्रेरणा लेकर बच्चों की सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाएं और केंद्र सरकार इस विषय पर राष्ट्रीय स्तर का कानून बनाने पर विचार करे, तो यह भविष्य की पीढ़ियों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हो सकता है। लगातार बिगड़ती स्थितियों के बीच निश्चित तौर पर केंद्र सरकार को भी देश में एक केंद्रीय कानून लाने को बाध्य होना पड़ सकता है। वहीं केंद्र सरकार को इस मुद्दे पर विषय विशेषज्ञों और समाज के विभिन्न वर्गों से भी राय लेनी चाहिए। ऐसे वक्त में जब बच्चों का स्क्रीन टाइम एक लत के रूप में लगातार बढ़ा है तथा उनकी एकाग्रता कम होने से पढ़ाई बाधित हो रही है, तो इस संकट का समाधान केंद्र व राज्यों की प्राथमिकता होनी चाहिए। वास्तव में बच्चों का बचपन केवल आभासी दुनिया में खो जाने के लिए नहीं है। उनका बचपन कल्पनाओं, खेल, सीखने और सृजन की संभावनाओं से भरा हुआ होना चाहिए। यदि समाज और शासन मिलकर यह सुनिश्चित कर सकें कि बच्चों का बचपन सुरक्षित, संतुलित और सृजनात्मक वातावरण में विकसित हो, तभी हम एक स्वस्थ, संवेदनशील और सशक्त भविष्य की कल्पना कर सकते हैं।

फिर हिन्दी-चीनी भाई-भाई!

आदित्य नारायण चौपड़ा
लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

भारत और चीन दो पड़ोसी देश हैं। दोनों की जनसंख्या सबसे ज्यादा है। सीमाएं मिली हुई हैं। ब्रिटिश उपनिवेशवाद से एक ही समय संघर्ष, आपस में असीम सद्भाव, करीब-करीब एक ही समय आजादी, 1947 में भारत स्वतंत्र हुआ और 1949 में चीन। कभी ऐसा भी समय आया कि पंचशील के 'नाद' से दोनों देश गूंजते थे। कभी वह समय था जब हिन्दी-चीनी भाई-भाई के नारे को गीतों की शक्ल में गाया गया। चीन भगवान बुद्ध को मानने वाला देश और भारत भगवान बुद्ध को दसवें अवतार की संज्ञा देने वाला देश। हजारों वर्ष के इतिहास में कभी भी वैर या वैमनस्य का कोई भी उदाहरण नहीं रहा।

दोनों देश विश्व के सबसे बड़े बाजार हैं लेकिन 1962 में चीन के भारत पर हमले ने ऐसी अविश्वास की खाई पैदा की जो आज तक पाटी नहीं जा सकी। दोनों देशों के संबंधों पर आज भी 1962 युद्ध की छाया साफ दिखाई देती है। भारत और चीन के संबंधों में बहुत उथल-पुथल रही है। सीमाओं पर काफी टकराव रहा है। चीन की विस्तारवादी नीतियां संबंधों में आड़े आती रही। 2020 में गलवान घाटी में संघर्ष के बाद वास्तविक नियंत्रण रेखा पर दोनों देशों के हजारों सैनिक और भारी हथियार तैनात कर दिए गए। 2024 के अंत तक सीमाओं से दोनों देशों के सैनिकों की वापसी की खबरें आई और उसके बाद दोनों देशों के संबंधों पर जमी बर्फ पिघल गई। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दूसरी बार सत्ता संभालने की जिस तरह से एक तरफा दादागिरी दिखानी शुरू की उसके बाद भारत और चीन के संबंधों में नरमी आई।

सीमा पर लंबे समय के गतिरोध के बाद भारत और चीन के तनाव कम करने और बातचीत की ओर कदम बढ़ाएं। द्विपक्षीय व्यापार बढ़ाने, सीधी उड़ानें फिर से शुरू करने और सीमा पर स्थिरता बनाए रखने पर सहमति बनी। ट्रंप की नीतियों ने भारत और चीन दोनों को निशाना बनाया। जिसके चलते दोनों एशियाई शक्तियों को साझा, आर्थिक और भू-राजनीतिक हितों पर एक साथ आने का मौका दे दिया है। हर वक्त चौधराहट दिखाने वाला चीन फिर से हिन्दी-चीन भाई-भाई वाली बात करने लगा है।

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने भारत और चीन से सुधरते रिश्तों पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों को एक-दूसरे को प्रतिद्वंद्वी के बजाय साझेदार और खतरे के बजाय अवसर के रूप में देखना चाहिए। वांग यी का कहना है कि चीन और भारत महत्वपूर्ण पड़ोसी हैं और दोनों ग्लोबल साउथ के सदस्य होने के नाते गहरे सांस्कृतिक संबंध तथा व्यापक साझा हित रखते हैं। उन्होंने ये बयान बीजिंग में आयोजित 14वीं नेशनल पीपुल्स कांग्रेस के सत्र के दौरान एक प्रैस कॉन्फ्रेंस में दिया है। उन्होंने कहा कि चीन और भारत महत्वपूर्ण पड़ोसी हैं और दोनों ही वैश्विक दक्षिण के हिस्से हैं, जिनके बीच गहरे सांस्कृतिक संबंध और व्यापक साझा हित हैं। चीन-भारत के बीच आपसी विश्वास और सहयोग साझा विकास के लिए बहुत फायदेमंद है जबकि विभाजन और टकराव एशिया के पुनरुत्थान में सही नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि दोनों देशों के रिश्ते अब सामान्य पटरी पर लौट आए हैं। इसलिए दोनों देश आपसी सहयोग को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत और चीन को इस साल और अगले साल ब्रिक्स की बारी-बारी से अध्यक्षता करने में एक-दूसरे का समर्थन करना चाहिए। भारत इस साल अध्यक्ष है और अगले साल ये जिम्मेदारी चीन के पास होगी। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स के माध्यम से ठोस सहयोग बढ़ाकर ग्लोबल साउथ के देशों को नई उम्मीद दी जा सकती है।

आपको बता दें कि अमेरिका बीते कुछ सालों से लगातार चीन को आर्थिक और रणनीतिक स्तर पर घेरने की कोशिश कर रहा है। पहले अमेरिका ने चीन के सबसे ज्यादा निवेश वाले वेनेजुएला में हमला कर उसे आर्थिक नुक्सान पहुंचाया तो अब ईरान पर हमला कर चीन को बैकफुट पर धकेल दिया है। ऐसे में चीन अपने पड़ोसी देश भारत और रूस को अपने खेमे में बनाए रखने की जद्दोजहद में जुटा हुआ है जिससे कि वह रणनीतिक रूप से अमेरिका के आगे कमजोर न पड़े। यहीं करण है कि अब वो भारत के साथ दोस्ती और भाईचारे की दलील दे रहा है। चीन के विदेश मंत्री ने कोई नई बात नहीं कही, बल्कि उन्होंने देश के पूर्व राष्ट्रपति स्वर्गीय प्रणव मुखर्जी की 2006 में चीन यात्रा के दौरान दिए गए वक्तव्य को ही दोहराया है। तब प्रणव मुखर्जी ने कहा था कि भारत 1962 वाला भारत नहीं है। अब भारत बहुत विकास कर चुका है। चीन और भारत अब प्रतिद्वंद्वी नहीं बल्कि सहभागी है। अगर दोनों देश साथ-साथ चले तो आने वाली सदी इन दोनों देशों की होगी। चीन के बदलते रवैये के तार मिडिल ईस्ट संघर्ष से भी जुड़े हुए हैं। तेल और ऊर्जा संकट सामने खड़ा है। अमेरिकी दबाव का मुकाबला करने के लिए चीन अब भारत से रिश्ते मजबूत करना चाहता है। भारत, रूस और चीन त्रिकोण की अवधारणा भी कोई नहीं है। अगर तीनों शक्तियां एक साथ आ जाए तो दुनिया में नया वर्ल्ड ऑर्डर स्थापित हो सकता है।

ग्लोबल साऊथ से तात्पर्य उन देशों से है जिन्हें अक्सर विकासशील, कम विकसित अथवा अविकसित के रूप में जाना जाता है और यह मुख्य रूप से अफ्रीका, एशिया और लेटिन अमेरिका में स्थित है। दुनिया की अग्रणी, उभरती अर्थव्यवस्थाओं के समूह ब्रिक्स में ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण मूल सदस्य हैं लेकिन बाद में सऊदी अरब, मिस्र, संयुक्त अरब अमीरात, इथोपिया, इंडोनेशिया और ईरान को शामिल कर इसके सदस्य देशों का विस्तार किया गया है। अमेरिका कभी भी हमारा विश्वश्नीय मित्र नहीं बना है। भारत-अमेरिका संबंधों की एक टैक्टिकल यानि रणनीतिक ही कहा जा सकता है। वह चीन और रूस के खिलाफ भारत के कंधे पर बंदूक रखकर अपना मकसद हल करना चाहता है। राजधानी दिल्ली में जब एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी ने यह कहा था कि अमेरिका भारत के साथ वह गलती नहीं दोहराएगा जो उसने 20 साल पहले चीन के साथ की थी। इसका अर्थ यह था कि अमेरिका भारत के बाजारों को विकसित नहीं होने देगा ताकि भारत व्यापार में हमें पीछे न छोड़ दें।

भारत के आर्थिक विकास को रोकने के लिए अमेरिका का रवैया नग्न हो चुका है। तब विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अमेरिका पर तंज कसा कि भारत का उत्थान कैसे होगा, यह भारत ही तय करेगा। यह हमारी ताकत से तय होगा न कि दूसरों की गलतियों से। सवाल भारत की रणनीतिक स्वयत्तता का भी है कि वह अपने हितों को देखते हुए किस देश के साथ संबंधों का विस्तार करे और किस से दूरी बनाए। तियानजिन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात के बाद चीन के रुख में लगातार नरमी आई है। उम्मीद है कि बदलती भू-राजनीतिक स्थितियों में दोनों देश अच्छे मित्र बनकर आगे बढ़ेंगे।

गड्ढों की मरम्मत

संतोष उत्सुक

बरसात की पारम्परिक गलती के कारण सड़क पर नए गड्ढे बन गए थे, पुराने गड्ढे बड़े और जिन गड्ढों में रोड़े और मिटटी भरी थी निकल गई थी । गड्ढों की लम्बाई, चौड़ाई व गहराई बढ़ती ही गई । कई गड्ढे अब खड्डों की तरह दिखते थे । इतने गड्ढे हो गए, लगता सड़क के साथ भीषण दुर्घटना हुई जिससे बेचारी के शरीर पर दर्जनों जख्म हो गए हों । दोपहिया वाहन चालकों और पैदल चलने वालों को अब तक मुसीबतें झेलनी पड़ रही हैं । अनहोनी घटना कभी भी घट सकती है।

कई जागरूक लोगों ने म्यूनिसिपल कमेटी में फोन किया, पार्षद, सचिव, प्रधान को कहा, पीडब्ल्यूडी के जेई से निवेदन किया लेकिन गड्ढों को ठीक करने के लिए संबंधित विभाग कोई माकूल कदम नहीं उठा पाया । गड्ढों के सुप्त मामले में शासन और प्रशासन के तभी जागने की परम्परा है, जब बड़ी कुर्सी पर बैठने वाला और ऊंची गाडी में सफ़र करने वाले महान व्यक्ति को जानदार गड्ढा बुरी तरह से हिला दे । इस सुघटना के बहाने उन्हें पैदल चलने वाले या आम यात्रियों की परेशानियां भी याद आ जाती हैं । फिर गड्ढों की मरम्मत का आकलन सोच विचार, समझकर बनाया जाता है। नेता, अफसर व ठेकेदार को इसके लाभ पता होते हैं । बरसात से पहले ही सड़क की मरम्मत करवाकर भुगतान करने की स्थापित सांस्कृतिक आर्थिक परम्परा भी है ।

इस बार की महत्त्वपूर्ण बैठक में सड़कों की गुणवत्ता सुधारने और पैच वर्क को अधिक टिकाऊ बनाने के लिए, सख्त नियमावली का प्रारूप बनाया गया जो राष्ट्रीय मानकों पर आधारित रहा । ऐसा लगा अब एक भी गड्ढा बिना उच्च कोटि की मरम्मत किए बिना नहीं छोड़ा जाएगा। मरम्मत वाले क्षेत्र को वर्गाकार या आयताकार आकार में काटना ज़रूरी होगा, जिसमें सभी किनारे नब्बे डिग्री पर होने चाहिएं। गड्ढे में से धूल हटाने के लिए बढ़िया एयर ब्लोअर का प्रयोग करना होगा। गड्ढे के तल और दीवारों पर बिटुमेन इमल्शन की पतली परत लगाना ज़रूरी है ताकि नई सामग्री मजबूती से चिपक सके।

यदि गड्ढा तीन या पांच इंच से ज़्यादा गहरा है तो भरने के बाद मशीन से दबाया जाएगा । पैच का स्तर सड़क से तीन एमएम ऊंचा रखा जाएगा ताकि वहां पानी, धूल और मिटटी प्रवेश न कर सके। अब खड्डे की मरम्मत से पहले, मरम्मत के दौरान और मरम्मत के बाद, सम्बंधित अधिकारी के साथ रंगीन फोटो ली जाएगी। इस तरह गड्ढों का नाम मरम्मत के इतिहास में सचित्र दर्ज हो जाएगा। दो वर्ष के भीतर अगर उसी स्थान पर दोबारा गड्ढा हुआ तो मरम्मत को विफल माना जाएगा । फिर समझदार लोगों की कमेटी बिठाकर, कारणों की गहन जांच की जाएगी, जिसके तहत जवाबदेही भी तय की जा सकती है। इस नई योजना बनाए जाने के सुअवसर पर पत्रकारों को मौक़ा पर ही चाय पान और समोसा खान के लिए बुलाया गया। सूचित किया गया कि अब गड्ढों की किस्मत बदलने वाली है। सामने दिख रहे गड्ढे खुश दिख रहे थे। उन्हें पता था मरम्मत जल्दी हो न हो लेकिन आने वाले दिनों में अखबारों में उनकी फोटो छपेगी, सोशल मीडिया पर रीलें घूमेंगी और उन्हें भी कमेंट्स मिलेंगे।

यह कमाल की व्यवस्था की जा रही है। वास्तव में उच्च कोटि का प्रशासनिक इंतजाम किया जा रहा है। वहां से गुज़र रहे इंसान सोचेंगे ज़रूर, कि हम से बेहतर मरम्मत तो गड्ढों की होने जा रही है।

सऊदी अरब की मदद के लिए रणभूमि में उतर सकता है पाकिस्तान, युद्ध का दायरा और फैलेगा!

ईरान द्वारा सऊदी अरब पर मिसाइल और ड्रोन हमलों की घटनाओं के बाद क्षेत्रीय तनाव बढ़ गया है। इसी पृष्ठभूमि में पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच हुए सामरिक रक्षा समझौते की परीक्षा शुरू हो गयी है। इस समझौते के अनुसार यदि किसी एक देश पर हमला होता है तो दूसरा देश उसकी सुरक्षा में सहयोग करेगा।

नीरज कुमार दुबे

पश्चिम एशिया में तेजी से बदलते सुरक्षा हालात के बीच पाकिस्तान एक बेहद जटिल सामरिक दुविधा में फंस गया है। सऊदी अरब और ईरान के बीच बढ़ते टकराव ने इस्लामाबाद के सामने यह कठिन सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या वह अपने पुराने सहयोगी सऊदी अरब के साथ खड़ा होगा या फिर क्षेत्रीय संतुलन बनाये रखने की कोशिश करेगा। पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर के सऊदी दौरे ने इस बहस को और तेज कर दिया है।

दरअसल ईरान द्वारा सऊदी अरब पर मिसाइल और ड्रोन हमलों की घटनाओं के बाद क्षेत्रीय तनाव बढ़ गया है। इसी पृष्ठभूमि में पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच हुए सामरिक रक्षा समझौते की परीक्षा शुरू हो गयी है। इस समझौते के अनुसार यदि किसी एक देश पर हमला होता है तो दूसरा देश उसकी सुरक्षा में सहयोग करेगा। इस संकट के बीच पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर ने रियाद में सऊदी अरब के रक्षा मंत्री खालिद बिन सलमान से मुलाकात की। इस बैठक में ईरानी हमलों और क्षेत्रीय सुरक्षा हालात पर चर्चा की गयी। दोनों देशों ने साझा रक्षा समझौते के तहत संभावित कदमों पर विचार किया।

यह मुलाकात इसलिए भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है क्योंकि यदि पाकिस्तान सऊदी अरब का सैन्य समर्थन करता है तो वह सीधे ईरान के साथ टकराव की स्थिति में आ सकता है। पाकिस्तान की पश्चिमी सीमा पहले से ही अस्थिर है और ऐसे में नया संघर्ष उसके लिए गंभीर चुनौती बन सकता है।

मगर यह भी महत्वपूर्ण तथ्य है कि पाकिस्तान लंबे समय से सऊदी अरब का घनिष्ठ सहयोगी रहा है। सऊदी अरब ने आर्थिक सहायता और तेल आपूर्ति के माध्यम से कई बार पाकिस्तान की मदद की है। दूसरी ओर पाकिस्तान की ईरान के साथ लंबी सीमा लगती है और इन दोनों देशों के बीच भी सुरक्षा और ऊर्जा से जुड़े कई हित हैं। यही कारण है कि अब तक पाकिस्तान ने इस संघर्ष में सीधे शामिल होने से बचने की कोशिश की है। विश्लेषकों का मानना है कि यदि

इस्लामाबाद खुलकर सऊदी अरब के पक्ष में उतरता है तो इससे ईरान के साथ संबंध गंभीर रूप से बिगड़ सकते हैं और सीमा पर तनाव बढ़ सकता है।

हम आपको बता दें कि इस संकट का एक महत्वपूर्ण पहलू पाकिस्तान की आंतरिक राजनीति भी है। देश में सुन्नी और शिया समुदाय दोनों की बड़ी आबादी है। ईरान शिया बहुल देश है जबकि सऊदी अरब सुन्नी नेतृत्व वाला राष्ट्र है। ऐसे में यदि पाकिस्तान किसी एक पक्ष का खुला समर्थन करता है तो देश के भीतर सांप्रदायिक तनाव बढ़ने की आशंका भी रहेगी। अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के बाद पाकिस्तान के कई शहरों में शिया समुदाय के लोगों ने विरोध प्रदर्शन किये थे और गुस्साई भीड़ ने पाकिस्तान स्थित अमेरिकी मिशन पर हमला भी बोल दिया था। इसके बाद हालात काबू करने के लिये सुरक्षा बलों को कार्रवाई करनी पड़ी थी जिसमें कई लोगों के मारे जाने की खबरें सामने आयीं। इस घटना ने इस्लामाबाद की चिंता और बढ़ा दी है। पाकिस्तान की सरकार को आशंका है कि यदि वह खुलकर ईरान के खिलाफ सऊदी अरब के समर्थन में सेना उतारता है तो देश में मौजूद शिया समुदाय भड़क सकता है और आंतरिक सुरक्षा की स्थिति बिगड़ सकती है। इसी कारण पाकिस्तान की सरकार और सेना अब तक संतुलित नीति अपनाने की कोशिश करती रही है।

इसके अलावा, पाकिस्तान की भूमिका इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि वह एक परमाणु शक्ति है और मुस्लिम देशों में उसकी सेना को काफी प्रभावशाली माना जाता है। यदि पाकिस्तान सऊदी अरब के साथ सैन्य रूप से जुड़ता है तो इससे पूरे क्षेत्र में शक्ति संतुलन बदल सकता है। इसके अलावा यह संघर्ष वैश्विक राजनीति को भी प्रभावित कर सकता है। पश्चिम एशिया में अमेरिका, इजराइल, चीन और रूस जैसे बड़े देशों के हित जुड़े हुए हैं। ऐसे में पाकिस्तान का कोई भी फैसला केवल क्षेत्रीय नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय रणनीतिक समीकरणों को भी प्रभावित करेगा।

वहीं विशेषज्ञों का मानना है कि पाकिस्तान फिलहाल सीधे युद्ध में शामिल होने से बचने की कोशिश करेगा। लेकिन यदि सऊदी अरब पर हमले बढ़ते हैं और रक्षा समझौते के तहत दबाव बढ़ता है तो इस्लामाबाद के सामने कठिन निर्णय लेने की नौबत आ सकती है। फिलहाल असीम मुनीर की कूटनीतिक सक्रियता इसी संतुलन को साधने की कोशिश के रूप में देखी जा रही है। आने वाले समय में पाकिस्तान का रुख यह तय करेगा कि पश्चिम एशिया का यह संकट कितना व्यापक रूप लेता है।

हालांकि सैन्य इतिहास पर नजर डालें तो पाकिस्तान की सेना आज तक किसी युद्ध में जीत हासिल नहीं कर सकी है। भारत के साथ हुए युद्धों सहित कई सैन्य टकरावों में पाकिस्तान को करारी हार ही मिली है। ऐसे में यदि पाकिस्तान सऊदी अरब के समर्थन में किसी संघर्ष में उतरता भी है तो उससे युद्ध के व्यापक परिदृश्य में कोई बहुत बड़ा सामरिक बदलाव आने की संभावना कम ही है। विशेषज्ञों का मानना है कि पाकिस्तान की भागीदारी अधिकतर प्रतीकात्मक या सीमित सैन्य सहयोग तक ही रह सकती है, जबकि संघर्ष की दिशा मुख्य रूप से क्षेत्रीय महाशक्तियों की रणनीति से ही तय होगी।

चायना का 141 पन्नों वाला मास्टरप्लान, बिना गोली चलाए यूएस के एफ-35 जेट्स को जमीन पर ला देगा

नई दिल्ली

यह उस युद्ध की योजना है, जिस युद्ध में अमेरिका लड़ ही नहीं रहाज्क्योंकि वह इस समय एक बिल्कुल अलग मोर्चे पर उलझा हुआ है। वॉशिंगटन अरबों डॉलर ईरान के खिलाफ जंग में झोंक रहा है, दुनिया की सुर्खियाँ तेल की कीमतों और मिसाइलों की उड़ानों को गिन रही हैं। लेकिन इसी शोर-शराबे के बीच, बीजिंग ने चुपचाप एक ऐसा दस्तावेज़ जारी कर दिया है जो आने वाले कई दशकों तक दुनिया की ताकत का संतुलन बदल सकता है। 5 मार्च को राष्ट्रीय जन कांग्रेस में चीन की 141 पृष्ठों वाली 15वीं पंचवर्षीय योजना का अनावरण किया गया, जिसमें अगली पीढ़ी की आर्थिक और सैन्य शक्ति को परिभाषित करने वाली प्रौद्योगिकियों, सामग्रियों और उद्योगों पर प्रभुत्व स्थापित करने की एक महत्वाकांक्षी रणनीति बताई गई है।

निवेश विश्लेषक और लेखक शनाका एंसलम परेरा ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा है कि कोई ध्यान नहीं दे रहा है। यही तो असली मुद्दा है। यह योजना किसी सामान्य आर्थिक नीति दस्तावेज से कहीं अधिक राष्ट्रीय तकनीकी लामबंदी की तरह लगती है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इस योजना में प्रमुखता से शामिल है, और बीजिंग ने अगले दशक में अपनी अर्थव्यवस्था के अधिकांश हिस्सों में एआई को एकीकृत करने का संकेत दिया है। मानव-जैसे रोबोटिक्स को एक प्रमुख उद्योग घोषित किया गया है, जिसका उत्पादन पांच वर्षों के भीतर दोगुना होने की उम्मीद है। योजना में चीन अंतरिक्ष-पृथ्वी क्वांटम संचार नेटवर्क बनाने, परमाणु संलयन अनुसंधान में तेजी लाने और मस्तिष्क-कंप्यूटर इंटरफेस प्रौद्योगिकियों को आगे बढ़ाने के लिए भी प्रतिबद्ध है। आर्थिक महत्वाकांक्षा भी उतनी ही उल्लेखनीय है। अकेले एआई से संबंधित उद्योगों का मूल्य योजना अवधि में 10 ट्रिलियन युआन से अधिक होने की उम्मीद

है, जो वर्तमान विनिमय दरों पर लगभग 1.4 ट्रिलियन डॉलर के बराबर है। यह पैमाना एक समन्वित राष्ट्रीय औद्योगिक विकास को दर्शाता है जो अत्याधुनिक तकनीकों को विनिर्माण और राज्य नीति से जोड़ता है ताकि अल्पकालिक युद्धक्षेत्र लाभ के बजाय दीर्घकालिक आर्थिक शक्ति का निर्माण किया जा सके।

पेरेरा का तर्क है कि रणनीति की व्यापकता ही इसे रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण बनाती है। उन्होंने लिखा, यह कोई आर्थिक योजना नहीं है। यह एक ऐसे युद्ध की युद्ध योजना है जिसे संयुक्त राज्य अमेरिका नहीं लड़ रहा है। चीन के तकनीकी उदय का वाशिंगटन का अब तक का मुख्य जवाब 2022 में हस्ताक्षरित चिप्स एंड साइंस एक्ट रहा है। इस कानून ने घरेलू सेमीकंडक्टर विनिर्माण को मजबूत करने के लिए 52.7 बिलियन डॉलर आवंटित किए, जिसमें 39 बिलियन डॉलर प्रत्यक्ष अनुदान और उदार कर प्रोत्साहन शामिल हैं। इसने 140 से अधिक घोषित परियोजनाओं में सैकड़ों अरब डॉलर के निजी निवेश को प्रेरित किया है और पूरे संयुक्त राज्य अमेरिका में बड़ी संख्या में उच्च-कुशल रोजगार सृजित किए हैं। यह सिर्फ चिप्स के बारे में नहीं है। लेकिन यह प्रयास मुख्य रूप से एक महत्वपूर्ण क्षेत्र पर केंद्रित है- चिप्स। चीन की रणनीति कहीं अधिक व्यापक है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता को भारी उद्योग से लेकर सेवाओं तक, पूरी अर्थव्यवस्था में फैलाने का लक्ष्य है। रोबोटिक्स का उद्देश्य औद्योगिक उत्पादन को आधार प्रदान करना है। यह योजना क्वांटम कंप्यूटिंग, अंतरिक्ष अवसंरचना और सबसे महत्वपूर्ण रूप से, उन्नत इलेक्ट्रॉनिक्स - विशेष रूप से दुर्लभ धातुओं - के लिए आवश्यक कच्चे माल और प्रसंस्करण क्षमता में समानांतर निवेश को बढ़ावा देती है।

ईंधन बचाने के लिए वियतनाम में वर्क फ्रॉम होम

हनोई, (वार्ता)। पश्चिम एशिया बढ़ते तनाव के कारण वैश्विक ऊर्जा बाजार में आई अस्थिरता को देखते हुए वियतनाम सरकार ने देश में ईंधन की खपत कम करने के लिए कड़े कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। वियतनाम के उद्योग और व्यापार मंत्रालय ने मंगलवार को नागरिकों से जहां संभव हो वहां रिमोट वर्क (घर से काम) करने का आग्रह किया है ताकि यात्रा और परिवहन की मांग को कम किया जा सके। वियतनाम समाचार एजेंसी के अनुसार, मंत्रालय ने एक आधिकारिक अपील जारी कर नागरिकों से ईंधन बचाने के विभिन्न उपाय अपनाने को कहा है। इसमें अनावश्यक होने पर निजी वाहनों के उपयोग को सीमित करने, कारपूलिंग (साझा सवारी) करने, सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करने और कम दूरी के लिए साइकिल को प्राथमिकता देने का सुझाव दिया गया है। सरकार ने भविष्य की चुनौतियों को देखते हुए नागरिकों को इलेक्ट्रिक और हाइब्रिड वाहनों पर विचार करने के लिए भी प्रोत्साहित किया है। मंत्रालय का मानना है कि इन उपायों से न केवल वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में आई बाधाओं के प्रभाव को कम किया जा सकेगा, बल्कि देश की ऊर्जा सुरक्षा को भी मजबूती मिलेगी। उल्लेखनीय है कि मध्य-पूर्व में जारी संघर्ष के कारण वैश्विक स्तर पर तेल और गैस की कीमतों में भारी उतार-चढ़ाव देखा जा रहा है, जिससे कई आयात निर्भर देशों के लिए ईंधन की आपूर्ति एक बड़ी चुनौती बन गई है।

जापान के पेपर मिल में संदिग्ध गैस रिसाव, 6 कर्मचारी प्रभावित

टोक्यो, (वार्ता)। जापान के गिफू प्रान्त के कानी इलाके में एक कागज मिल में मंगलवार को संदिग्ध गैस रिसाव के कारण छह कर्मचारी प्रभावित हुए । इनमें से दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, डाइओ पेपर कॉर्प के संयंत्र में सुबह सूचना मिली कि दो कर्मचारी किसी अज्ञात गैस की चपेट में आने के बाद सांस लेने में तकलीफ महसूस कर रहे हैं। घटना के बाद 20 से 60 वर्ष की आयु के कुल छह घायल श्रमिकों को तत्काल अस्पताल ले जाया गया। चिकित्सकों के अनुसार, सांस की गंभीर समस्या से जूझ रहे 50 और 60 वर्ष के दो कर्मचारी बोलने की स्थिति में नहीं हैं, जबकि अन्य चार मामूली रूप से प्रभावित हुए । प्रारंभिक पुलिस जांच में सामने आया है कि ये कर्मचारी कार्बन मोनोऑक्साइड ले जाने वाले एक वाल्व को बदलने का काम कर रहे थे, तभी संभवत: वे इस जहरीली गैस की चपेट में आ गए। उल्लेखनीय है कि यह संयंत्र टॉयलेट पेपर जैसे उत्पादों का निर्माण करता है और यहाँ ठेकेदारों सहित लगभग 1,000 लोग कार्यरत हैं। पुलिस और स्थानीय प्रशासन मामले की विस्तृत जांच कर रहे हैं।

यूएई ने इराक में अपने दूतावास पर हमले की कड़ी निंदा की

अबू धाबी, (वार्ता)। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने इराक के कुर्दिस्तान क्षेत्र में अपने महावाणिज्य दूतावास को निशाना बनाकर किए गए एक आतंकी ड्रोन हमले की कड़ी निंदा की है। इस हमले में किसी के घायल होने की खबर नहीं है। यूएई के विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को जारी एक बयान में इस हमले को बिना उकसावे वाला आतंकवादी कृत्य बताया और जोर दिया कि राजनयिक मिशनों को निशाना बनाना अंतरराष्ट्रीय मानदंडों एवं कानूनों का गंभीर उल्लंघन है। मंत्रालय ने कहा इस तरह के हमले राजनयिक संबंधों पर वियना समझौते का उल्लंघन करते हैं, जो राजनयिक परिसरों और राजनयिक कर्मियों की सुरक्षा की गारंटी देता है। यह घटना क्षेत्रीय सुरक्षा एवं स्थिरता के लिए खतरा पैदा करने वाली है। यूएई ने इराक सरकार और कुर्दिस्तान क्षेत्रीय सरकार से इस घटना की गहन जांच शुरू करने, जिम्मेदार लोगों की पहचान करने और यह सुनिश्चित करने का आह्वान किया कि दोषियों को जवाबदेह ठहराया जाए।

नैमिषारण्य में बोले शंकराचार्य, गौ रक्षा से विश्व में सुख-शांति संभव

सीतापुर, (वार्ता)। उत्तर प्रदेश में सीतापुर जिले के नैमिषारण्य में ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने मंगलवार सुबह कहा कि गौ रक्षा के मुद्दे पर देश की जनता अब किसी कीमत पर गौ हत्या बर्दाश्त नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि गौ रक्षा से ही विश्व की रक्षा संभव है और सुख-शांति का आधार गौ माता है। उन्होंने कहा कि गौ माता ही सुख-शांति का स्तंभ है और इसी कारण विश्व में फैली अशांति को समाप्त करने के लिए गौ संरक्षण आवश्यक है। बिना किसी का नाम लिए उन्होंने यह भी कहा कि शंकराचार्य पद की गरिमा को धूमिल करने का प्रयास किया जा रहा है। नैमिषारण्य में संत समाज से दूरी बनाए रखने के संबंध में उन्होंने कहा कि वह नहीं चाहते कि उनकी वजह से कोई भी संत वर्तमान जटिल राजनीतिक परिस्थितियों में किसी विवाद या समस्या का शिकार बने। उन्होंने दावा किया कि गौ रक्षा के मुद्दे पर उन्हें सभी संतों का मौन समर्थन प्राप्त है। अपने ऊपर लगे आरोपों और हालिया विवादों को उन्होंने सोची-समझी साजिश बताया। सोमवार देर शाम नैमिषारण्य पहुंचने पर व्यास आश्रम के प्रतिनिधि रंजीत दीक्षित ने उनका स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने मां ललिता देवी मंदिर में विधि-विधान से पूजन किया और चक्र तीर्थ की आरती में भाग लिया। रात में उन्होंने जगन्नाथ मंदिर में विश्राम किया। मंगलवार सुबह मंदिरों के दर्शन के बाद उनका काफिला दधीच कुंड पहुंचा, जहां उनका स्वागत राहुल शर्मा ने किया। पूजा-अर्चना के बाद उनका काफिला सिधौली के लिए रवाना हो गया। इस दौरान मिश्रिख क्षेत्र में शंकराचार्य के दर्शन के लिए हजारों की संख्या में श्रद्धालु जुटे। पुलिस और प्रशासन ने सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए और पूरे समय सतर्कता बनाए रखी।

यूएई को भरोसा: मोदी के फोन घुमाने भर से रुक जाएगा युद्ध

मिडिल ईस्ट को जंग की आग से बचाने की उम्मीद भारत पर टिकी?

नई दिल्ली

इजराइल और अमेरिका ने ईरान पर हमला किया तो उसके जवाब में ईरान ने ना सिर्फ इजराइल को निशाना बनाया बल्कि उसने पूरे मिडिल ईस्ट के देशों को अपने निशाने पर ले लिया। इसमें सबसे ज्यादा मिसाइलें और ड्रोन अटैक यूएई पर उसने किए। तमाम हमलों के बीच यूएई के लोग काफी जिंदा दिल नजर आए और वो लगातार होते इन हमलों के बीच अपना दैनिक काम जारी रखे हुए हैं। वो दबाव महसूस नहीं कर रहे हैं। वहीं यूएई की सरकार भी आम लोगों के साथ लगातार सड़कों पर उतर कर मुलाकात कर रही है और स्थिति को सामान्य बनाने का काम कर रही है। संयुक्त अरब अमीरात

यानी यूएई साफ कह रहा है कि वह ईरान-इज़राइल संघर्ष में खिंचना नहीं चाहता और न ही वह अपनी जमीन को किसी भी पक्ष के लिए हमले का लॉन्चिंग पैड बनने देगा।

भारत में यूएई के पहले राजदूत हुसैन हसन मिर्ज़ा ने एनडीटीवी से कहा है कि सच कहूं तो मुझे समझ नहीं आता कि इस मामले में यूएई को क्यों घसीटा जा रहा है। इसमें शामिल होने की कोई वजह ही नहीं है। दरअसल अबू धाबी की स्थिति बेहद संवेदनशील है। एक तरफ वह ईरान का पड़ोसी है, तो दूसरी तरफ अब्राहम समझौते के तहत इज़राइल का साझेदार भी। लेकिन मिर्ज़ा के मुताबिक यही स्थिति यूएई को खास बनाती है। हम दोनों पक्षों के बीच बातचीत और समझौते की राह निकाल सकते हैं। जब बात भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आई, तो मिर्ज़ा ने कहा कि मोदी का सम्मान सिर्फ खाड़ी देशों के नेताओं में ही नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र की जनता और कारोबारी जगत में भी है। यही भरोसा उन्हें इस संघर्ष में भी एक अहम मध्यस्थ बना सकता है। मिर्ज़ा ने कहा कि अगर मोदी जी ईरान और इज़राइल के नेताओं को सिर्फ एक फोन कॉल कर दें, तो यह मुद्दा सुलझ सकता हैज यह टकराव खत्म हो सकता है। सिर्फ एक फोन कॉल। यह विश्वास प्रधानमंत्री मोदी के उन दोनों योद्धाओं के साथ मजबूत संबंधों पर आधारित है, जो वर्तमान में उस युद्ध में लड़ रहे हैं जिसे उन्होंने हमारी धरती पर लड़ा जा रहा युद्ध कहा है। मिर्जा ने कहा कि वे हमारी धरती पर आपस में लड़ रहे हैं। यह अस्वीकार्य है। वह नागरिक मार्ग में रहने के लिए सतर्क थे। मैं सैन्य अधिकारी नहीं हूं। उन्होंने कहा और आगे बताया कि अब तक हुए मामूली नुकसान की रिपोर्ट उनके आकलन के अनुसार सही है।

पश्चिम बंगाल सरकार न कानून का सम्मान करती है, न लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं का: नड्डा

नयी दिल्ली, (वार्ता)

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा ने मंगलवार को राज्यसभा में आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार न देश के कानून का सम्मान करती है और न लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं का।

सदन में प्रश्नकाल के दौरान तृणमूल कांग्रेस के सदस्य सुखेंदु शेखर रॉय स्वास्थ्य मंत्रालय से संबंधित पूरक प्रश्न पूछ रहे थे। इस दौरान उन्होंने अलग से एक टिप्पणी में कहा कि यह सरकार सहकारी संघवाद की बात करती है, उसे इस बात की जांच करनी चाहिये कि पश्चिम बंगाल की एक मात्र मुख्यमंत्री लाखों लोगों के अधिकारों के संरक्षण के लिए सड़कों पर धरना क्यों दे रही हैं। उन्होंने केंद्र सरकार से वहां एक प्रतिनिधिमंडल भेजने की मांग की और कहा कि बंगाल के लोग पूछ रहे हैं कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के नाम पर सिर्फ पश्चिम बंगाल में ही यह कठोर कदम क्यों उठाया जा रहा है। सदन के नेता श्री नड्डा ने अपने तेवर तीखे करते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल देश का एक मात्र राज्य है जहां कानून-व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है।

उन्होंने कहा, वे लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं का सम्मान नहीं करते, राजनीतिक परंपराओं का सम्मान नहीं करते, लोकतांत्रिक गतिविधियों में विश्वास नहीं करते। उन्होंने न्यायपालिका को भी धमकी दी है। और हाल ही में एक महिला मुख्यमंत्री (ममता बनर्जी) ने जनजाति समुदाय की एक महिला राष्ट्रपति का अपमान किया है। उनके मन में कानून के लिए कोई सम्मान नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री सभी को डराने की कोशिश कर रही हैं और चुनाव आयोग तक का सम्मान नहीं कर रही हैं। इस दौरान तृणमूल सदस्यों ने कुछ आपत्ति की, लेकिन सभापति सी.पी. राधाकृष्णन ने कहा कि जैसा सवाल पूछा गया है, मंत्री वैसा ही उत्तर दे रहे हैं।

मतदाता सूची में विसंगतियां केवल बंगाल में नहीं, 12 अन्य राज्यों में भी पाई गईं: मुख्य चुनाव आयुक्त

कोलकाता, (वार्ता)

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने मंगलवार को कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के दौरान पाई गई तार्किक विसंगतियां केवल पश्चिम बंगाल तक सीमित नहीं हैं।

श्री कुमार ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान में जिन 12 राज्यों में यह अभियान चलाया जा रहा है, उन सभी में ऐसी विसंगतियां सामने आयी हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि एसआईआर के दौरान विसंगतियों की पहचान करना एक मानक प्रक्रिया है। वर्ष 2002 में किये गये पिछले एसआईआर का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि उस समय सत्यापन के दौरान लगभग 4 से 5 प्रतिशत मतदाताओं की उचित मैपिंग नहीं हो सकी थी और उन्हें अनमैप्ड श्रेणी में रखा गया था। उन्होंने स्पष्ट किया कि वर्तमान प्रक्रिया में भी लगभग 7 से 8 प्रतिशत मतदाताओं की मैपिंग गलत या संदिग्ध तरीके से पाई गई है, जिसे आयोग ने तार्किक विसंगति के रूप में वर्गीकृत किया है। श्री कुमार ने जोर देकर कहा कि यह कोई नयी या केवल बंगाल के लिए विशिष्ट समस्या नहीं है, बल्कि सत्यापन प्रक्रिया का एक हिस्सा है। बंगाल के मामले में हालांकि, उन्होंने स्वीकार किया कि पारदर्शिता बनाए रखने के लिए आयोग को माइक्रो-ऑब्जर्वर तैनात करने जैसे कुछ कड़े कदम उठाने पड़े। आयोग के अनुसार, इस प्रक्रिया के दौरान लगभग 58 लाख ऐसी प्रविष्टियों की पहचान की गई जो या तो मृत हैं, डुप्लीकेट हैं या स्थानांतरित हो चुके मतदाता हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त ने बताया कि विवादास्पद प्रविष्टियों की जांच अब उच्चतम न्यायालय की देखरेख में न्यायिक अधिकारियों द्वारा की जा रही है। उन्होंने जोर देकर कहा कि एसआईआर की पूरी कवायद संवैधानिक प्रावधानों के अनुरूप और पूरी तरह निष्पक्ष है, जिसे राज्य सरकार के ही बूथ स्तर के अधिकारियों द्वारा अंजाम दिया जा रहा है। श्री कुमार से जब पूछा गया कि पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव कितने चरणों में होंगे तो उन्होंने कहा कि यह पूरी तरह राज्य की कानून-व्यवस्था की मशीनरी की तैयारियों पर निर्भर करेगा।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

चित्रांश राज ने नेटफ्लिक्स की 'हेलो बच्चों' के करियर के अहम पड़ाव में कदम रखा

फिल्मों, टेलीविजन, म्यूज़िक वीडियो और विज्ञापनों में लगातार काम करते हुए अपने करियर को मज़बूती से आगे बढ़ाने के बाद अभिनेता

चित्रांश राज ने अब अपने करियर के एक नए और अहम पड़ाव में कदम रखा है। चित्रांश राज की नेटफ्लिक्स सीरीज़ हेलो बच्चों के रिलीज़ होने के साथ ही दर्शक अब उस कहानी से रूबरू हो रहे हैं जो भारत के छात्रों के सपनों, संघर्षों और आकांक्षाओं को दर्शाती है। इस मौके पर चित्रांश राज ने अपनी खुशी और आभार व्यक्त किया है। इससे पहले बॉलीवुड फिल्म तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया में नज़र आ चुके चित्रांश अब इस सीरीज़ में एक गहराई और भावनात्मक परतों से भरी भूमिका निभा रहे हैं। यह सीरीज़ फिजिक्स वाला के संस्थापक अलख पांडे की प्रेरणादायक यात्रा से प्रेरित है, जिनका किरदार अभिनेता विनीत कुमार सिंह ने निभाया है। यह शो भारत की शिक्षा व्यवस्था की भावनात्मक वास्तविकताओं को सामने लाते हुए शिक्षकों और छात्रों के बीच के गहरे रिश्ते को भी दर्शाता है। सीरीज़ में चित्रांश ने 'संयम' का किरदार निभाया है, जो कहानी में एक अहम भूमिका निभाता है। संयम एक ऐसा पात्र है जो छात्रों और शिक्षकों की दुनिया के बीच खड़ा दिखाई देता है। हास्य, संवेदनशीलता और भावनात्मक टकराव के कई पलों के माध्यम से यह किरदार छात्रों पर पड़ने वाले दबावों के साथ-साथ शिक्षकों की अपेक्षाओं को भी समझता है। चित्रांश राज ने कहा,हेलो बच्चों मेरे लिए बेहद खास प्रोजेक्ट है क्योंकि यह ऐसी कहानी है जिससे भारत के लाखों छात्र खुद को जोड़ पाएंगे। जब मैंने पहली बार स्क्रिप्ट पढ़ी, तो मैं तुरंत संयम के किरदार से जुड़ गया क्योंकि वह छात्र और शिक्षक दोनों के नज़रिए को समझता है, और यही उसकी यात्रा को बहुत वास्तविक और भावनात्मक बनाता है। मैं मुकेश छाबड़ा और मुकेश छाबड़ा कास्टिंग कंपनी की पूरी टीम का आभारी हूं जिन्होंने मुझ पर इस भूमिका के लिए भरोसा किया।

कृतिका -गौरव का मज़ेदार और अलग अंदाज़ वाला वेडिंग इनवाइट सामने आया

कृतिका कामरा और गौरव कपूर की शादी के जश्न की झलक सामने आनी शुरू हो गई है,इससे अंदाज़ा लगाया जा सकता है कि यह इस सीज़न की सबसे स्टाइलिश और अलग अंदाज़ वाली शादियों में से एक होने वाली है। यह जोड़ा 11 मार्च को मुंबई में शादी के बंधन में बंधने जा रहा है। इस खास मौके को वे अपने करीबी दोस्तों और परिवार के साथ एक निजी लेकिन ग्लैमरस समारोह में सेलिब्रेट करेंगे। इस जश्न में फिल्म और खेल जगत के कई जाने-माने चेहरे भी शामिल होने वाले हैं। इस शादी को और खास बनाता है उनका अलग और दिलचस्प वेडिंग इनवाइट, जो उनके स्टाइल और सहज स्वभाव को दर्शाता है। पारंपरिक वेडिंग रिसेप्शन की जगह कृतिका और गौरव ने द पार्टी, आफ्टर नाम से एक खास लेट-ईवनिंग सेलिब्रेशन रखा है, जिसे एक आरामदायक और मज़ेदार आफ्टर-पार्टी की तरह प्लान किया गया है। दक्षिण मुंबई के एक वेन्यू पर होने वाली इस शाम का माहौल जैज़ नाइट और स्पीकईज़ी बार जैसा होगा। मेहमानों को जल्दी आने, आराम से बैठने और रात भर जश्न का आनंद लेने के लिए आमंत्रित किया गया है। इनवाइट का डिज़ाइन भी बेहद खूबसूरत है, जिसमें मोनोक्रोम लुक और हल्का-फुल्का अंदाज़ दिखाई देता है। यह इस बात की झलक देता है कि यह जश्न निजी, स्टाइलिश और बेहद खास होने वाला है।

गोवा में नई शुरुआत! लीप के बाद 'अनुपमा' की जिंदगी में आएंगे सचिन त्यागी

स्टार प्लस के शो अनुपमा के मेकर्स ने नया प्रोमो जारी किया है, जिसमें कहानी में एक छोटा सा लीप (समय का बदलाव) दिखाया गया है। प्रोमो से पता चलता है कि अनुपमा अब गोवा शिफ्ट हो गई है और वहां अपनी जिंदगी का एक नया फेज शुरू कर चुकी है। प्रोमो की शुरुआत में अनुपमा बीच (समुद्र किनारे) पर साइकिल चलाती दिख रही है और उसके पीछे एक छोटी बच्ची बैठी है। वह बच्ची एक्साइटमेंट में अनुपमा

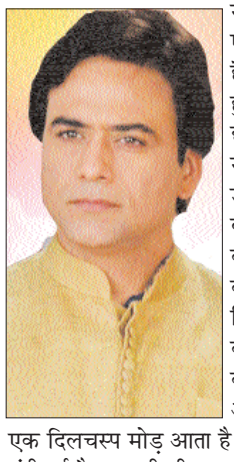

से साइकिल और तेज चलाने को कहती है, जो एक बहुत ही प्यारा और खुशमिजाज पल है।इसके तुरंत बाद, अनुपमा को यह सोचते हुए दिखाया गया है कि समुद्र किनारे लगी कई छोटी दुकानों के बीच वह अपना खाने का स्टॉल कहाँ लगाए। इधर-उधर देखने के बाद, उसे लहरों के पास एक जगह मिलती है और वह वहीं अपना स्टॉल शुरू करने का फैसला करती है। फिर वह स्नैक्स बेचते और लोगों को अपना खाना चखने के लिए बुलाते हुए दिखती है। हालांकि, वहां से गुजर रहा एक कपल सवाल करता है कि गोवा के बीच पर कोई ढोकला क्यों खाना चाहेगा, जिसे सुनकर अनुपमा उलझन में पड़ जाती है। तभी प्रोमो में एक दिलचस्प मोड़ आता है। सचिन त्यागी, जिनकी हाल ही में शो में नई एंट्री हुई है, पास ही बीच पर बैठे नजर आते हैं। जैसे ही लहरें करीब आती हैं, वह थ्री, टू, वन गिनना शुरू करते हैं, और अचानक एक तेज़ लहर आती है जिससे अनुपमा का बैलेंस बिगड़ जाता है और उसका स्टॉल गिर जाता है। जब अनुपमा उठने की कोशिश करती है, तो सचिन त्यागी का किरदार उसकी ओर आता है और मदद के लिए हाथ बढ़ाता है। लेकिन उसे ऊपर खींचने के बजाय, वह उसके हाथ में कागज का एक छोटा टुकड़ा थमा देता है और वहां से चला जाता है। जब अनुपमा उस कागज को खोलती है, तो उस पर एक मोटिवेशनल कोट (प्रेरणादायक विचार) लिखा होता है। उसे जाते हुए देखकर अनुपमा सोच में पड़ जाती है।

ताहिर राज भसीन ने विक्रम फडनीस की नई फिल्म की शूटिंग पूरी की

अभिनेता ताहिर राज भसीन ने विक्रम फडनीस के निर्देशन में बन रही नई फिल्म की शूटिंग पूरी कर ली है। इस अनटाइटल्ड प्रोजेक्ट में लीड भूमिका निभा रहे ताहिर ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा करते हुए फिल्म की शूटिंग पूरी होने की घोषणा की। ताहिर ने फिल्म के सेट से कई तस्वीरें साझा कीं, जिनमें विक्रम फडनीस भी नजर आ रहे हैं। इसके साथ उन्होंने एक भावुक नोट भी लिखा।पोस्ट में लिखा है,शूटिंग पूरी हो गई। यह सफर वाकई शानदार रहा। विक्रम आपका धन्यवाद कि आपने इतना दिल से लिखा हुआ किरदार लिखा और उसका निर्देशन किया, जिसे निभाना मेरे लिए बेहद खास अनुभव रहा। दुनिया के साथ आपके इस प्यार और मेहनत से बने प्रोजेक्ट को साझा करने का इंतजार नहीं हो रहा। ताहिर ने इस प्रोजेक्ट के बारे में बात करते हुए कहा, विक्रम फडनीस के साथ काम करना बेहद शानदार अनुभव रहा। सेट पर उनकी गर्मजोशी और ऊर्जा सचमुच संक्रामक है, और मैं आभारी हूं कि उन्होंने अपने हिंदी भाषा के निर्देशन की शुरुआत वाली फिल्म में मुझे मुख्य भूमिका के लिए चुना।यह प्रोजेक्ट मेरे लिए खास इसलिए भी है क्योंकि इसने मुझे उन एंटी-हीरो किरदारों की सीरीज से थोड़ा अलग होने का मौका दिया, जिन्हें निभाने में मुझे पिछले कई वर्षों में काफी आनंद आया है। इस फिल्म ने मुझे एक हल्की-फुल्की, भावनात्मक और जीवन के करीब महसूस होने वाली कहानी को एक्सप्लोर करने का मौका दिया और एक अभिनेता के रूप में कुछ नया आजमाने का अवसर भी। ताहिर ने कहा,हालांकि फिलहाल मैं अपने किरदार के बारे में ज्यादा खुलासा नहीं कर सकता, लेकिन दर्शकों को पर्दे पर मेरा ऐसा रूप देखने को मिलेगा जिसे मैंने पहले कभी एक्सप्लोर नहीं किया है।

जनभागीदारी से होगा जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जल संरक्षण व संवर्धन

प्रस्फुटन समितियों को दिया गया जल गंगा अभियान व ग्राम विकास का प्रशिक्षण

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)।

मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद नरसिंहपुर के मार्गदर्शन में नवांकुर योजना के अंतर्गत सेक्टर स्तरीय ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों एवं नवांकुर सखी योजनाओं का एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन मंगलवार को ग्राम पंचायत भवन बम्होरी-तिंदनी सेक्टर धमना में किया गया। सभी प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

प्रशिक्षण के दौरान जनभागीदारी आधारित 'जल गंगा संवर्धन अभियान' को सफल एवं प्रभावी बनाने के लिए रूपरेखा से अवगत कराते हुए जल संरक्षण और प्राकृतिक संसाधनों के संवर्धन के लिए ग्राम स्तर पर किए जाने वाले प्रयासों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान आगामी त्रैमासिक कार्ययोजना पर भी विस्तार से विचार- विमर्श किया गया। प्रतिभागियों को सामुदायिक ग्राम विकास की अवधारणा, समितियों की भूमिका, उनके द्वारा संधारित किए जाने वाले आवश्यक अभिलेखों तथा कार्यप्रणाली के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। तकनीकी सत्र में प्रतिभागियों को एमपीजेएपी ऐप के माध्यम से समितियों की गतिविधियों, बैठकों तथा विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी ऑनलाइन दर्ज करने की प्रक्रिया के बारे में बताया गया, जिससे योजनाओं की प्रगति का डिजिटल रूप से प्रभावी मॉनिटरिंग की जा सके।

प्रशिक्षण के दौरान बाल कल्याण समिति नरसिंहपुर के अध्यक्ष श्री शिवकुमार रैकवार, श्री स्वामी आनंद सिंधु दास जी महाराज, जिला समन्वयक मप्र जन अभियान परिषद श्री जय नारायण शर्मा, जयज्वाला शिक्षा प्रचार-प्रसार समिति के निदेशक श्री संजय खरे तथा सुदर्शन जन कल्याण समिति के अध्यक्ष श्री तेजवल सिंह लोधी मौजूद थे। इस प्रशिक्षण में ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों के अध्यक्ष, सचिव, उपाध्यक्ष, संयुक्त सचिव एवं कोषाध्यक्ष सहित अन्य सदस्य तथा नवांकुर सखियों ने भाग लिया।

कलेक्टर ने सुनी लोगों की समस्याएं

जनसुनवाई में आये 90 आवेदन पत्रों की सुनवाई हुई

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनसुनवाई आयोजित की गई। जनसुनवाई में आवेदकों ने विभिन्न विषयों से संबंधित आवेदन पत्र प्रस्तुत किए। जनसुनवाई में विभिन्न समस्याओं से संबंधित कुल 90 आवेदन पत्र प्राप्त हुए।

कलेक्टर श्रीमती सिंह ने जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों का तत्काल निराकरण किया। जिन आवेदन पत्रों का तत्काल निराकरण नहीं हो सका, उन आवेदन पत्रों को निर्धारित समय सीमा में निराकरण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। जिला पंचायत सीईओ श्री गजेन्द्र सिंह नागेश सहित अन्य विभागीय अधिकारियों ने भी जनसुनवाई में लोगों की समस्याएं सुनी और उनकी समस्याओं का निराकरण किया।

कलेक्टर की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई जिला जनगणना समन्वय समिति की बैठक

नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्टर चैम्बर में जिला जनगणना समन्वय समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में कलेक्टर श्रीमती सिंह ने मकानसूचीकरण के कार्य में ई-गवर्नेंस के अधिकारी/ कर्मचारी को संलग्न किए जाने तथा समय सीमा के अनुसार 15 मार्च तक मकान सूचीकरण ब्लॉक का गठन करने और एचएलबीसी वेब मेपिंग एप्लीकेशन पर इन मकान सूचीकरण ब्लॉक को अनिवार्य रूप से चिन्हित करने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त जिले में किसी भी आयोजन में जनगणना से संबंधित जागरूकता एवं प्रचार- प्रसार करने के निर्देश समस्त जिला अधिकारियों को दिए गए। बैठक में अतिरिक्त जिला जनगणना अधिकारी, प्रभारी अधिकारी डूडा, जिला सूचना एवं विज्ञान अधिकारी नरसिंहपुर, जिला जनगणना लिपिक मौजूद थे।

पेयजल निवारण की सतत निगरानी के लिए कंट्रोल रूम स्थापित

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)।

कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग खंड नरसिंहपुर ने बताया कि जिले में ग्रीष्मकाल में संभावित पेयजल संकट को दृष्टिगत रखते हुए जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित हैंडपंपों के खराब होने/जल स्तर में गिरावट के कारण पेयजल संकट निवारण की सतत निगरानी के लिए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग नरसिंहपुर में कंट्रोल रूम स्थापित करने का आदेश जारी किया है। कंट्रोल रूम का दूरभाष नंबर 07792-230210 है। इसके अलावा नियंत्रण कक्ष के प्रभारी श्री सीएल चौधरी को नियुक्त किया गया है, जिनका मोबाइल नंबर 9827008644 है। इसके अलावा उक्त कंट्रोल रूप में कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। कंट्रोल रूम में 8 बजे से 2 बजे तक सहायक ग्रेड-3 श्री नीतेश केवट और 2 बजे से 8 बजे तक सहायक ग्रेड-3 श्री राजकिशोर उईके की ड्यूटी लगाई गई है।

जारी कार्यालयीन आदेश के मुताबिक प्रत्येक शनिवार हैंडपंप टेक्नीशियन श्री महेश कुडापे द्वारा सुबह 10 बजे से 6 बजे तक उक्त दायित्व का निर्वहन करेंगे। श्री महेश कुडापे का मोबाइल नंबर 9009289873 है। इसके अलावा प्रत्येक रविवार को दै.वे.भो. वाहन चालक श्री राजेश तिवारी सुबह 10 बजे से 6 बजे तक उक्त दायित्व का निर्वहन करेंगे। श्री राजेश तिवारी का मोबाइल नंबर 9644476355 है। इसी के साथ अन्य अवकाश के दिनों सहायक ग्रेड 3 श्री कमलापत मेहरा और प्रतिलिपिकार श्री चंद्रकांत जोशी आपसी सामंजस्य स्थापित कर सुबह 10 बजे से 6 बजे तक उक्त दायित्व का निर्वहन करेंगे। श्री कमलापत मेहरा का मोबाइल नंबर 7489397574 और श्री चंद्रकांत जोशी का मोबाइल नंबर 7898343987 है। उक्त दायित्व उपरोक्त कर्मचारियों को पूर्व से सौंपे गए दायित्व के अतिरिक्त है, जिसका निर्वहन उनके लिए अनिवार्य होगा।

उक्त कर्मचारियों द्वारा दूरभाष पर प्राप्त शिकायतों की प्रविष्टी कंट्रोल रूम पंजी में किया जाकर तत्काल संबंधित उपखंडों के सहायक यंत्री/उपयंत्री को आवश्यक कार्यवाही के लिए दूरभाष पर सूचित करेंगे। संबंधित सहायक यंत्री/उपयंत्री प्रकरण में तत्काल संज्ञान लेकर आवश्यक कार्यवाही तथा शिकायत का सार्थक निराकरण कर खंड कार्यालय में स्थापित कंट्रोल रूम को सूचित करना सुनिश्चित करेंगे, ताकि कंट्रोल रूम में संधारित पंजी में निराकरण की प्रविष्टि की जा सके।

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय उपखंड नरसिंहपुर में स्थापित कंट्रोल रूम

इसके अतिरिक्त जिला स्तर एवं विकासखंड स्तर पर कार्यरत अधिकारियों-कर्मचारियों को उनके मोबाइल नंबर पर हैंडपंपों के सुधार कार्य के लिए सीधे सम्पर्क किया जा सकता है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय उपखंड नरसिंहपुर में स्थापित कंट्रोल रूम का दूरभाष नंबर 07792-292161 है। इसके साथ ही उपयंत्री श्री आशीष नेमा का मोबाइल नंबर 6263009411, है.पं. टेक्नी. श्री अभिषेक विश्वकर्मा का मोबाइल नंबर 7879470536, श्री सेवा ठाकुर का मोबाइल नंबर 9407846121, श्रीमती प्राची लखेरा का मोबाइल नंबर 9406682904 और श्री अभिजीत जाट का मोबाइल नंबर 9713102210 पर सम्पर्क कर किया जा सकता है। अवकाश के दिनों में हैंडपंप टेक्नीशियन श्री चंक्रकांत काछी एवं भृत्य श्री प्रकाश महोबिया द्वारा सुबह 10 बजे से 6 बजे तक उक्त दायित्व का निर्वहन किया जाएगा।

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय उपखंड करेली में स्थापित कंट्रोल रूम का दूरभाष नंबर

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय उपखंड करेली में कंट्रोल रूप में स्थापित किया गया है, जिसका दूरभाष नंबर 07793-271501 है। इसके अलावा उपयंत्री श्री गोवर्धन अहिरवार का मोबाइल नंबर 8770395922, स्टोर क्लर्क श्री प्रमोद हिलोनिया का मोबाइल नंबर 9981933580, हेल्पर श्री अनंतराम कहार का मोबाइल नंबर 9669374744, उपयंत्री सुश्री माधुरी यादव का मोबाइल नंबर 7771067774, है.पं. टेक्नी. श्री अमित चढ़ार का मोबाइल नंबर 628157066 और भृत्य श्री गौरीशंकर बिलझारिया का मोबाइल नंबर 9977199980 है। अवकाश के दिनों में उपयंत्री श्री गोवर्धन अहिरवार, हेल्पर श्री अनंतराम कहार एवं भृत्य श्री गौरीशंकर बिलझारिया द्वारा सुबह 10 बजे से 6 बजे तक उक्त दायित्व का निर्वहन किया जाएगा।

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय उपखंड गाडरवारा में स्थापित कंट्रोल रूम का दूरभाष नंबर

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय उपखंड गाडरवारा में कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है, जिसका दूरभाष नंबर 07791-255835 है। इसके साथ ही उपयंत्री श्री कृष्णकुमार शर्मा का मोबाइल नंबर 7887999192, है.पं. टेक्नी. श्री उमेश अंगूरे का मोबाइल नंबर 9630520890 और कु. रेखा बेलवंशी का मोबाइल नंबर 8640036377 है। अवकाश के दिनों में हैंडपंप टेक्नीशियन श्री रामस्वरूप पटेल एवं चौकीदारी श्री लालजी ठाकुर द्वारा सुबह 10 बजे से 6 बजे तक उक्त दायित्व का निर्वहन किया जावेगा।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया महिला दिवस कार्यक्रम

नरसिंहपुर। लीनेस क्लब संस्कार के द्वारा महिला दिवस कार्यक्रम हर्षोल्लास के साथ मनाया गया जिसके तहत राधा मोरिया मोटिवेशनल ट्रैवलर वृंदा डिमोले सुकर्मा फाउंडेशन प्राथमिक स्वास्थ्य का कार्य करते हुए निशुल्क पेड का वितरण करती है गायत्री परिवार से मंजू श्रीवास्तव एवं प्रिया सोनी जो की आशा कार्यकर्ता है का सम्मान क्लब के द्वारा किया गया यह वह महिलाएं हैं जिन्होंने ग्राउंड में जाकर महिलाओं की मदद की है और अपनी एक नई राह चुनी है क्लब हमेशा से उन महिलाओं का सम्मान करते आ रहा है जिन्होंने अपनी कड़ी मेहनत से समाज में स्थान बनाया है और अन्य महिलाओं की मदद की है इसके साथ ही क्लब की सभी सम्मानित मेंबरों के द्वारा कविता गायन एवं उनके विचारों को प्रकट किया गया इसके साथ ही स्वादिष्ट व्यंजन का लुत्फ़ उठाया गया और सभी महिलाओं ने हमेशा एक दूसरे की मदद करने की शपथ ली हमारे इस कार्यक्रम में क्लब की डिस्ट्रिक्ट कोषाध्यक्ष ज्योति तिवारी अध्यक्ष रचना त्रिवेदी एरिया ऑफिसर शिखा साहू सचिन ज्योति पचौरी कोषाध्यक्ष वात्सल्य त्रिवेदी मालती त्रिवेदी नीता शर्मा नंदिता चौबे सुषमा शर्मा मीनाक्षी पुरोहित बलजीत कौर कुसुम साहू निशा सोनी दुर्गा राय शालू भाटिया कीर्ति पालीवाल रमा दुबे सुमन शर्मा सुनीता राजपूत अर्चना सोनी ममता गुप्ता मनीष टंडन सुषमा मिश्रा गीता मिश्रा अंजना दुबे सहित क्लब की सभी महिलाओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया और महिला दिवस को हर्षोल्लास के साथ मनाया।

ग्राम करताज में आयोजित हुआ पशु जागरूकता शिविर

पशुपालकों को मिली उन्नत तकनीक और शासन की हितग्राही मूलक योजनाओं की जानकारी

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)।

'क्षीर धारा योजना' के अंतर्गत पशुपालन एवं डेयरी विभाग नरसिंहपुर द्वारा जिले के ग्राम करताज में एक दिवसीय पशु जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य पशुपालन को आधुनिक बनाने और पशुपालकों को शासन की विभिन्न हितग्राही मूलक योजनाओं से अवगत कराना है।

शिविर के दौरान विभागीय टीम ने ग्राम का भ्रमण किया। शिविर प्रभारी एव्हीएफओ श्री हरिहर बुनकर ने अपनी पशु चिकित्सीय टीम के साथ पशुओं का सघन स्वास्थ्य परीक्षण किया। एव्हीएफओ श्री रोहित मेहरा और प्रिंस मुड़िया ने ग्राम के पशुओं का गर्भ परीक्षण किया गया और पशुपालकों को उचित प्रबंधन के सुझाव दिए गए।

शिविर में कृषि विस्तार अधिकारी श्री रवि कुमार ठाकुर ने ग्रामीणों से अपील की कि वे जैविक खेती और ऊर्जा संरक्षण के लिए गोबर गैस संयंत्र का अधिक से अधिक निर्माण कराएं। उन्होंने बताया कि शासन द्वारा इसके निर्माण हेतु 13 हजार 500 रुपये की सब्सिडी प्रदान की जा रही है। पशुपालकों के लिए कृषि विभाग में चैफ कटर उपलब्ध हैं, जिस पर शासन द्वारा 6 हजार रुपये का अनुदान दिया जा रहा है।

उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवाएं डॉ. सुनील बृजपुरिया ने कहा कि निराश्रित गौवंश को आश्रय प्रदान करने और जिले की गौशालाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। शिविर में श्री भूपेंद्र ओरिया, एबीपीओ डॉ. एमपी तिवारी, सचिव, रोजगार सहायक, पशु परिचारक श्री नर्मदा प्रसाद मेहरा, गौसेवक श्री नरोत्तम शर्मा के अलावा ग्रामीणजन मौजूद थे।

आरटीई के तहत नि:शुल्क प्रवेश आवेदन प्रक्रिया 13 मार्च से प्रारंभ

नरसिंहपुर। शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए नि:शुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) के अंतर्गत निजी मान्यता प्राप्त अशासकीय विद्यालयों में कमजोर वर्ग एवं वंचित समूह के बच्चों के लिए ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। अभिभावक पोर्टल पर समग्र आईडी एवं आधार सत्यापन के माध्यम से न्यूनतम 3 तथा अधिकतम 10 विद्यालयों का चयन कर 13 मार्च से 28 मार्च 2026 तक ऑनलाइन आवेदन एवं त्रुटि सुधार कर सकेंगे।

जिला परियोजना समन्वयक श्री मनीष चौकसे ने बताया कि आवेदन के बाद 14 मार्च से 30 मार्च 2026 तक निर्धारित सत्यापन केंद्रों पर मूल दस्तावेजों का सत्यापन अनिवार्य होगा। पात्र आवेदकों को 02 अप्रैल 2026 तक ऑनलाइन लॉटरी के माध्यम से विद्यालय आवंटित किए जाएंगे तथा चयनित अभिभावकों को एसएमएस के जरिए सूचना दी जाएगी। आवंटित विद्यालयों में 03 अप्रैल से 15 अप्रैल 2026 तक प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण की जाएगी। यदि प्रथम चरण के बाद सीटें रिक्त रहती हैं, तो द्वितीय चरण में पुन: आवंटन किया जाएगा।

वारासिवनी अनुभाग के कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी का प्रभार पहलसिंह वलाडी को

बालाघाट (स्वतंत्र मत)। जिला आपूर्ति अधिकारी आरके ठाकुर द्वारा अनुभाग वारासिवनी का संपूर्ण प्रभार कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी पहलसिंह वलाडी को सौंपा गया है। पूर्व में कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी सुरेश धोटे विकासखंड परसवाड़ा का स्थानांतरण विकासखंड वारासिवनी किया गया था, लेकिन उनके द्वारा अब तक वारासिवनी में पदभार ग्रहण नहीं किया गया है। इस कारण से वारासिवनी अनुभाग के कार्यों के सुचारु संचालन के लिए आगामी आदेश तक विकासखंड बालाघाट के कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी पहलसिंह वलाडी को वारासिवनी अनुभाग का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। श्री ठाकुर द्वारा जारी आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है।

निजी स्कूलों में नि:शुल्क प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन 13 मार्च से

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)।

शिक्षा का अधिकार अधिनियम के अंतर्गत सत्र 2026/27 में निजी स्कूलों की प्रथम प्रवेशित कक्षा में नि:शुल्क प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन 13 मार्च 2026 से प्रारंभ होंगे। ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 28 मार्च 2026 निर्धारित की गई है। इस संबंध मे आर.टी.ई पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन पत्र का प्रारूप एवं निर्देश उपलब्ध कराये गए हैं। निजी विद्यालय में नि:शुल्क प्रवेश के लिए आवेदकों का चयन, ऑनलाइन लॉटरी के माध्यम से 2 अप्रैल 2026 को किया जायेगा।

इस विषय मे जनपद शिक्षा केंद्र चीचली एवं साईंखेड़ा से मिली जानकारी के अनुसार शिक्षा का अधिकार अधिनियम के अंतर्गत सत्र 2026/27 में निजी स्कूलों में नि:शुल्क प्रवेश के लिए समय-सारिणी भी जारी कर दी गई है। साथ ही विस्तृत निर्देश भी प्रदान किए गए हैं। समय-सारिणी एवं दिशा निर्देश आर.टी.ई. पोर्टल पर भी उपलब्ध हैं। सत्र 2026/27 के लिए जारी समय सारिणी के अनुसार, नि:शुल्क प्रवेश के लिए मान्यता प्राप्त अशासकीय स्कूलों एवं उनमें उपलब्ध कक्षा की सीट्स का पोर्टल पर प्रदर्शन दिनांक 09 मार्च 2026 से किया जाएगा। वहीं वंचित समूह एवं कमजोर वर्ग के आवेदक अपना आवेदन, ऑनलाइन प्रक्रिया से 13 मार्च से 28 मार्च 2026 के बीच जमा कर पंजीयन कर सकते हैं। फार्म के साथ पात्रता सम्बंधित कोई भी एक दस्तावेज अपलोड करना होगा। ऑनलाइन आवेदन के पश्चात आवेदकों को इसी अवधि में त्रुटि सुधार का अवसर भी मिलेगा। 14 मार्च से 30 मार्च की अवधि में दस्तावेजों का सत्यापन संबंधित संकुल केन्द्र वाले स्कूल में अधिकृत सत्यापनकर्ता अधिकारी से करवाना होगा।

आवेदक ने आर.टी.ई. में नि:शुल्क प्रवेश के लिये जिस कैटेगरी/निवास क्षेत्र के माध्यम से प्रवेश चाहा है, तत्तसंबंधी कैटेगरी एवं निवास प्रमाण का सत्यापन, संबंधित मूल प्रमाण पत्र से किया जायेगा। लाटरी के पूर्व ही दस्तावेज सत्यापन हो जाने से, आवेदकों को स्कूल आवंटित होने के बाद दस्तावेजों की त्रुटि या अभाव में, एडमिशन निरस्त होने की समस्या उत्पन्न नही होगी। ऑनलाइन आवेदन करने में कोई समस्या या कठिनाई होने की स्थिति में संबंधित विकासखंड के बीआरसी कार्यालय में भी संपर्क किया जा सकता है। 02 अप्रैल 2026 को ऑनलाइन लॉटरी द्वारा छात्रों को निजी स्कूलों में सीट का आवंटन किया जायेगा। लॉटरी प्रक्रिया के उपरांत आवंटित सीट की जानकारी, आवेदक को उसके पंजीकृत मोबाइल नंबर पर, एसएमएस के माध्यम से प्रदान की जायेगी। ऑनलाइन लॉटरी की सूची आर.टी.ई. पोर्टल पर भी उपलब्ध रहेगी।

किसी आवेदक को आवेदन करने में कोई दिक्कत हो या उन स्कूलों की जानकारी चाहिए हों जहां सीटें खाली हैं, तो आर.टी.ई. पोर्टल अथवा सर्व शिक्षा अभियान के ज़िला परियोजना कार्यालय अथवा विकासखण्ड स्रोत केन्द्र या जनशिक्षा केन्द्र कार्यालय में संपर्क किया जा सकता है।आयु के संबंध में, नर्सरी/के.जी.-1/के.जी-2 कक्षाओं में प्रवेश के लिए न्यूनतम आयु 03 से 04 वर्ष 06 माह एवं कक्षा-1 में प्रवेश के लिये न्यूनतम आयु 06 वर्ष से अधिक से 07 वर्ष 06 माह तक निर्धारित की गई है। सत्र 2026-27 के प्रवेश हेतु नर्सरी/के.जी.-1/के.जी-2 कक्षाओं के लिए आवेदक की आयु की गणना दिनांक 31 जुलाई 2026 की स्थिति में एवं कक्षा 1 के लिए 30 सितम्बर 2026 की स्थिति में की जायेगा ।

श्री जी ग्रुप द्वारा गुलाल व फूलों का रंगोत्सव संपन्न

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)।

रंगों के महापर्व होली पर श्री जी सेवा सदन एवं श्रीजी रंगोत्सव समिति के तत्वावधान में स्थानीय सावित्री सिग्नेचर में 'वृंदावन होली महोत्सव' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की थीम 'होली के रंग और श्री जी बिहारी जी के संग' रही। कार्यक्रम का शुभारंभ स्वस्तिवाचन, कलश यात्रा तथा राधा-कृष्ण पूजन के साथ हुआ।

इस अवसर पर भगवान श्रीकृष्ण को छप्पन भोग अर्पित किया गया तथा फूलों और गुलाल के साथ श्री बाँके बिहारी जी की भक्ति में महिला भक्तों ने वृंदावन की प्रसिद्ध लट्ठमार होली का आनंद लिया। मनीष ने कृष्ण और कंचन ने राधा के स्वरूप का सजीव चित्रण प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण राधा-कृष्ण की सजीव लीलाएँ रहीं। कृष्ण-राधा ने नगर की महिलाओं गोपियों के साथ रास रचाया तथा गुलाल और फूलों की बौछार कर पूरे वातावरण को रंगमय बना दिया। रंगों से सराबोर राधा-कृष्ण के मनमोहक नृत्यों ने नरसिंहपुर की 'गोपियों' का मन मोह लिया।

आयोजकों ने बताया कि होली केवल रंगों का पर्व नहीं, बल्कि प्रेम, सद्भाव और सांस्कृतिक एकता का संदेश देने वाला उत्सव है। कार्यक्रम में महिलाओं ने फाग गीत, नृत्य और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ उत्साहपूर्वक होली मनाई ।

आयोजन में रक्षा पालीवाल के निर्देशन तथा वरिष्ठ सदस्या नीरा बुधौलिया और अनिता ठाकुर के मुख्य आतिथ्य में विनीता चौरसिया, मोनिका तिवारी, सोनल दुबे, किरण राजपूत, रजनी रजौरिया, रंजना श्रीवास्तव, रुचि जायसवाल, प्रीति गोस्वामी, सविता महोबिया, गायत्री शर्मा, नीतू बादल, स्वपना गुप्ता, अमृता श्रीवास्तव, निक्की गुप्ता, श्रृंखला मिश्रा ,स्मिता श्रीवास, रूपलता ममार तथा रेनु नौरिया सहित बड़ी संख्या में महिलाओं की उपस्थिति सराहनीय रही। कार्यक्रम का संचालन अनुराग द्विवेदी ने किया गया।

होली मिलन कार्यक्रम का आयोजन संपन्न

कटनी (स्वतंत्रमत)।

राष्ट्र सेविका समिति की बहनों के द्वारा विगत दिवस फागोत्सव का आयोजन किया गया और होली मिलन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम द्वारका सिटी कटनी स्थित राधा कृष्ण मंदिर पर किया गया जिसमें भगवान के साथ फूलों की होली खेली गई और फाग गाये गए।

बरही में 14 मार्च को कृषि महोत्सव

50 हजार एकड़ भूमि की सिंचाई योजनाओं के लिए मुख्यमंत्री का होगा आभार

कटनी (स्वतंत्र मत)।

विजयराघवगढ़ विधानसभा क्षेत्र के किसानों के लिए एक बड़ी सौगात और उत्सव का अवसर आ रहा है। आगामी 14 मार्च 2026 शनिवार को बरही के मेला ग्राउंड, श्री विजयनाथ धाम में एक विशाल कृषि महोत्सव और आभार रैली का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित होंगे।

सिंचाई परियोजनाओं की मिली है बड़ी सौगात

हाल ही में भोपाल में हुई कैबिनेट बैठक के दौरान विजयराघवगढ़ विधानसभा क्षेत्र के लिए दो महत्वपूर्ण सिंचाई परियोजनाओं को स्वीकृति मिली है। इन परियोजनाओं के माध्यम से क्षेत्र की लगभग 50 हजार एकड़

कृषि भूमि सिंचित हो सकेगी। इसी उपलब्धि के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने और मुख्यमंत्री का स्वागत करने के लिए स्थानीय विधायक संजय सत्येंद्र पाठक (संजू भैया) के नेतृत्व में इस भव्य आभार रैली का आयोजन किया जा रहा है। दिनांक: 14 मार्च 2026 शनिवार, समय दोपहर 1:30 बजे से, स्थान श्री विजयनाथ धाम, मेला ग्राउंड, बरही, मुख्य आकर्षण: मुख्यमंत्री द्वारा क्षेत्र की जनता का संबोधन और सिंचाई परियोजनाओं पर विशेष चर्चा।

विधायक ने की क्षेत्रवासियों से अपील

विधायक संजय पाठक ने मंगलवार की दोपहर बरही में सम्पन्न हुई तैयारी बैठक के दौरान क्षेत्र के किसानों और आम जनता को भावुक संदेश देते हुए इस महोत्सव में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि हर खेत को पानी का सपना 2008 का है, जो अब हकीकत बन रहा है और यह उत्सव किसानों की समृद्धि का प्रतीक है। इस दौरान भाजपा जिला अध्यक्ष दीपक सोनी टंडन, महामंत्री मनीष देव मिश्रा, पूर्व महामंत्री सतीश तिवारी, मंडल अध्यक्ष बरही जगदीश गुप्ता, पूर्व जनपद अध्यक्ष लालजी मिश्रा, उदयराज सिंह, नगर परिषद बरही के अध्यक्ष पीयूष अग्रवाल, सुरेश सोनी कटनी सहित सिंगौड़ी, खितौली, कैमोर, विजयराघवगढ़ के मंडल अध्यक्ष, भाजपा के पदाधिकारीगण और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे। बैठक का संचालक महामंत्री मनीष देव मिश्रा ने किया। कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर क्षेत्र में खासा उत्साह देखा जा रहा है और बरही चलो के नारों के साथ व्यापक जनसंपर्क किया जा रहा है। सभा स्थल विजयनाथधाम स्थित मेला प्रांगण में डोम तैयार हो रहा है।

नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर

कटनी (स्वतंत्रमत)। वंदनीय सरस्वती ताई आप्टे स्मृति दिन, सेवा सप्ताह की गतिविधि के रूप में विगत दिवस संत नगर बस्ती कटनी में मातृशक्तियों का स्वास्थ्य प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया। जिसमें जिला शासकीय अस्पताल में प्रसूति रोग विशेषज्ञ के रूप में कार्यरत डॉ. हर्षिता गुप्ता दीदी एवं डॉ. सीमा शिवहरे दीदी ने सभी महिलाओं और बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया, सर्वाइकल कैंसर के बारे में बहुत महत्वपूर्ण जानकारी दी एवं महिलाओं एवं बच्चों को स्वच्छता के विषय में भी विशेष जानकारी दी। उल्लेखनीय है कि राष्ट्र सेविका समिति समिति के बहनों के द्वारा विभिन्न प्रकार के सेवा कार्यों के माध्यम से समय-समय पर मातृ शक्तियों के लिए ऐसे स्वास्थ्य परीक्षण शिविर और जागरूकता के कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं इसी श्रृंखला में कटनी में आयोजित स्वास्थ्य शिविर में निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण के साथ-साथ दवाइयां का वितरण भी किया गया। जिसमें 136 मातृ शक्तियों ने पंजीयन करवा करके लाभ प्राप्त किया।

महापौर की जनसुनवाई में आमजन को मिला अपनी बात रखने का अवसर

समस्याओं के त्वरित समाधान को लेकर अधिकारियों को दिए स्पष्ट निर्देश

कटनी (स्वतंत्र मत)।

नगर निगम कार्यालय स्थित मेयर इन काउंसिल कक्ष में मंगलवार को आयोजित महापौर जनसुनवाई में शहर के विभिन्न वार्डों से पहुंचे नागरिकों ने अपनी समस्याएँ सीधे महापौर प्रीति संजीव सूरी के समक्ष रखीं। सुबह 11 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक चली जनसुनवाई में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए और नाली निर्माण, पेयजल आपूर्ति, सफाई व्यवस्था, अतिक्रमण एपेंशन तथा राजस्व से जुड़े मामलों को लेकर आवेदन प्रस्तुत किए।

महापौर ने सभी शिकायतों को गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए तथा समस्याओं के त्वरित और समयबद्ध निराकरण पर जोर दिया। मंगलवार 10 मार्च को आयोजित जनसुनवाई में कुल 43 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से कई मामलों का समाधान मौके पर ही कर दिया गया, जबकि शेष प्रकरणों को संबंधित विभागों को सौंपते हुए शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। महापौर प्रीति संजीव सूरी ने जनसुनवाई के दौरान कहा कि नगर निगम का उद्देश्य केवल शिकायतें प्राप्त करना नहीं, बल्कि उनका प्रभावी और स्थायी समाधान सुनिश्चित करना है।

उन्होंने अधिकारियों से कहा कि नागरिकों की समस्याओं को प्राथमिकता के साथ लेते हुए उन पर संवेदनशीलता और जिम्मेदारी के साथ कार्य किया जाए। महापौर ने यह भी स्पष्ट किया कि प्रत्येक विभाग अपने-अपने स्तर पर नियमित रूप से समीक्षा करते हुए लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करे, ताकि नागरिकों को राहत मिल सके और प्रशासन के प्रति विश्वास और मजबूत हो। उन्होंने कहा कि जनसुनवाई के माध्यम से लोगों को अपनी बात रखने का सीधा मंच मिलता है, जिससे नगर निगम को भी शहर की वास्तविक आवश्यकताओं को समझने और योजनाबद्ध तरीके से कार्य करने में मदद मिलती है।

उन्होंने यह भी कहा कि नगर निगम प्रशासन शहरवासियों की समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है और प्रत्येक मंगलवार को आयोजित होने वाली जनसुनवाई के माध्यम से नागरिकों को अपनी बात रखने का अवसर मिलता रहेगा।

एनकेजे पुलिस की बड़ी कार्रवाई

गांजा तस्कर को दबोचा 55 हजार कीमती 3 किलो 811 ग्राम गांजा बरामद

कटनी (स्वतंत्रमत)। एनकेजे पुलिस ने बीती रात एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। पुलिस ने मुखबिरों की सूचना पर नदी के पास बजरंग कालोनी में दबिश देकर गांजा तस्कर को गिरफ्तार करते हुए उसके कब्जे से 3 किलो 811 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा बरामद किया है। जिसकी कीमत 55 हजार रूपए आंकी गई है। पुलिस ने आरोपी के विरूद्ध धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। एनकेजे थाना प्रभारी रूपेन्द्र राजपूत ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा द्वारा अवैध मादक पदार्थ गांजा की तस्करी रोकने और तस्करों पर कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। जिस पर सोमवार-मंगलवार की

दरम्यानी रात एनकेजे पुलिस द्वारा गश्त की जा रही थी। इसी दौरान एएसआई मनोज कुड़ापे को को मुखबिरों से गांजा तस्करी की सूचना मिली। जिस पर नदी के पास बजरंग कालोनी में दबिश दी गई। पुलिस ने मौके से दुर्गा चौक खिरहनी निवासी हरिओम राजपूत पिता स्व. रविंद्र सिह राजपूत को गिरफ्तार करते हुए उसके कब्जे से 3 किलो 811 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा बरामद किया। एनकेजे थाना प्रभारी रूपेन्द्र राजपूत ने बताया कि आरोपी युवक से गांजा की तस्करी के संबंध में पूछताछ की जा रही है। आरोपी युवक कहां से गांजा लेकर आया था और कहां देने जा रहा है, इस संबंध में आरोपी से जानकारी एकत्रित की जा रही है। पुलिस की इस कार्रवाई में एनकेजे थाना प्रभारी रूपेन्द्र राजपूत, एएसआई मनोज कुड़ापे, एएसआई केवल उईके, एएसआई सहपाल परतेती, प्रधान आरक्षक शैलेष दामोहिया, आरक्षक अर्पित पटेल सहित अन्य स्टाफ की सराहनीय भूमिका रही।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर विसाल सम्मान समारोह

कटनी (स्वतंत्रमत)।

अखिल भारतीय उपभोक्ता उत्थान संगठन कटनी द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर 8 मार्च को विसाल सम्मान समारोह का आयोजन पूर्व मंत्री म.प्र. शासन अल्का जैन के मुख्य आतिथ्य, संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष हरिशंकर शुक्ल की अध्यक्षता, महापौर नगर निगम कटनी प्रीती संजीव सूरी, महिला कांग्रेस अध्यक्ष एवं महासचिव रजनी वर्मा, स्मिता गुप्ता, बसंती ठाकुर, डॉ. सुनीता यशवंत वर्मा के विशिष्ट अतिथी मे कार्यक्रम झूलेलाल मंदिर प्रांगण हास्पिटल लाइन माधवनगर कटनी मे आयोजित हुआ, कार्यक्रम का सफल संचालन संगठन की प्रदेश सचिव डॉ. ऊषा पांडेय प्राचार्य सरावगी कालेज कटनी द्वारा किया गया। कार्यक्रम का उदघाटन दीप प्रज्वलित कर सरस्वती बंदना के साथ किया गया, जिलाध्यक्ष महिला विग प्रीती सेन की टीम द्वारा महिला सशक्तीकरण पर नाटक प्रस्तुत किए गए, वही पर 31 महिलाओ को स्मृत चिन्ह, शाल, श्रीफल और मीठा देकर सम्मानित किया गया, जिसमे अतिथियो के अलावा एड. मंजुला श्रीवास्तव, एड. रस्मी पाठक, रत्ना मिश्रा, कल्पना दुवे, डॉ. उषा पांडेय, प्रीती सेन, सुमन सैनी, सपना सेन, स्वेता अग्रवाल, अल्का वर्मा, अल्का गुप्ता, आशा सुहाने, नीती वर्मा, सोम्या दुवे सहित अन्य महिलाओ को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम मे जिलाध्यक्ष के.एल. पांडेय, ओंकार. पी. दुवे, अनन्त तिवारी, डॉ. एमए. खान, पीताम्बर भेरवानी, लक्ष्मण नंदवानी, साजन सचदेवा, श्रीचंद मनवानी, देवीदीन गुप्ता, गुरमुखदास बालानी, गुड्डू पाठक, एम. खान, श्याम पाहुजा, रितू मंडल, सीमा रैकवार, अंजली वर्मन, शसी शुक्ल, पायल जैतवानी, सुनीता थारवानी सहित सैकडो महिलाएं-पुरुष उपस्थित रहे। कार्यक्रम पश्चात मंदिर प्रबंधन की तरफ से सभी को कढी, चावल का प्रसाद ग्रहण कराया गया।

कटनी के बड़वारा में भीषण सड़क हादसा

कार-बाइक की सीधी भिड़ंत में बाइक सवार चार युवकों की मौत

कटनी (स्वतंत्रमत)।

कटनी जिले के बड़वारा थाना अंतर्गत मंगलवार को एक घटित एक भीषण सड़क हादसे में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना बड़वारा थाना क्षेत्र में रेलवे पुलिया के पास उस समय हुई जब कार और बाइक की आमने-सामने सीधी भिड़ंत हो गई। दुर्घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार बाइक पर एक साथ चार लोग सवार थे। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार चारों लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

मृतकों की पहचान रामकिशोर सिंह, रामदास सिंह, जितेंद्र सिंह और इंद्रभान सिंह के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि बाइक सवार कटनी की ओर जा रहे थे, जबकि कार उमरिया की दिशा से आ रही थी।

हादसे में कार चालक भी गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे तत्काल बड़वारा स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज जारी है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

कन्या महाविद्यालय में लेखन प्रतियोगिता का आयोजन

कटनी (स्वतंत्र मत)।

शासकीय कन्या महाविद्यालय में 10 मार्च को छात्राओं के मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण को बढ़ावा देने के लिए मार्च माह की गतिविधियों के अंतर्गत रचनात्मक पोस्टर निर्माण तथा मानसिक शांति पर लघु कहानी लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत प्राचार्य डॉस चित्रा प्रभात के प्रेरक उद्बोधन से हुई। उन्होंने छात्राओं को दैनिक जीवन में आने वाली चुनौतियों और मानसिक तनाव के प्रति जागरूक किया। डॉ. प्रभात ने बताया कि तनाव सामान्य है, लेकिन उसे सकारात्मक तरीके से संभालना सीखना जरूरी है। उन्होंने ध्यान, व्यायाम, समय प्रबंधन तथा अपनों से खुलकर बात करने जैसे सरल उपाय अपनाने की सलाह दी और छात्राओं को अपनी भावनाओं को समझने व स्वीकार करने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम संयोजक डॉ. रश्मि चतुर्वेदी ने परीक्षा काल में तनाव प्रबंधन पर विशेष जोर दिया। उन्होंने गहरी सांस लेने की तकनीक, माइंडफुलनेस अभ्यास, नियमित छोटे ब्रेक, संतुलित आहार और पर्याप्त नींद जैसे व्यावहारिक सुझाव दिए। डॉ. चतुर्वेदी ने कहा कि छोटी-छोटी आदतें बदलकर छात्राएं मानसिक रूप से मजबूत और शांत रह सकती हैं। यह आयोजन छात्राओं के बीच उत्साहपूर्ण रहा। उन्होंने उत्साह से भाग लिया और मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस अवसर पर वरिष्ठ प्राध्यापक, डॉ. विमला मिंज, के.जे. सिन्हा, डॉ. आर.के. गुप्ता, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. अमिताभ पाण्डेय, डॉ. वीणा सिंह, वंदना मिश्रा, डॉ. रोशनी पाण्डेय, डॉ. अर्पित द्विवेदी, मिथलेश्वरी, शिल्पी कुमारी सिंह, नागेंद्र यादव, पंकज सेन, डॉ. अशुतोष द्विवेदी, डॉ. अनिल द्विवेदी, डॉ. रीना मिश्रा, डॉ. अपर्णा मिश्रा, डॉ. रंजना वर्मा, डॉ. अशोक शर्मा, डॉ. संजयकांत भारद्वाज, भीम बर्मन, प्रेमलाल कॉवरे, डॉ. फूलचंद कोरी, प्रियंका सोनी, स्मृति दहायत, डॉ. सृष्टि श्रीवास्तव, आंजनेय तिवारी, विनीत सोनी, नम्रता निगम, डॉ. सोनिया कश्यप, आरती वर्मा, डॉ. श्रद्धा वर्मा, रिचा दुबे, श्वेता कोरी, देववती चक्रवर्ती, डॉ. मैत्रयी शुक्ला, डॉ. प्रतिमा सिंह, रत्नेश कुशवाहा, डॉ. वंदना चौहान, पूनम गर्ग, डॉ. मदन सिंह मरावी, मीनाक्षी वर्मा, पूजा सिंह राजपूत, इमरान मोहम्मद, सुषमा वर्मा सहित महाविद्यालय की समस्त छात्राएँ उपस्थित रहीं।

रंग पंचमी एवं राष्ट्रीय महिला दिवस का कार्यक्रम मनाया

कटनी (स्वतंत्र मत)।

सृष्टि जन कल्याण महिला मंडल समिति की प्रदेश अध्यक्ष रुक्मणी पाण्डेय के द्वारा रंग पंचमी एवं राष्ट्रीय महिला दिवस का कार्यक्रम हरसो उल्लास के साथ मनाया गया समस्त देश की महिलाओं को रंग पंचमी की ढेर सारी शुभकामनाएं एवं महिला दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं प्रदेश अध्यक्ष रुक्मणी पांडे, नीतू चौबे, मीना राजावत, उर्मिला पटेल, उषा त्रिपाठी, पूनम गुप्ता अन्य समस्त महिला।

कलेक्टर ने किया पांच दिवसीय भूकंप आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण का शुभारंभ

उमरिया (स्वतंत्र मत)

कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने स्वर्णिम होटल में आयोजित पांच दिवसीय भूकंप आपदा जोखिम प्रबंधन एवं ध्वस्त संरचना, खोज एवं बचाव अंतर्गत आयोजित जिला स्तरीय प्रशिक्षण को संबोधित करते हुए कहा कि आपदा प्रबंधन संस्थान भोपाल एवं जिला प्रशासन के तत्वाधान में आपदा प्रबंधन पर प्रशिक्षण आयोजित किया जा रहा है। उन्होने कहा कि आपदा विभिन्न प्रकार की होती हैं, जिसमें सूखा पड़ना, आगजनी होना,भूकंप आना आदि शामिल हैं।प्रशिक्षण के माध्यम से आपदा के समय, आपदा के बाद ,आपदा के दौरान क्या कार्यवाही की जानी है, के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी जाएगी। उन्होने कहा कि प्रशिक्षण के दौरान बताई जा रही बातों को अक्षरश: सुनते हुए आपदा के समय उसका पालन करें। प्रशिक्षण में डा अरूणेंद्र सिंह, डा मनीष मिश्रा व्दारा भूकंप

का परिचय,भूकंप आने के कारण,बचाव तकनीक, भारत एवं मध्यप्रदेश मे भूकंप कि स्थिति,ऋषभ शुक्ला एवं राहुल कुमार साहू व्दारा भूकंप रोधी संरचना,ध्वस्त संरचना, खोज एवं बचाव, डा आरएल व्दिवेदी,डा रूहेला व्दारा सीपीआर, फर्स्ट एड, खुले एवं बंद घाव, टर्मिकेटिंग स्प्लिट एवं बर्न ट्रीटमेंट, सूबेदार अमित विश्वकर्मा, सूबेदार शरद श्रीवास्तव व्दारा आपदा के दौरान भीड़ नियंत्रण तथा अशोक गुप्ता, राहुल कुमार साहू व्दारा आग,प्रकार,बचाव, अग्निशमन के उपयोग के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान संयुक्त कलेक्टर रीता डेहरिया, एसडीएम मानपुर हरनीत कौर कलसी,एसडीएम बांधवगढ अंबिकेश प्रताप सिंह,एसडीएम पाली मीनाक्षी इंगले,सीईओ करकेली ऋषभ शुक्ला सहित तहसीलदार, नायब तहसीलदार एवं पटवारी उपस्थित रहे।

वृद्धा को कुल्हाड़ी मारकर लहूलुहान करने वाला आरोपी 24 घंटे में गिरफ्तार

उमरिया (स्वतंत्र मत)। खेत में चारा काटने का विवाद इतना गहरा गया कि एक युवक ने अपने रिश्ते की दादी को रात में कुल्हाड़ी से लहूलुहान कर घर में रखे गहने एवं मोटरसाइकिल लूट कर फरार हो गया। एसडीओपी पीएल परस्ते ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि बीते 08 मार्च की मध्यरात्रि इंदवार थाना अंतर्गत ग्राम चांसुरा में आरोपी सचिन मिश्रा ने अपने दूर के रिश्ते की दादी रामलली मिश्रा जो घर में अकेले रहती थी के सुने घर में घुसकर कुल्हाड़ी से हमला कर घायल कर दिया और मरा हुआ जानकार उनके शरीर से गहने और घर में रखी मोटरसाइकिल लेकर फरार हो गया 09 मार्च की सुबह घटना का खुलासा हुआ जिसके बाद घायल वृद्ध महिला को चिकित्सा के लिए जबलपुर ले जाया गया है जहां वह जिंदगी और मौत से जूझ रही है।

चारा काटने पर हुआ विवाद और लूट की रची साजिश

पुलिस ने अज्ञात आरोपी के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच शुरू की और शुरुआती जांच में पाया गया कि परिवार का एक लड़का बीती रात से मोबाइल बंद कर लापता है जिसके बाद पुलिस ने घेराबंदी उसे गिरफ्तार किया और तब जाकर मामले की खुलासा हुआ है जांच में यह तथ्य सामने आया कि वृद्ध महिला एवं आरोपी की मां का एक दिन पूर्व खेत में चारा काटने को लेकर विवाद हुआ था और आरोपी वृद्ध महिला जो रिश्ते में दादी लगती थी इतना खफा हो गया कि उसने इस लोमहर्षक वारदात को अंजाम दे दिया पुलिस ने आरोपी को मंगलवार को न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है,पुलिस ने आरोपी के पास से लूट के गहने एवं मोटर साइकिल बरामत कर ली है।

विश्व चैम्पियन टीम को मिलेगा 131 करोड़ का ईनाम

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने किया ऐलान

मुंबई, (वार्ता)।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने टी20 विश्व कप ख़िताब का सफलतापूर्वक बचाव करने वाली भारतीय टीम के लिए 131 करोड़ रूपये के नकद ईनाम की घोषणा की है। बीसीसीआई ने एक बयान जारी करते हुए कहा, बीसीसीआई खिलाड़ियों, सपोर्ट स्टाफ़ और चयनकर्ताओं को इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए एक बार फिर बधाई देता है और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है। रविवार को हुए फ़ाइनल में भारत ने न्यूज़ीलैंड को 96 रन से हराया था। भारत ने पहले बल्लेबाज़ी करते हुए 5 विकेट पर 255 रन बनाए, जिसमें भारत के शीर्ष तीन बल्लेबाज़ों, अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन और ईशान किशन, ने अर्धशतक लगाए। इसके बाद जसप्रीत बुमराह ने चार ओवर में 15 रन देकर 4 विकेट लिए और न्यूज़ीलैंड की रनचेज को बड़ा झटका दिया। भारत ने रिकॉर्ड तीसरी बार टी20 विश्व कप जीता। वेस्टइंडीज़ (2012 और 2016) और इंग्लैंड (2010 और 2022) ने यह ख़िताब दो-दो बार जीता है। भारतीय पुरुष टीम लगातार दो टी20 विश्व कप जीतने वाली पहली टीम भी बन गई है। इससे पहले कोई भी डिफ़ेंडिंग

चैंपियन फ़ाइनल तक भी नहीं पहुंचा था। भारत इस टूर्नामेंट को अपने घरेलू मैदान पर जीतने वाली पहली टीम भी है।

क्रिकेट टी20 विश्व कप 2026 में भारत ने कई रिकॉर्ड बनाये

भारत ने आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 के फाइनल में न्यूजीलैंड को 96 रन से हराकर खिताब तो अपने नाम किया ही, साथ ही रिकॉर्ड बुक में दर्ज कई रिकॉर्ड तोड़कर उन्हें अपने नाम किये। भारत टी-20 के इतिहास में तीन बार यह टूर्नामेंट जीतने वाली पहली टीम बन गया और इस दौरान भारतीय टीम ने कई रिकॉर्ड भी बनाए। भारत ने इससे पहले 2007 और 2024 में टी20 विश्व कप जीता था। मौजूदा चैंपियन बनने के साथ ही भारत लगातार दो बार खिताब जीतने वाली और घरेलू मैदान पर टी20 विश्व कप जीतने वाली पहली टीम भी बन गयी। आईसीसी की वेबसाइट के अनुसार, भारत और श्रीलंका में आयोजित एक महीने लंबे इस टूर्नामेंट के दौरान कई शानदार व्यक्तिगत और टीम प्रदर्शन देखने को मिले, जिनसे प्रतियोगिता रोमांचक बनी और कई नए रिकॉर्ड भी बने। फाइनल में भारत का 255/5 का स्कोर टी20 विश्व कप फाइनल का अब तक का सबसे बड़ा स्कोर है। सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ 253/7 बनाने के बाद टीम लगातार दो मैचों में 250 से अधिक रन बनाने वाली पहली टीम भी बनी। टूर्नामेंट के शुरुआती चरण में भारत ने जिम्बाब्वे के खिलाफ 256/4 का स्कोर बनाया था, जो इस विश्वकप का सबसे बड़ा टीम स्कोर है। टूर्नामेंट में पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान ने 383 रन बनाकर एक संस्करण में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड बनाया। वहीं भारत के संजू सैमसन ने फाइनल में 89 रन बनाकर टी20 विश्व कप फाइनल की सबसे बड़ी व्यक्तिगत पारी खेली और पूरे टूर्नामेंट में 24 छक्के लगाए। भारत के अभिषेक शर्मा ने फाइनल में 18 गेंदों में अर्धशतक लगाकर टूर्नामेंट का सबसे तेज अर्धशतक बनाया। वहीं न्यूजीलैंड के फिन एलन ने 33 गेंदों में शतक लगाकर टी20 विश्व कप इतिहास का सबसे तेज शतक जड़ा। भारत और इंग्लैंड के बीच सेमीफाइनल में कुल 499 रन बने, जो टी20 विश्व कप इतिहास में सबसे ज्यादा रन वाला मैच रहा। भारत ने पूरे टूर्नामेंट में 106 छक्के लगाकर किसी एक टी20 अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में 100 से अधिक छक्के लगाने वाली पहली टीम बनने का रिकॉर्ड भी बनाया।

महिलाओं के 10 मीटर एयर पिस्टल फाइनल में मनु भाकर ने मारी बाजी

नयी दिल्ली (वार्ता)। ओलंपियन मनु भाकर ने डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में आज समाप्त हुए नेशनल सेलेक्शन ट्रायल्स टी3 (ग्रुप ए) के 10 मीटर एयर पिस्टल महिला वर्ग के फाइनल में पहला स्थान हासिल किया। ट्रायल-2 की विजेता सैन्यम दूसरे स्थान पर रहीं, जबकि ईशा सिंह ने आठ शूटरों के फाइनल में तीसरा स्थान प्राप्त किया। मनु भाकर फाइनल में आखिरी क्वालिफायर के रूप में पहुंची थीं, लेकिन दूसरे सीरीज के बाद उन्होंने बढ़त बना ली और अंत तक उसे बरकरार रखते हुए 246.1 के स्कोर के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। यह स्कोर वर्ल्ड कप फाइनल की रजत पदक विजेता सैन्यम(241.9) से 4.2 अंक अधिक था। एशियन चैंपियनशिप की स्वर्ण और विश्व चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता ईशा सिंह 220.6 के स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर रहीं।

पश्चिम एशिया के संकट के कारण आईसीसी की बैठक रद्द

दुबई, (वार्ता)। पश्चिम एशिया में जारी सैन्य संघर्ष के कारण इस महीने के अंत में दोहा में होने वाली आईसीसी बोर्ड और कमेटी की बैठकों को रद्द कर दिया गया है। ईएसपीएन क्रिकइंफो को मिली जानकारी के अनुसार फ़ाइनेंस कमेटी से जुड़ी कुछ विशेष बैठकें अगले कुछ सप्ताह में ऑनलाइन आयोजित की जाएंगी। अप्रैल में आमने-सामने बैठकों की संभावना अभी भी खुली है, लेकिन यह इस बात पर निर्भर करेगा कि क्या हवाई क्षेत्र इतना खुल गया है कि बोर्ड और कमेटी सदस्य सुरक्षित रूप से उड़ान भर सकें। ये बैठकें मूल रूप से 25 से 27 मार्च के बीच तय थीं और इनमें आईसीसी बोर्ड

डायरेक्टर्स, चीफ एग्जीक्यूटिव्स, कमेटी सदस्य और आईसीसी के सीनियर लीडरशिप के शामिल होने की योजना थी। चर्चा के लिए तीन मुख्य मुद्दे थे- ग्लोबल ब्रॉडकास्टिंग राइट्स, क्योंकि आईसीसी और जियोस्टार के बीच मौजूदा समझौता 2027 में खत्म होने वाला है, अगला एफटीपी और लॉस एंजेलिस 2028 ओलंपिक के लिए क्वालिफ़िकेशन। इनमें से दूसरे मुद्दे पर अनौपचारिक बातचीत पहले ही शुरू हो चुकी है, जहां कई सदस्य क्रिकेट के अगले चार साल के कैलेंडर की योजना बनाने के लिए आपस में पहले से चर्चा कर रहे हैं। यह पहली बार था, जब आईसीसी की बैठक दोहा, क़तर में होने वाली थी, जहां क्रिकेट में भागीदारी की वृद्धि दर 447 प्रतिशत बताई गई है। लेकिन देश के लिए सीमित उड़ानों के कारण इस समय इन बैठकों की मेबानी करना संभव नहीं माना गया। पश्चिम एशिया के इस संकट का असर शेड्यूलिंग पर भी पड़ा है। अफगानिस्तान और श्रीलंका के बीच 13 से 25 मार्च के बीच यूएई में होने वाली सीमित ओवर सीरीज को अनिश्चित समय के लिए स्थगित किए जाने की संभावना है।

लक्ष्य सेन ने ऑल इंग्लैंड में सफलता का श्रेय मेंटल डिसिप्लिन को दिया

नयी दिल्ली (वार्ता)।

स्टार शटलर लक्ष्य सेन ने कहा कि ऑल इंग्लैंड ओपन बैडमिंटन चैंपियनशिप में अपने शानदार प्रदर्शन के दौरान एक मुश्किल ड्रॉ से निकलने में उन्हें दिमाग साफ रखने और एक बार में एक मैच पर फोकस करने में मदद मिली। 24 साल के लक्ष्य ने मेंस सिंगल्स फाइनल में रनर-अप रहने के बाद सिल्वर मेडल जीता, जहां वह टाइटल मुकाबले में चीनी ताइपे के लिन चुन-यी से 21-15, 22-20 से हार गए। इस नतीजे के साथ, लक्ष्य दो बार ऑल इंग्लैंड फाइनल में पहुंचने वाले सिर्फ दूसरे भारतीय बन गए। लक्ष्य के मेंटर, पूर्व चैंपियन प्रकाश पादुकोण, 1980 और 1981 में फाइनल में पहुंचे थे, और उन्होंने फाइनल मुकाबले में अपनी पहली मौजूदगी में ही

टाइटल जीता था। टूर्नामेंट के बाद एक वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए, लक्ष्य ने बताया कि कैसे उन्होंने पूरे हफ्ते बाहरी उम्मीदों को अपने दिमाग से दूर रखा। लक्ष्य ने कहा, मैं एक बार में एक ही मैच पर फोकस कर रहा था। मैं ड्रॉ या अगला मैच किससे होगा, इस बारे में नहीं सोच रहा था। जब भी मैं कोर्ट पर उतरता था, मेरा फोकस सिर्फ अपने मैच पर होता था। सेन ने यह भी बताया कि 2022 एडिशन में अपने शानदार प्रदर्शन के बाद से उनका अप्रोच कैसे बदला है, जब वह पहली बार इस बड़े इवेंट के फाइनल में पहुंचे थे। पेरिस ओलंपिक सेमीफाइनलिस्ट ने कहा, जब मैंने 2022 में ऑल इंग्लैंड में फाइनल खेला था, तो मैं उस पल का आनंद ले रहा था और बिना किसी उम्मीद के खेल रहा था। लेकिन इस बार, जब मैं क्वार्टर फाइनल, सेमीफाइनल और फाइनल में पहुंचा, तो मैं ऐसे प्रेशर वाले मैचों को कैसे हैंडल करना है और खेलना है, इस मामले में बेहतर तैयार था। इस बार, मुझे विश्वास था कि मैं जीत सकता हूं, लेकिन 2022 में, यह थोड़ा अलग था, क्योंकि मैं बस यह देखने की कोशिश कर रहा था कि मैं कितना आगे जा सकता हूं।

कीज को हराकर इंडियन वेल्स के चौथे दौर में पहुंचीं कर्तल

इंडियन वेल्स (वार्ता)। ब्रिटेन की सोनेय कर्तलने इंडियन वेल्स के तीसरे राउंड में पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए ऑस्ट्रेलियाई ओपन की पूर्व चैंपियन मैडिसन कीज को मात देकर चौथे दौर में जगह बना ली है। विश्व रैंकिंग में 54वें नंबर की खिलाड़ी कर्तल ने बीएनपी परीबा ओपन में सोमवार को पहले सेट में पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए 15वीं रैंक वाली कीज पर 2-6, 6-2, 6-3 से जीत दर्ज की। ब्रिटेन की खिलाड़ी ने मैच के बाद बताया कि वह अब भी पीठ की चोट से जूझ रही हैं। इस चोट की वजह से उन्हें रविवार को एमा नवारो के खिलाफ दूसरे राउंड मैच में मेडिकल टाइम आउट लेना पड़ा था। उन्होंने बीबीसी स्पोर्ट के साथ साक्षात्कार में कहा, इस मैच के दौरान भी मेरी पीठ में दर्द था। ऐसे कोर्ट पर मुझे लगता है कि मैं कभी भी किसी को भी हरा सकती हूं।

चीनी ताइपे ने 3-1 से भारत को हराया फीफा विश्व कप की दौड़ से बाहर

सिडनी (ऑस्ट्रेलिया)।

(वार्ता)। भारतीय महिला फुटबॉल टीम का एएफसी महिला एशिया कप 2026 अभियान मंगलवार को यहां वेस्टर्न सिडनी स्टेडियम में चीनी ताइपे से 1-3 की हार के साथ समाप्त हो गया।

ग्रुप-सी के अपने तीसरे और अंतिम मुकाबले में भारत की ओर से एकमात्र गोल मनीषा कल्याण ने 39वें मिनट में किया। चीनी ताइपे के लिए सू यू-हसुआन (12वां मिनट) और चेन-यूचिन (77वां मिनट) ने गोल किए, जबकि भारतीय गोलकीपर पंथोई चानू के नाम पहले हाफ के इंजरी समय में दुर्भाग्यपूर्ण आत्मघाती गोल दर्ज हुआ। इस परिणाम के साथ भारत अपने ग्रुप में बिना अंक के अंतिम स्थान पर रहा। ग्रुप में शीर्ष स्थान

जापान ने हासिल किया। भारतीय टीम को अपने पहले मुकाबले में वियतनाम से 1-2 से हार का सामना करना पड़ा था, जबकि दूसरे मैच में जापान ने उसे 11-0 से पराजित किया था। टूर्नामेंट के नियमों के अनुसार प्रत्येक ग्रुप की शीर्ष दो टीमें और सर्वश्रेष्ठ दो तीसरे स्थान पर रहने वाली टीमें क्वार्टरफाइनल में पहुंचती हैं। वहीं सेमीफाइनल में पहुंचने वाली चारों टीमें फीफा महिला विश्व कप (ब्राजील) के लिए क्वालीफाई करेंगी। फीफा महिला रैंकिंग में 67वें स्थान पर काबिज भारत ने विश्व में 40वें स्थान की टीम चीनी ताइपे के खिलाफ मुकाबले की शुरुआत तेज रफ्तार के साथ की और फ्लैंक्स के जरिए आक्रमण करने की कोशिश की। इसके बावजूद मैच का पहला गोल चीनी ताइपे ने किया। भारतीय रक्षक संजू की चूक का फायदा उठाते हुए चेन जिन-वेन ने गेंद यू-हसुआन को पास की, जिन्होंने 12वें मिनट में गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। शुरुआती झटके के बाद भी भारतीय टीम ने आक्रामक रुख बनाए रखा। भारत बराबरी के बेहद करीब पहुंचा जब मनीषा कल्याण का दूर से लगाया गया जोरदार शॉट क्रॉसबार से टकरा गया। पहले हाफ के अंत में भारत को सफलता मिली। मनीषा की लंबी दूरी से ली गई फ्री-किक सभी खिलाड़ियों को चकमा देते हुए सीधे गोल में चली गई और स्कोर 1-1 हो गया। हाफ टाइम से ठीक पहले अतिरिक्त समय में प्यारी ज़ाक्सा के बॉक्स के भीतर हैंडबॉल के कारण रेफरी ने पेनल्टी दे दी।

रेनो ग्रुप ने की पांच साल में 36 नये मॉडल उतारने की घोषणा

नयी दिल्ली (वार्ता)। वाहन निर्माता रेनो ग्रुप ने अगले पांच साल में 36 नये मॉडल उतारने की घोषणा की है। कंपनी ने मंगलवार को एक नयी रणनीतिक योजना फ्यूचरेडी की घोषणा की जिसके तहत साल 2030 तक 36 नये मॉडल बाजार में पेश करने की योजाना है। इनमें 16 इलेक्ट्रिक वाहन और 14 अंतर्राष्ट्रीय बाजार के लिए बनाये गये वाहन होंगे। रेनो ग्रुप की प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि फ्यूचरेडी के साथ कंपनी मानक यूरोपीय कार निर्माता बनना चाहती है। यह चार स्तंभों - विकास, प्रौद्योगिकी, उत्कृष्टता और विश्वास - पर आधारित होगा। यूरोप के अलावा कंपनी भारत, दक्षिण अमेरिका और दक्षिण कोरिया पर भी फोकस कर रही है जो उसके प्रमुख बाजार हैं। कंपनी ने बताया कि उसका लक्ष्य 2030 तक 55 प्रतिशत वैश्विक बाजार में अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करना है। वह इलेक्ट्रिक वाहनों की लागत 40 प्रतिशत कम करेगी और उसका रेंज (एक बार पूरी तरह चार्ज करने पर तय की जा सकने वाली दूरी) 750 किमी तक बढ़ायेगी। रेंज एक्सटेंडर लगाने पर इसकी रेंज बढ़कर 15 किलोमीटर हो जायेगी।

चावल नरम, गेहूं मजबूत- दालों, तेलों में घट-बढ़

नयी दिल्ली (वार्ता)। घरेलू थोक जिंस बाजारों में मंगलवार को चावल के औसत भाव टूट गये। वहीं, गेहूं में तेजी रही। चीनी के भाव कमोबेश स्थिर रहे जबकि दालों और खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव का रुख रहा। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत नौ रुपये घटकर 3,847 रुपये प्रति क्विंटल रह गयी। गेहूं तीन रुपये महंगा हुआ और 2,813 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा। आटे के भाव में टिकाव रहा। दाल-दलहनों में तुअर दाल औसतन 32 रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हुई। मसूर दाल की कीमत 22 रुपये और चना दाल की 20 रुपये घट गयी। मूंग दाल में नौ रुपये की गिरावट रही। वहीं, उड़द दाल दो रुपये प्रति क्विंटल मजबूत हुई। विदेशों में मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का मई वायदा 139 रिंगिट फिसलकर 4,428 रिंगिट प्रति टन रह गया। मई का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.12 प्रतिशत की बढ़त में 66.18 सेंट प्रति पौंड बोला गया। स्थानीय बाजारों में सूरजमुखी तेल 73 रुपये और पाम ऑयल 63 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हुआ। मूंगफली तेल की कीमत 39 रुपये बढ़ी। सरसों तेल और सोया तेल आठ-आठ रुपये मजबूत हुए। वनस्पति 16 रुपये प्रति क्विंटल

फिसल गया। मीठे के बाजार में आज गुड़ का औसत भाव सात रुपये प्रति क्विंटल टूट गया। चीनी की कीमत कमोबेश अपरिवर्तित रही।दाल चना 7716.82 रुपये, मसूर काली 8065.78 रुपये, मूंग दाल 10122.56 रुपये, उड़द दाल 10726.13 रुपये, तुअर दाल 11169.49 रुपये प्रति क्विंटल रहे। अनाज (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2813.19 रुपये और चावल 3847.15 रुपये प्रति क्विंटल और आटा (गेहूं) 3283.83 रुपये प्रति क्विंटल रहा। चीनी एस 4294.18 रुपये और गुड़ 4969.77 रुपये प्रति क्विंटल बोले गये। सरसों तेल 17608.53 रुपये, मूंगफली तेल 18434.74 रुपये, सूरजमुखी तेल 16790.44 रुपये, सोया तेल 14159.67 रुपये, पाम ऑयल 12866.03 रुपये और वनस्पति 14507.20 रुपये प्रति क्विंटल के स्तर पर रहा।

रुपया, 36 पैसे मजबूत

मुंबई (वार्ता)। अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया मंगलवार को 36 पैसे मजबूत हुआ और ऐतिहासिक निचले स्तर से उबरकर कारोबार की समाप्ति पर 91.85 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ। पिछले कारोबारी दिवस पर भारतीय मुद्रा 39 पैसे टूटकर 92.21 रुपये प्रति डॉलर पर रही थी जो इसका अब तक का सबसे निचला स्तर है। रुपये में आज शुरू से ही तेजी रही। यह 28.50 पैसे की मजबूती के साथ 91.9250 रुपये प्रति डॉलर पर खुला। बीच कारोबार में इसमें काफी उतार-चढ़ाव देखा गया। यह ऊपर 91.7150 रुपये और नीचे 92.1925 रुपये प्रति डॉलर तक गया। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और दुनिया की अन्य प्रमुख मुद्राओं के बास्केट में डॉलर सूचकांक में नरमी से रुपये को समर्थन मिला। दूसरी तरफ, घरेलू पूंजी बाजार में विदेशी संस्थागत निवेशकों की बिकवाली ने भारतीय मुद्रा पर दबाव बनाया।

ऑडी ने शुरू की नये एसयूवी एसक्यू 8 की बुकिंग

मुंबई (वार्ता)। जर्मन लग्जरी कार निर्माता ऑडी ने मंगलवार को भारत में अपने नये एसयूवी ऑडी एसक्यू8 के लिए बुकिंग शुरू करने की घोषणा की। कंपनी ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि ग्राहक 5,000 रुपये की

शुरुआती राशि देकर ऑडी इंडिया की वेबसाइट पर या मायऑडी कनेक्ट ऐप से बुकिंग कर सकते हैं। इसमें चार लीटर का वी8 टीएफएसआई इंजन है, जो 373 किलोवाट का पावर और 770 न्यूटन मीटर (एनएम) का टॉर्क पैदा करता है। एसक्यू8 मात्र 4.1 सेकंड में शून्य से 100 किमी प्रति घंटा की रफ्तार पकड़ सकती है। इसकी अधिकतम गति 250 किमी प्रति घंटा है। यह क्वॉट्रो परमानेंट ऑल-व्हील ड्राइव, सेल्फ-लॉकिंग सेंटर डिफरेंशियल, एडैप्टिव एयर सस्पेंशन स्पोर्ट और ऑल-व्हील स्टीयरिंग जैसे फीचर्स से लैस है। ऑडी इंडिया के ब्रांड निदेशक बलवीर सिंह ढिल्लों ने कहा, ऑडी एसक्यू8 रोजमर्रा की लग्जरी और बेमिसाल स्पोर्टी परफॉर्मेंस का बेहतरीन संगम है। इसका दमदार इंजन और विशिष्ट एस कैरेक्टर इसे एक संपूर्ण एसयूवी बनाते हैं। देश में हमारे ऑडी क्यू8 परिवार को जिस तरह का उत्साह मिला है, उससे हमें पूरा विश्वास है कि नया एसयूवी उन ग्राहकों को बहुत पसंद आएगा जो पारंपरिक लग्जरी एसयूवी से कुछ हटकर चाहते हैं। उन्होंने सीमित उपलब्धता का हवाला देते हुए ग्राहकों को जल्द बुकिंग करने की सलाह दी है।

भारतीय एयरलाइंस ने इंटरनेशनल फ्लाइट्स का किराया 15% बढ़ाया

नई दिल्ली।

मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव का असर अब सीधे आम आदमी की जेब पर भी पड़ते दिखाई दे रहा है। भारतीय एयरलांइस ने इंटरनेशनल फ्लाइट्स के किराए में करीब 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है। ब्लूमबर्ग ने अपनी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच बढ़ती जंग और होर्मुज रूट प्रभावित होने के कारण कच्चे तेल की कीमतों और जेट फ्यूल के दाम में लगातार बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। जिसका असर ग्लोबल एविएशन इंडस्ट्री पर भी दिखने लगा है। भारत समेत एशिया और दुनियाभर की प्रमुख एयरलाइंस ने भी टिकटों के दाम बढ़ा दिए हैं और कई कंपनियां अपने विमानों को ग्राउंडेड करने का प्लान भी बना रही हैं। जानकारों का कहना है कि यह 1970 के दशक के बाद का सबसे बड़ा तेल संकट हो सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, जेट फ्यूल की कीमतों में हो रहे इजाफे को देखते हुए भारत की एविएशन कंपनियां आने वाले दिनों में किराया और भी बढ़ा सकती हैं। एयरलाइंस का कहना है कि ऑपरेशनल कॉस्ट बढ़ने के कारण उनके पास किराया बढ़ाने के अलावा कोई ऑप्शन नहीं बचा है। 28 फरवरी को शुरू हुई ईरान-इजराइल जंग और होर्मुज रूट प्रभावित होने के बाद से तेल की सप्लाई चेन बुरी तरह प्रभावित हुई है। इस वजह से क्रूड ऑयल की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमत आज 93 डॉलर प्रति बैरल पर आ गई है। वहीं एक दिन पहले ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमत करीब 120 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गई थी। वहीं कई मार्केट में जेट फ्यूल की कीमतें संघर्ष शुरू होने के बाद से दोगुनी हो चुकी हैं। जंग से पहले जेट फ्यूल की कीमतें लगभग 85 से 90 डॉलर प्रति बैरल थीं, जो अब बढ़कर 150 से 200 डॉलर प्रति बैरल के बीच पहुंच गई है। वहीं मिडिल ईस्ट के तनाव के कारण दुनियाभर में अब तक 40,000 से ज्यादा उड़ानें कैंसिल भी हुई हैं। जेट फ्यूल की कीमतें बढ़ने के चलते दुनिया भर की एयरलाइंस ने न केवल टिकट के दाम बढ़ा दिए हैं, बल्कि अपने भविष्य के वित्तीय अनुमानों यानी फाइनेंशियल आउटलुक को भी वापस ले लिया है। एयरलाइंस के लिए जेट-फ्यूल सबसे बड़ा खर्च होता है। कुल ऑपरेटिंग खर्च में इसकी हिस्सेदारी 30 प्रतिशत से 40 प्रतिशत होती है। तेल की कीमतों में आए इस अचानक बदलाव ने एयरलाइंस के बजट को बिगाड़ दिया है।

कच्चा तेल 100 डॉलर प्रति बैरल से नीचे

नयी दिल्ली (वार्ता)।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ईरान के साथ युद्ध जल्द समाप्त होने के बयान के बाद अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल में करीब पांच प्रतिशत की गिरावट रही और यह 100 डॉलर प्रति बैरल के नीचे आ गया।

कच्चे तेल का मानक लंदन का ब्रेंट क्रूड वायदा 4.1 प्रतिशत टूटकर 94.20 डॉलर प्रति बैरल पर रहा। अमेरिकी वेस्ट टेक्सस क्रूड 4.89 प्रतिशत उतरकर 90.3 डॉलर प्रति बैरल बोला गया। इससे पहले सोमवार को कच्चे तेल में जबरदस्त तेजी देखी गयी थी और एक समय यह 119 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया था। अमेरिका और इजरायल द्वारा 28 फरवरी को एक संयुक्त सैन्य अभियान में ईरान पर किये गये हमले के बाद अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी देखी जा रही है।

शेयर बाजारों की गिरावट थमी

मुंबई (वार्ता)। विदेशों से मिले सकारात्मक संकेतों के बीच घरेलू शेयर बाजारों में मंगलवार को तेजी लौट आयी। बीएसई का संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 639.82 अंक (0.82 फीसदी) चढ़कर 78,205.98 अंक पर पहुंच गया। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक भी 233.55 अंक यानी 0.97 प्रतिशत ऊपर 24,261.60 अंक पर बंद हुआ। गत 26 फरवरी के बाद छह कारोबारी दिवस में दोनों प्रमुख सूचकांक 5.7 प्रतिशत टूट गये थे। इस दौरान सिर्फ एक दिन बाजार में तेजी रही थी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ईरान युद्ध जल्द समाप्त होने संबंधी बयान के बाद वैश्विक स्तर पर सभी शेयर बाजारों में तेजी देखी गयी। घरेलू शेयर बाजारों पर भी इसका असर दिखा।

मझौली और छोटी कंपनियों में ज्यादा लिवाली रही। निफ्टी

मिडकैप-50 सूचकांक 1.60 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 2.12 प्रतिशत की बढ़त में रहा। आईटी और तेल एवं गैस को छोड़कर अन्य सभी सेक्टरों में तेजी रही। ऑटो, वित्त, टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद, बैंकिंग, रियलिटी, फार्मा, धातु, मीडिया और रसायन समूहों में लिवाली ज्यादा रही।

एनएसई में कुल 3,304 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ जिनमें 2,544 के शेयर हरे और 673 के लाल निशान में रहे। अन्य 87 कंपनियों के शेयर दिन भर के उतार-चढ़ाव के बाद अंततः अपरिवर्तित रहे। सेंसेक्स की कंपनियों में इंडिगो का शेयर 3.46 प्रतिशत की बढ़त में बंद हुआ। महिंद्रा एंड महिंद्रा में 3.30 प्रतिशत, आईसीआईसीआई बैंक में 2.73, मारुति सुजुकी में 2.71, एशियन पेंट्स में 2.70, अल्ट्राटेक सीमेंट में 2.42, टाटा स्टील में 2.09 और एक्सिस बैंक में 2.07 प्रतिशत की तेजी रही।

बजाज फिनसर्व का शेयर 1.48 प्रतिशत, टाइटन का 1.47, कोटक महिंद्रा बैंक का 1.41, बीईएल का 1.29, भारतीय स्टेट बैंक का 1.24, एचडीएफसी बैंक का 1.18 और पावरग्रिड का 1.08 प्रतिशत चढ़ गया। आईटीसी, एलएंडटी, ट्रेंट और सनफार्मा के शेयर भी ऊपर बंद हुए। इटरनल में सबसे अधिक 1.50 प्रतिशत की गिरावट रही। इंफोसिस का शेयर 1.43 प्रतिशत और रिलायंस इंडस्ट्रीज का 1.08 प्रतिशत टूट गया। भारती एयरटेल और टीसीएस के शेयर भी लाल निशान में रहे। वैश्विक स्तर पर एशिया में जापान का निक्केई 2.88 फीसदी, हांगकांग का हैंग सेंग 2.17 फीसदी और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.65 फीसदी की मजबूती में बंद हुए। यूरोपीय बाजारों में जर्मनी का डैक्स फिलहाल 2.32 प्रतिशत और ब्रिटेन का एफटीएसई 1.56 प्रतिशत ऊपर है।

फुले के सपनों को साकार कर रहे डॉ. यादव : भूरिया

सावित्रीबाई का सपना नारी बने शिक्षित, सुरक्षित और आत्मनिर्भर

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

महिला एवं बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया ने कहा है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार महान समाजसेविका और देश की पहली महिला शिक्षिका सावित्रीबाई फुले के महिलाओं की शिक्षा, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता के सपने को पूरा करने का कार्य कर रही है। नारी सशक्तिकरण के लिये प्रदेश में अनेक योजनाएं संचालित की जा रही है। भारत के सामाजिक इतिहास में सावित्रीबाई फुले नाम महिला शिक्षा और सशक्तिकरण की पहली अग्रदूत के रूप में आदर के साथ लिया जाता है। वे देश की पहली महिला शिक्षिका थीं, जिन्होंने ऐसे समय में बालिकाओं की शिक्षा के लिए अलख जगाई, जब समाज में महिलाओं को पढ़ाने की कल्पना भी नहीं की जाती थी। सावित्रीबाई फुले ने कठिन परिस्थितियों का सामना करते हुए बेटियों को शिक्षा से जोड़ने का ऐतिहासिक कार्य किया और महिलाओं के सम्मान, अधिकार और समानता की नींव रखी।

महिला सशक्ति करण की अग्रदूत थीं सावित्री बाई

भारत के सामाजिक इतिहास में चुनिंदा ऐसे महान व्यक्तित्व हुए हैं जिन्होंने अपने साहस, दूरदर्शिता और समाज के प्रति समर्पण से देश को नई दिशा दी। ऐसी ही महिला सशक्तिकरण की अग्रदूत थीं सावित्री बाई फुले। उनकी पुण्यतिथि हमें पुण्य स्मरण कराती है कि महिलाओं को शिक्षा के साथ समानता के अधिकार और सम्मान के बिना समाज की वास्तविक प्रगति संभव नहीं है। सावित्रीबाई फुले ने ऐसे समय में महिलाओं और बालिकाओं की शिक्षा के लिए संघर्ष किया, जब समाज में महिलाओं को शिक्षा से वंचित रखा जाता था। उन्होंने न केवल देश का पहला बालिका विद्यालय शुरू किया, बल्कि समाज में व्याप्त कुरीतियों और भेदभाव के खिलाफ भी आवाज़ बुलंद की। उनके प्रयासों ने महिलाओं को आत्मसम्मान, आत्मविश्वास और स्वावलंबन की राह दिखाई। आज उनका जीवन हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

डॉ. यादव के नेतृत्व में अनेक योजनाएँ संचालित

मध्यप्रदेश सरकार भी सावित्रीबाई फुले के आदर्शों से प्रेरणा लेते हुए महिलाओं और बालिकाओं के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में अनेक योजनाएँ संचालित की जा रही हैं, जिनका उद्देश्य महिलाओं को सुरक्षित, शिक्षित, स्वस्थ और आत्मनिर्भर बनाना है। प्रदेश में लाड़ली लक्ष्मी योजना के माध्यम से बालिकाओं के भविष्य को सुरक्षित बनाने का प्रयास किया जा रहा है। यह योजना बेटियों की शिक्षा और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए आर्थिक सुरक्षा प्रदान करती है। इसी प्रकार लाड़ली बहना योजना महिलाओं को आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में मजबूत आधार दे रही है, जिससे वे परिवार और समाज में अधिक आत्मनिर्भर बन रही हैं।

आंगनवाड़ी सेवाओं को सुदृढ़ किया जा रहा है

महिलाओं और बच्चों के पोषण को ध्यान में रखते हुए पोषण अभियान तथा आंगनवाड़ी सेवाओं को सुदृढ़ किया जा रहा है। प्रदेश के आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से बच्चों के समुचित पोषण, प्रारंभिक शिक्षा और गर्भवती और धात्री माताओं के स्वास्थ्य तथा बालिकाओं के समग्र विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। राज्य सरकार महिलाओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए विभिन्न हेल्पलाइन सेवाओं, जागरूकता अभियानों और त्वरित शिकायत निवारण तंत्र को सुदृढ़ कर रही है। स्व-सहायता समूहों और कौशल विकास कार्यक्रमों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं को रोजगार और स्व-रोजगार तथा उद्यमिता के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिससे महिलाओं का आर्थिक सशक्तिकरण सुनिश्चित किया जा सके।

महिलाओं को सशक्त बनाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता

महान शिक्षाविद् सावित्रीबाई फुले की पुण्यतिथि के अवसर पर हम उन्हें केवल स्मरण ही न करें, बल्कि उनके स्थापित आदर्शों को अपनाकर अन्य लोगों को भी प्रेरित करें। प्रत्येक बेटी को जब शिक्षा, सम्मान और अवसर मिलेगा, तभी एक समतामूलक और सशक्त समाज का निर्माण संभव होगा। राज्य सरकार का उद्देश्य केवल योजनाओं का क्रियान्वयन नहीं, बल्कि ऐसा वातावरण तैयार करना भी है, जहां महिलाएँ आत्मविश्वास के साथ अपने सपनों को साकार कर सकें। शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और आर्थिक अवसरों के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ममलेश्वर में जलाभिषेक एवं पूजन किया

नर्मदा जल लेकर पहुँचे मंदिर

भोपाल (स्वतंत्र मत)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दादा गुरु जी की चौथी नर्मदा सेवा परिक्रमा के समापन अवसर पर मंगलवार को खंडवा जिले के ओंकारेश्वर स्थित ममलेश्वर मंदिर में विधिवत पूजा अर्चना कर मां नर्मदा के जल से अभिषेक किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भगवान ममलेश्वर से प्रदेशवासियों के लिए सुख-समृद्धि की कामना की।मुख्यमंत्री डॉ. यादव और पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल, दादा गुरुजी के साथ ओंकारेश्वर के गजानन आश्रम से नर्मदा जल का कलश लेकर पदयात्रा करते हुए ममलेश्वर मंदिर पहुंचे। इस अवसर पर मांधाता क्षेत्र के विधायक नारायण पटेल सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी और श्रद्धालु मौजूद रहे।

रामकुमार विद्यालय में होली मिलन कार्यक्रम संपन्न

दमोह (स्वतंत्र मत)। श्री हनुमानगढी शिक्षण समिति दमोह द्वारा संचालित रामकुमार विद्यालय में होली मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें समिति अध्यक्ष विष्णु प्रसाद गुप्ता, उपाध्यक्ष भगवती प्रसाद श्रीवास्तव, कोषाध्यक्ष अशोक तिवारी, सचिव हरिशंकर त्रिपाठी, पूर्व अध्यक्ष डॉ रघुनंदन चिले, जितेन्द्र कुमार गुरू, नारायण सिंह ठाकुर, द्वारका प्रसाद सोनी, डॉ. गोपाल प्रसाद अयाची, नन्हेलाल केशरवानी, राजेश दुबे, गोपाल विश्वकर्मा एवं देव हनुमानगढ़ी मंदिर के पुजारी गोविन्द दुबे नारायण चक्रवर्ती, जागेश्वर प्रसाद बुधौलिया, आरआर ठाकुर एवं समस्त शाला स्टाफ उपस्थित रहा। संचालन प्राचार्य दिनेश असाटी द्वारा किया गया।

भारत की समृद्ध ज्ञान परम्परा पर गर्व के साथ आगे बढ़ने की आवश्यकता : परमार

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस कार्यक्रम 2026 का किया शुभारंभ

भोपाल (स्वतंत्र मत)। उच्च शिक्षा, तकनीकी एवं आयुष मंत्री इन्दर सिंह परमार ने कहा कि भारत देश कभी गरीब नहीं था, बल्कि एक समृद्ध देश था। भारत को सोने की चिड़िया के नाम से जाना जाता था। भारत का ज्ञान सर्वश्रेष्ठ था और यहां का किसान आत्मविश्वासी और सामर्थ्यवान था। भारत का समाज, शिक्षित समाज था। भारत की संस्कृति और परंपराएं मजबूत थी। वैज्ञानिक भारतीय समाज की विशेषता थी। भारत की इसी समृद्धि के कारण ही विदेशी लुटेरे, मुगल और अंग्रेज भारत आए तथा समृद्ध भारत को हर स्तर पर लूटने का प्रयास किया। संस्कृति, परंपराओं,वेदों , शिक्षा केंद्रों, खेल परिसरों आदि को नष्ट करने के कार्य के साथ भारतीय समाज के अशिक्षित होने, रूढ़िवादी होने, अंधविश्वासी होने का दुष्प्रचार भी किया। अब समय आ गया है जब हम भारत के महानतम ज्ञान एवं भारतीय समाज के बारे में भ्रांतियां को दूर करने के सशक्त उपाय करते हुए देश की स्वतंत्रता की 100वी वर्षगांठ वर्ष-2047 तक भारत को, विकसित भारत के महानतम लक्ष्य के साथ भारतीय ज्ञान परंपरा के वैशिष्ट्य को पूरी क्षमता से मनाए।

विशेषज्ञ चिकित्सकों की भर्ती प्रक्रिया को आकर्षक बनाया जाए : शुक्ल

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने मंत्रालय में लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग की विस्तृत समीक्षा की

भोपाल (स्वतंत्र मत)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने मंत्रालय में लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के विभिन्न विषयों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने, चिकित्सा शिक्षा के विस्तार तथा आवश्यक मानव संसाधन की उपलब्धता सुनिश्चित करने से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की गई। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने निर्देश दिए कि मेडिकल कॉलेजों एवं स्वास्थ्य संस्थाओं के उन्नयन से संबंधित प्रस्तावों को सभी आवश्यक औपचारिकताओं की पूर्ति करते हुए शीघ्र तैयार कर पीएससी की स्वीकृति के लिए अग्रेषित किया जाए। बैठक में निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेजों की प्रगति की भी समीक्षा की गई। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने बुधनी, छतरपुर और दमोह में निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेजों के कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन संस्थानों में शैक्षणिक स्टाफ की भर्ती प्रक्रिया भी शीघ्र पूरी की जाए, जिससे राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) से आवश्यक अनुमोदन प्राप्त कर आगामी शैक्षणिक सत्र से इन मेडिकल कॉलेजों का संचालन प्रारंभ किया जा सके। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने प्रदेश में विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता बढ़ाने पर विशेष बल देते हुए संबंधित प्रक्रियात्मक विषयों पर चर्चा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि विशेषज्ञ चिकित्सकों की भर्ती प्रक्रिया और प्रावधानों को अधिक आकर्षक बनाया जाए, जिससे योग्य एवं अनुभवी विशेषज्ञों की नियुक्ति सुनिश्चित की जा सके और नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध हो सकें। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने एएनएम भर्ती परीक्षा के रिक्त पदों की शीघ्र काउंसलिंग पूर्ण कर पदस्थापना करने के निर्देश दिए।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि प्रदेश सरकार स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और गुणवत्ता में सुधार के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने अधिकारियों से अपेक्षा की कि सभी योजनाओं और निर्माण कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करते हुए आमजन को बेहतर और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराने की दिशा में प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। अपर मुख्य सचिव लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा अशोक बर्नवाल, आयुक्त धनराजु एस उपस्थित रहे।

होम-स्टे से बदली गांव की तस्वीर

सास-बहू से देवरानी-जेठानी तक के रिश्तों की साझेदारी से खिल रहा ग्रामीण पर्यटन

भोपाल (स्वतंत्र मत)। सास-बहू, मां-बेटी या देवरानी-जेठानी के रिश्तों को अक्सर तकरार और मतभेद के उदाहरणों के रूप में प्रस्तुत किया जाता है, लेकिन मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा जिले के पर्यटन ग्राम इन धारणाओं को बदलते हुए एक नई मिसाल कायम कर रहे हैं। जिले के गॉवों की महिलाएं आपसी सहयोग और विश्वास के साथ होम-स्टे चला रही हैं और रिश्तों की मजबूती को तरक्की की नई राह में बदल रही हैं।

पर्यटन ग्राम धूसावानी की मनेशी धुर्वे और अलका धुर्वे रिश्ते में सास-बहू हैं, लेकिन जब उनके होम-स्टे में पर्यटक आते हैं तो दोनों मिलकर पूरे उत्साह से मेहमाननवाजी में जुट जाती हैं। इसी तरह सावरवानी में श्रीमती मालती यदुवंशी अपनी सास श्रीमती शारदा यदुवंशी के साथ मिलकर होम-स्टे का संचालन कर रही हैं। यह केवल एक परिवार की कहानी नहीं, बल्कि पूरे जिले में उभरती एक नई सामाजिक और आर्थिक तस्वीर है, जहां रिश्तों की साझेदारी महिलाओं को आत्मनिर्भर बना रही है।

रिश्तों की साझेदारी से मिली पहचान-छिंदवाड़ा के पर्यटन ग्रामों में चल रहे होम-स्टे केवल आय का साधन नहीं हैं, बल्कि ये महिलाओं की सांस्कृतिक पहचान और आत्मविश्वास का भी प्रतीक बन चुके हैं। यहां सास-बहू, मां-बेटी और देवरानी-जेठानी मिलकर पर्यटकों का स्वागत करती हैं, भोजन तैयार करती हैं और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करती हैं। इन रिश्तों की सामूहिक ताकत ने यह साबित किया है कि जब परिवार की महिलाएं साथ मिलकर काम करती हैं, तो घर ही नहीं बल्कि पूरा गांव विकास की राह पर आगे बढ़ सकता है।

जिले में 50 से अधिक होम-स्टे

मध्यप्रदेश में सर्वाधिक होम-स्टे संचालित करने वाले जिलों में शामिल छिंदवाड़ा में इस समय 50 से अधिक होम-स्टे संचालित हैं। खास बात यह है कि इन सभी होम-स्टे का पंजीयन महिलाओं के नाम पर किया गया है और संचालन की अधिकांश जिम्मेदारी भी महिलाएं ही संभाल रही हैं। सावरवानी, चोपना, काजरा, देवगढ़, चिमटीपुर, गुमतरा और धूसावानी जैसे पर्यटन ग्रामों में स्थानीय महिलाएं पारंपरिक जिम्मेदारियों के साथ-साथ पर्यटन गतिविधियों में भी सक्रिय भूमिका निभा रही हैं।

स्थानीय स्वाद और संस्कृति से जुड़ते पर्यटक

गांव की महिलाएं पर्यटकों के लिए पारंपरिक और स्वादिष्ट स्थानीय व्यंजन तैयार करती हैं। इसके साथ ही वे लोकनृत्य और लोक गायन से क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से भी पर्यटकों को परिचित कराती हैं। इससे पर्यटकों को ग्रामीण जीवन और संस्कृति को करीब से देखने का अवसर मिलता है, वहीं महिलाओं को आय का सम्मानजनक साधन भी प्राप्त हो रहा है।

महिलाओं के हाथों में होम-स्टे की कमान-गांव की महिलाएं स्वयं होम-स्टे का संचालन कर रही हैं। पर्यटकों के स्वागत से लेकर भोजन व्यवस्था, आवास और सांस्कृतिक गतिविधियों के प्रबंधन तक की पूरी जिम्मेदारी वे ही निभाती हैं।

संकल्प संस्था दमोह द्वारा प्रतिभाशाली महिलाओं को किया सम्मानित

दमोह (स्वतंत्र मत)। भारत सरकार द्वारा देश भर में बाल विवाह रोकने के लिए संचालित 100 दिवसीय अभियान के समापन के मौके पर संकल्प समाजसेवी संस्था दमोह द्वारा एक्सेस टू जस्टिस परियोजना के तहत अंतर्राष्ट्रीय महिला अधिकार दिवस वेलोसिटी कोचिंग सेंटर मे मनाया गया। इस मौके पर जिले मे सामाज सेवा के विभिन्न क्षेत्र में सतत सक्रिय रूप से काम करने वाली चयनित महिलाओं का सम्मान किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सुजात खान के गीत अब गांव-गांव और शहर शहर मे जाग रही है नारी गीत गायन के साथ की गई। इस मौके पर संकल्प संस्था के जिला समन्वयक देवेंद्र दुबे के द्वारा दमोह जिला एवं आकांक्षी ब्लॉक तेंदूखेड़ा में बाल विवाह, बाल श्रम, बाल योन शोषण, बाल तस्करी जैसे अपराधों को रोकने एवं उनके प्रति व्यापक जन जागरुकता लाने एवं सरकार के अभियान को सफल बनाने के लिए संस्था द्वारा जिला के विभिन्न विभागों के सहयोग से संचालित किए गए प्रयासों का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। इस मौके पर श्री दुबे ने बताया कि भारत सरकार के पिछले 27 नवंबर 2025 से संचालित 100 दिवसीय अभियान के अंतर्गत बाल विवाह मुक्ति रथ यात्रा, पंचायत स्तरीय बाल संरक्षण समितियां का सशक्तिकरण, स्वयं सेवकों का उन्मुखीकरण, धार्मिक स्थलों, शैक्षणिक संस्थाओं, पंचायतों के बीच छात्रों, जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों के बीच बाल विवाह रोकने सामूहिक शपथ कार्यक्रमों के अलावा झंडा-बैनर आदि लगाकर मीडिया का उपयोग करते हुए बाल अधिकारों को लेकर व्यापक जन जागरूकता कार्यक्रम जिले में चलाए गये। कार्यक्रम में सभी वक्ताओं व्दारा बाल अधिकारों एवं उनके संरक्षण विषय के अलावा महिलाओं के अधिकारों पर विस्तार से प्रकाश डाला गया।

पुस्तक, स्टेशनरी एवं गणवेश मेला 26 से 31 मार्च तक

दमोह (स्वतंत्र मत)। जिला प्रशासन एवं स्कूल शिक्षा विभाग जिला दमोह के संयुक्त तत्वाधान में 26 से 31 मार्च तक घण्टाघर स्थित शासकीय एमएलबी कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय दमोह के प्रागंण में 6 दिवसीय पुस्तक, स्टेशनरी एवं गणवेश मेले का आयोजन किया जा रहा है।

CHANGE OF NAME

I, Heymah Wadhwani, D/o Vijay Kundnani, residing at H.No. 437, Sanjay Gandhi Ward, Jhaman Das Chouk, Dist. Jabalpur (M.P.), aged 37 years, have changed my name from Hema Kundnani / Hema Wadhwani to Heymah Wadhwani for all future purposes vide affidavit dated 28 Feb 2026 sworn before Notary Public, Jabalpur.

OLD NAME
Hema Kundnani

NEW NAME
Heymah Wadhwani

कार्यालय नगर पालिक निगम, जबलपुर (म.प्र.)

N.I.T. NO/PWD/e-tendering/PRO 961 **प्रथम निविदा सूचना** Dated 10/3/2026

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदाये आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं ईएमडी	निविदा की अंतिम तिथि
1	Date 13/3/2026 Tender ID 2026_UAD_485303_1	डॉ. जाकिर हुसैन वार्ड अंतर्गत अंसार नगर के नासीर मुल्ला जी से जावेद नजीर हाजी मकान तक नाली एवं सड़क निर्माण कार्य।	3 माह 8.40 लाख	2,000/- 8409/-	30/3/2026

नोट-निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://www.mptenders.gov.in की वेबसाइट पर ही किया जायेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

कार्यपालन यंत्री (लोककर्म विभाग) नगर निगम, जबलपुर

350 क्विंटल जब्त मूंगफली दाने की हुई नीलामी

दमोह (स्वतंत्र मत)। जबेरा प्रबंध संचालक राज्य मंडी बोर्ड भोपाल के आदेश एवं संयुक्त सहायक संचालक मंडी बोर्ड सागर रोहिणी प्रसाद चक्रवर्ती के मार्गदर्शन में 14 नवंबर 2025 रात्रि 1:30 पर सीजी04एनपी3700 का जबेरा मंडी के भीतर प्रवेश होने पर सागर उड़नदस्ता दल प्रमुख धनीराम शर्मा सहायक उप निरीक्षक एवं आनंद प्रताप सिंह स्थाई कर्मी सहित स्टाफ द्वारा वाहन के लोड अधिसूचित कृषि उपज मूंगफली दाना 350 क्विंटल के अभिलेख कूटरजित पाए गए। वह अनुज्ञा पत्र के अभाव में वाहन को जप्त कर मंडी जबेरा में रखा गया। प्रकरण न्यायालय दमोह में पेश किया गया। अधिसूचित कृषि उपज को व्यवस्थित रखने एवं वाहन को बंधनमुक्त करने का आदेश दिया गया था लेकिन वाहन चालक रमेश कुमार जोशी निवासी डबरा ग्वालियर द्वारा निर्णय दिनांक से ही गायब हो गए थे जिससे वाहन मुक्त नहीं हो सका।

कार्यालय नगर पालिक निगम जबलपुर

क्रमांक-का.से./2025-26/849 दिनांक 22/12/2025

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मौजा / ग्राम लक्ष्मीपुर नं.बं. 643 प.ह.नं. 4 खसरा नं. 58 कुल रकबा 0.194 हेक्टेयर (1940 वर्गमीटर) भूमि पर आवासीय भूखंडीय विकास (स्मार्ट टाउन फेस- 2) की अनुमति हेतु विकासकर्ता/ कालोनाईजर मेसर्स स्मार्ट एसोसिएट्स अधिकृत व्यक्ति श्री प्रकाश तिवारी पिता स्व. श्री राजेन्द्र प्रसाद तिवारी पता - म.नं. 24, पत्रकार कालोनी, रानीताल स्टेडियम रोड, भारत हॉस्पिटल के पीछे, जबलपुर द्वारा कालोनी विकास अनुमति प्राप्त करने के लिए निष्पादित विकास अनुबंध अनुसार विकास कार्यों के विरुद्ध निगम पक्ष में बंधक रखी गई संपत्ति का विवरण निम्न है :-

भूखण्ड क्रमांक 8 एवं 9 कुल 02 नग क्षेत्रफल 194.78 वर्गमीटर

अतः सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त दर्शित संपत्ति / भूखंडों का क्रय विक्रय कालोनी विकासकर्ता द्वारा नगर निगम से विकास कार्य पूर्णता प्रमाण पत्र प्राप्त करने के पूर्व न किया जावे उपरोक्त संबंध में विस्तृत जानकारी एवं विवरण तथा अभिन्यास का अवलोकन कार्यालयीन कार्य दिवस में नगर पालिक निगम जबलपुर कालोनी सेल कक्ष क्रमांक 5 में किया जा सकता है ।

प्रभारी कालोनी सेल, नगर पालिक निगम जबलपुर

कार्यालय नगर पालिक निगम जबलपुर

क्रमांक-का.से./2025-26/853 दिनांक 22/12/2025

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मौजा / ग्राम लक्ष्मीपुर नं.बं. 643 प.ह.नं. 4 खसरा नं. 34/1, 37/1, 39/1, 39/2 कुल रकबा 0.964 हेक्टेयर (9640 वर्गमीटर) भूमि पर आवासीय भूखंडीय विकास (स्मार्ट टाउन फेस- 1) की अनुमति हेतु विकासकर्ता/ कालोनाईजर मेसर्स स्मार्ट एसोसिएट्स अधिकृत व्यक्ति श्री प्रकाश तिवारी पिता स्व. श्री राजेन्द्र प्रसाद तिवारी पता- म.नं. 24, पत्रकार कालोनी, रानीताल स्टेडियम रोड, भारत होस्पिटल के पीछे, जबलपुर द्वारा कालोनी विकास अनुमति प्राप्त करने के लिए निष्पादित विकास अनुबंध अनुसार विकास कार्यों के विरूद्ध निगम पक्ष में बंधक रखी गई संपत्ति का विवरण निम्न है।

भूखण्ड क्रमांक- 1, 22, 26 एवं 31 कुल 04 नग क्षेत्रफल 579.51 वर्गमीटर

अतः सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त दर्शित संपत्ति/ भूखंडों का क्रय विक्रय कालोनी विकासकर्ता द्वारा नगर निगम से विकास कार्य पूर्णता प्रमाण पत्र प्राप्त करने के पूर्व न किया जाये उपरोक्त संबंध में विस्तृत जानकारी एवं विवरण तथा अभिन्यास का अवलोकन कार्यालयीन कार्य दिवस में नगर पालिक निगम जबलपुर कालोनी सेल कदा क्रमांक 5 में किया जा सकता है।

प्रभारी कालोनी सेल, नगर पालिक निगम जबलपुर

कार्यालय नगर पालिक निगम जबलपुर

क्रमांक- का.से. 2025-26/857 दिनांक 22/12/2025

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मौजा / ग्राम लक्ष्मीपुर नं.बं. 643 प.ह.नं. 4 खसरा नं. 32 कुल रकबा 0.214 हेक्टेयर (2140 वर्गमीटर) भूमि पर आवासीय भूखंडीय विकास (स्मार्ट टाउन फेस- 3) की अनुमति हेतु विकासकर्ता / कालोनाईजर मेसर्स स्मार्ट एसोसिएट्स अधिकृत व्यक्ति श्री प्रकाश तिवारी पिता स्व. श्री राजेन्द्र प्रसाद तिवारी पता- म.नं. 24, पत्रकार कालोनी, रानीताल स्टेडियम रोड, भारत हॉस्पिटल के पीछे, जबलपुर द्वारा कालोनी विकास अनुमति प्राप्त करने के लिए निष्पादित विकास अनुबंध अनुसार विकास कार्यों के विरुद्ध निगम पक्ष में बंधक रखी गई संपत्ति का विवरण निम्न है :-

भूखण्ड क्रमांक 1 एवं 2 कुल 02 नग क्षेत्रफल 189.23 वर्गमीटर

अतः सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त दर्शित संपत्ति / भूखंडों का क्रय विक्रय कालोनी विकासकर्ता द्वारा नगर निगम से विकास कार्य पूर्णता प्रमाण पत्र प्राप्त करने के पूर्व न किया जावे उपरोक्त संबंध में विस्तृत जानकारी एवं विवरण तथा अभिन्यास का अवलोकन कार्यालयीन कार्य दिवस में नगर पालिक निगम जबलपुर कालोनी सेल कक्ष क्रमांक 5 में किया जा सकता है ।

प्रभारी कालोनी सेल, नगर पालिक निगम जबलपुर

पानी पर नगर पंचायत की मनमानी

बरेला नगर पंचायत में अधिकारी से लेकर कर्मचारी तक मनमानी में उतारू हैं, अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि नगर पंचायत अध्यक्ष ने जलविभाग प्रभारी से बीटीआई कॉलोनी में एक घर में नल कनेक्शन देने के लिए एक बार नहीं 5 बार कहा लेकिन जलविभाग के प्रभारी ने एक न सुनी। उल्टा नल कनेक्शन लेने वाले व्यक्ति को ही धौंस दिखा दी कि अध्यक्ष कुछ नहीं होता है हमारे लिए तो अधिकारी ही सर्वोपरि है।

बरेला नगर पंचायत अध्यक्ष की किरकिरी कर रहा जलविभाग प्रभारी

बीटीआई कॉलोनी में 5 बार कहने के बाबजूद नहीं दे रहे नल कनेक्शन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

बरेला नगर पंचायत में प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं। यहां जल विभाग की कार्यप्रणाली को लेकर स्थानीय लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। ताजा मामला बीटीआई कॉलोनी का है, जहां एक घर में नल कनेक्शन लगाने के लिए नगर पंचायत अध्यक्ष द्वारा कई बार निर्देश देने के बावजूद जल विभाग प्रभारी ने आदेशों को नजरअंदाज कर दिया। बताया जा रहा है कि अध्यक्ष के कहने के बाद भी करीब पांच बार शिकायत की गई, लेकिन अब तक संबंधित घर में नल कनेक्शन नहीं लगाया गया है।

अध्यक्ष के निर्देश के बाद भी नहीं हुई कार्रवाई

बीटीआई कॉलोनी निवासी राजेंद्र उपाध्याय ने अपनी समस्या को लेकर बरेला नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतीक दुबे से अपनी परेशानी बताई थी। उन्होंने बताया कि उनके घर पर जो नल कनेक्शन है उसे परिवर्तित करके घर के पीछे वाली लाइन से कनेक्शन लेना है, क्योंकि हम दोनों पति-पत्नी नौकरी करते हैं नल आने का समय 9.30 का है, तब तक हम लोग नौकरी पर जा चुके होते हैं, घर में बुजुर्ग माता-पिता को पानी भरने में परेशानी का सामना करना पड़ता है। इस पर नगर पंचायत अध्यक्ष ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जल विभाग के कर्मचारी को नल कनेक्शन परिवर्तित करने के निर्देश दिए थे। लेकिन प्रभारी राकेश पटेल ने नल कर्मचारी को सख्त निर्देश देते हुए नल कनेक्शन न करने के निर्देश दिए।

बताया जा रहा है कि अध्यक्ष ने एक बार नहीं बल्कि कई बार जल विभाग प्रभारी को निर्देश दिए, लेकिन इसके बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की गई। इससे यह सवाल खड़ा हो रहा है कि नगर पंचायत में जनप्रतिनिधियों के आदेशों का भी पालन नहीं हो रहा है।

पहले भी सामने आ चुके हैं ऐसे मामले

बताया जा रहा है कि बरेला नगर पंचायत में यह पहला मामला नहीं है। इससे पहले भी कई लोग अपनी समस्याओं को लेकर नगर पंचायत के चक्कर काट चुके हैं। पानी, सफाई और अन्य बुनियादी सुविधाओं को लेकर नागरिकों ने कई बार शिकायतें की हैं, लेकिन समाधान नहीं मिलने से लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है।

प्रशासन से कार्यवाही की उम्मीद

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि इस तरह अधिकारियों द्वारा जनप्रतिनिधियों के आदेशों की अनदेखी की जाती रही, तो प्रशासनिक व्यवस्था पर लोगों का भरोसा कमजोर हो जाएगा। उन्होंने मांग की है कि मामले की जांच कर जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए और जल्द से जल्द बीटीआई कॉलोनी के प्रभावित घर में नल कनेक्शन उपलब्ध कराया जाए, ताकि लोगों को पानी की समस्या से राहत मिल सके।

जनप्रतिनिधि की अनदेखी से उठे सवाल

इस पूरे मामले ने नगर पंचायत की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि जब नगर पंचायत के अध्यक्ष के निर्देशों को ही नजरअंदाज किया जा रहा है, तो आम जनता की समस्याओं पर अधिकारियों का रवैया कैसा होगा, इसका अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है। नगर पंचायत क्षेत्र के लोगों का आरोप है कि जल विभाग में लंबे समय से मनमानी का माहौल बना हुआ है। कई बार शिकायतों के बावजूद समस्याओं का समय पर समाधान नहीं किया जाता, जिससे आम लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है।

शिकायत के बाद भी नहीं मिली राहत

राजेंद्र उपाध्याय का कहना है कि उन्होंने नल कनेक्शन की समस्या को लेकर नगर पंचायत अध्यक्ष को बार-बार अवगत कराया। करीब पांच बार शिकायत करने के बावजूद भी समस्या का समाधान नहीं हुआ। उन्होंने बताया कि जब उन्होंने जल विभाग प्रभारी राकेश पटेल से फोन पर बात कर नल कनेक्शन नहीं देने का कारण पूछा, तो उन्हें संतोषजनक जवाब नहीं मिला। उल्टा उन्हें यह कहा गया कि वे केवल अपने वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशों का पालन करते हैं और अध्यक्ष के निर्देश उनके लिए महत्वपूर्ण नहीं हैं।

एक के बाद एक झुग्गी-झोपड़ियों में लगती चली गई आग, सड़कों पर आए कई परिवार

आधारताल क्षेत्र में बने गुजराती मोहल्ला में लगी भीषण आग

प्रशासन से लगाई मदद की गुहार

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

अधारताल थाना क्षेत्र में बने गुजराती मोहल्ला में मंगलवार सुबह लगभग पांच बजे भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही देर में आसपास झुग्गी-झोपड़ियां इसकी चपेट में आ गईं और जलकर राख हो गईं। मौके पर पहुंची कई दमकल के वाहनों ने बड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। जानकारी के मुताबिक मंगलवार सुबह लगभग 5 बजे गुजराती मोहल्ले में बनी झोपड़ियों में आग लगी, जिसने धीरे धीरे कई झोपड़ियों को अपनी चपेट में ले लिया। आग लगने की खबर लगते ही घरों में सौ रहे परिवारों में अफरा तफरी मच गई, और सभी अपने अपने घरों से बाहर निकल आए। इस घटना में कई परिवारों को पूरा घरेलू सामान और कपड़ों का स्टॉक जलकर नष्ट हो गया।

15 सालों से रह रहे परिवार

बताया जा रहा है कि गुजराती मोहल्ला में करीब 15 परिवार पिछले लगभग 50 वर्षों से अपने प्लॉट पर झुग्गी-झोपड़ी बनाकर रह रहे हैं। ये परिवार पुराने कपड़े बेचकर अपना जीवन यापन करते हैं। आग इतनी भीषण थी कि सभी झुग्गियां पूरी तरह जलकर खाक हो गईं। इस हादसे में करीब 10 लाख रुपए से ज्यादा के नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है। पीड़ित परिवारों का कहना है कि आग में उनका सब कुछ जल गया है, जिससे उनके सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। उन्होंने मध्यप्रदेश सरकार और जिला प्रशासन से मदद की गुहार लगाई है। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

दमकल की कई गाड़ियों ने आग पर पाया काबू

घटना की सूचना मिलते ही नगर निगम की फायर ब्रिगेड की छह गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। दमकलकर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग बुझने के बाद क्षेत्र के लोगों ने राहत की सांस ली, हालांकि घटना के दौरान पूरे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। पीड़ितों ने बताया कि रात के वक्त हम सब अपनी अपने परिवार के साथ झोपड़ी में सो रहे थे। अचानक से आग लगी, बच्चे चीखने लगे, कपड़ और समान जलने लगा। हम जान बचाकर भागे। हमारी जो जीवनभर की जमापूंजी थी और जो बच्चों का भविष्य था सब खाक हो गया है। तन में जो कपड़े पहने हुए हैं उसके अलावा हमारे पास कुछ नहीं बचा है। जवान बेटियां हैं उनकी शादी कैसे करेंगे। पीड़ितों ने प्रशासन से मदद की गुहार लगाई है।

कलेक्टर ने किया स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट का निरीक्षण

जबलपुर। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने नेताजी सुभाषचंद्र बोस मेडिकल कॉलेज स्थित स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट का निरीक्षण किया। उन्होंने इंस्टीट्यूट में आवश्यक उपकरण सुनिश्चित करने और गुणवत्तापूर्ण वायरिंग करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने ओपीडी और बॉनमैरो ट्रांसप्लांट यूनिट का निरीक्षण किया और साफ-सफाई व रूफ सीलिंग में आवश्यक मरम्मत करने के निर्देश दिए। इसके बाद उन्होंने मेडिकल अस्पताल में केजुअलटी और ओपीडी की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक गहलोत, डीन व सिविल सर्जन सहित अन्य चिकित्सक मौजूद थे।

'दिल्ली चलो' संकल्प के साथ युवा कांग्रेस भरेगी हुंकार

16 मार्च को संसद घेराव की तैयारी पूरी

जबलपुर

केंद्र सरकार की नीतियों और कथित कुशासन के विरोध में भारतीय युवा कांग्रेस द्वारा 16 मार्च 2026 को प्रस्तावित संसद घेराव आंदोलन को लेकर जबलपुर में हलचल तेज हो गई है। सोमवार को शहर युवा कांग्रेस की एक विशेष रणनीति बैठक संपन्न हुई, जिसमें भारी संख्या में कार्यकर्ताओं के साथ दिल्ली कूच करने का निर्णय लिया गया। शहर अध्यक्ष सोनू कुकरेले की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा गया कि युवाओं को अन्याय के खिलाफ मुखर होना होगा। बैठक में तय किया गया कि जबलपुर से सैकड़ों की तादाद में युवा कार्यकर्ता दिल्ली पहुंचकर केंद्र के खिलाफ आवाज बुलंद करेंगे। बैठक में अभ्युत बाजपेयी, नितिन सिंह, समीर गढ़वाल, शिशांत सिंह ठाकुर, अंकुर गुप्ता, आदेश चौबे, आयुष पहाड़िया, मोशीन मंसूरी, रोहित रैकवार, आशु दुबे, शुभम अग्रवाल, राघव तिवारी, संजू अहिरवार, राहुल सोनी, विवेक रजक समेत अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ई-रिक्शे की टक्कर से वृद्ध की मौत

जबलपुर। घमापुर थानातंर्गत सतपुला के पास शाम को टहल कर लौट रहे 71 वर्षीय वृद्ध को एक ई-रिक्शा ने टक्कर मार दी। जिसके बाद घायल वृद्ध को निजी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन कुछ देर बाद ही वृद्ध की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई करते हुए मर्ग कायम कर मामले को विवेचना में लिया है। पुलिस को सिद्धबाबा रोड लालमाटी निवासी 25वर्षीय प्रियांशी सिंह ने बताया कि उसके नाना रामपाल सिंह उम्र 71 वर्ष खमरिया फैक्ट्री से रिटायर्ड हैं। जो कि अपने साथी के साथ हमेशा सतपुला तरफ टहलने जाते थे। बीती वे अपने साथी मदन शर्मा और रामनरेश सिंह के साथ टहलने गये थे। जब टहलकर वापस आते हुए सतपुला के पास पहुँचे, उसी समय सफेद रंग के बैटरी वाले आटो के चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए उसके नाना को टक्कर मार दी। जिससे वे रोड पर गिर गये और उन्हें चोटे आ गई। जिन्हें उपचार के लिये ओमेगा हैदराबाद अस्पताल में भर्ती कराया था, जहां उपचार दौरान उनकी मौत हो गई।

पमरे ने कमाया 826 करोड़ का ऑरिजिनेटिंग रेवेन्यू

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। पश्चिम मध्य रेलवे ने चालू वित्तीय वर्ष के फरवरी माह में रूपये 826 करोड़ 86 लाख का कुल ऑरिजिनेटिंग रेवेन्यू अर्जित किया है, जो पिछले वर्ष की इसी माह (रूपये 617 करोड़ 34 लाख) की तुलना में 33.94 प्रतिशत अधिक है तथा रेलवे बोर्ड द्वारा निर्धारित लक्ष्य (627 करोड़ 86 लाख रूपये) ऑरिजनेटिंग रेवन्यू से 31.69 प्रतिशत अधिक है। ऑरिजनेटिंग रेवेन्यू के मद वाइस आय पर नजर डालें तो यात्री यातायात से रुपये 202 करोड़ 46 लाख, माल यातायात से रुपये 581 करोड़ 35 लाख, अन्य कोचिंग मद में रुपये 13 करोड़ 83 लाख एवं विविध आय यानि संड्री से रुपये 29 करोड 22 लाख का रेलवे राजस्व प्राप्त किया है।

फांसी लगाकर की खुदकुशी

जबलपुर। घमापुर पुलिस को रितेश सिंह ने बताया कि बीती शाम वह अपनी दुकान पर था। उसी समय उसकी पत्नी संतोषी ठाकुर ने फोन कर बताया कि उसके साले दिनेश सिंह उम्र 54 वर्ष ने फांसी लगा ली है। जिसे फंदे से उतारकर मोहल्ले के डॉक्टर के यहां ले गये। जिन्होंने चैक कर उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई करते हुए मर्ग कायम कर मामले को विवेचना में लिया है।

प्रोफेसरों को 6 घंटे 40 मिनट और कर्मचारियों को 8 घंटे रुकना अनिवार्य

सार्थक एप से दर्ज होगी उपस्थिति, कॉलेजों के लिए नया नियम लागू

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा जबलपुर संभाग द्वारा जारी आदेश के तहत अब सभी शासकीय एवं अनुदान प्राप्त अशासकीय महाविद्यालयों में शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक स्टाफ की उपस्थिति को लेकर नया निर्देश लागू किया गया है। आदेश के अनुसार महाविद्यालयों के शैक्षणिक स्टाफ को प्रतिदिन कम से कम छह घंटे 40 मिनट तक महाविद्यालय में उपस्थित रहना अनिवार्य होगा। जबकि अशैक्षणिक स्टाफ को आठ घंटे तक महाविद्यालय में रहना होगा। इस संबंध में संभाग के सभी महाविद्यालयों के प्राचार्यों को पत्र जारी किया गया है।

निर्धारित समयावधि का पालन कराना अनिवार्य- पत्र में उल्लेख किया गया है कि आयुक्त उच्च शिक्षा द्वारा आयोजित वीडियो कान्फ्रेंसिंग में दिए गए निर्देशों के अनुसार सभी शासकीय एवं अनुदान प्राप्त अशासकीय महाविद्यालयों में उपस्थिति सार्थक एप के माध्यम से सुनिश्चित की जाएगी। निर्देशों के अनुसार सार्थक एप में उपस्थिति दर्ज करते समय यह विशेष रूप से ध्यान रखा जाएगा कि प्रत्येक शैक्षणिक स्टाफ महाविद्यालय में छह घंटे 40 मिनट तथा अन्य अधिकारी व कर्मचारी आठ घंटे तक अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें। उपस्थिति का निर्धारण भी इसी समयावधि के आधार पर किया जाएगा।

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-**smatjbp1@ gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**